THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 253 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.4 2081 गुरुवार, 5 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आतंकियों ने किया सेना की पोस्ट पर ग्रेनेड हमला

पुंछ, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों ने सेना के एक पोस्ट पर ग्रेनेड हमला किया, लेकिन इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। आतंकवादियों ने सेना के पोस्ट पर दो ग्रेनेड फेंके, जिनमें से केवल एक ही फटा। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। आतंकवादियों ने सेना के पोस्ट के पीछे सुरनकोट इलाके में स्थित एक सेना कैंप पर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। आतंकवादियों द्वारा फेंके गए ग्रेनेड में से एक का सुरक्षा पिन सेना के कैंप की परिधि दीवार के पास मिला है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है।

देवेंद्र फडणवीस आज लेंगे शपथ

> बीजेपी विधायक दल की बैठक में ऐलान

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नतीजे के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर लंबे समय से बरकरार सस्पेंस अब खत्म हो चुका है क्योंकि बीजेपी की विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को सर्वसम्मति से नेता चुन लिया गया है। इसके साथ ही यह तय हो गया है कि देवेंद्र फडणवीस ही महाराष्ट्र की महायुति सरकार के अगले मुख्यमंत्री होंगे, जो कि कल 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

दरअसल, चुनाव नतीजों के 11 दिन बाद आज मुंबई में हुई बीजेपी विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस के नाम पर सहमति बन गई है। सूत्र बताते हैं कि एकनाथ शिंदे और अजित पवार राज्य के डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। हालांकि अभी डिप्टी सीएम को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ भी ऐलान नहीं किया गया है।

फडणवीस ने दोहराया बीजेपी का नारा

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद फडणवीस ने कहा कि मैं एकनाथ शिंदे और अजित पवार करा शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाएंगे। हमें यह बात भी याद रखनी है कि एक हैं तो सेफ हैं। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने कहा कि एकमत निर्णय आनंददायी होता है। आप सभी ने सही फैसला किया है।

बीजेपी के दो दिग्गजों ने रखा प्रस्ताव

बीजेपी विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस के नाम का प्रस्ताव बीजेपी नेता चंद्रकांत पाटिल और सुनील मुगंटीवार ने रखा। उनके नाम का समर्थन सबसे पहले पंकजा मुंडे ने अनुमोदन किया है। बीजेपी विधायक दल की इस बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के सीएम विजय रूपाणी भी मौजूद थे।

राजभवन जाकर पेश करेंगे सरकार बनाने का दावा

बीजेपी विधायक दल की बैठक के बाद अब देवेंद्र फडणवीस समर्थकों विधायकों के नाम के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल से मिलेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। महायुति के नेता दोपहर 3.30 बजे राजभवन जाएंगे। महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को आजाद मैदान में शपथ ग्रहण कार्य़क्रम आयोजित किया जाना है। इस कार्य़क्रम में बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

'एक हैं तो सेफ हैं' के नारे को जनता ने सही साबित किया

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम पर संशय के बादल छंट गए हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। वह पांच दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद फडणवीस ने दल के सभी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही छत्रपति शिवाजी, अटल बिहारी वाजपेयी और अहिल्याबाई होल्कर को याद किया। वहीं उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने और अब मैं भी तीसरी बार सीएम बन गया हूं।

उन्होंने कहा, 'मैं विधायक दल के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं कि आप सभी ने मुझे सर्वसम्मति से चुना। मैं हमारे केंद्रीय पर्यवेक्षकों विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण का भी आभार जताता हूं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ये ऐतिहासिक चुनाव थे और इन चुनावों ने साबित कर दिया है कि 'एक हैं तो सेफ हैं' और 'मोदी है तो मुमकिन है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने हरियाणा के साथ अपनी जीत का सिलसिला फिर से शुरू किया है और अब महाराष्ट्र ने ऐसा प्रचंड जनादेश दिया है कि मैं महाराष्ट्र के मतदाताओं के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हूं। मैं सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवार और हमारे अन्य सहयोगियों को भी धन्यवाद देता हूं।'

फडणवीस ने कहा, 'हमें गर्व है कि 2019 के बाद एक भी विधायक ने हमें नहीं छोड़ा और सभी एक साथ रहे और हमने 2022 में सरकार बनाई। आज भी महायुति को ऐतिहासिक जनादेश मिला है। मोदी जी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने हैं। मैंने वार्ड स्तर के नेता के रूप में शुरुआत की थी और अब मैं तीसरी बार मुख्यमंत्री भी बन गया हूं। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों ने चुनावों के दौरान महाराष्ट्र भाजपा को भारी समर्थन और बढ़ावा दिया है।'

एक ही कार से राजभवन पहुंचे फडणवीस-शिंदे और अजित पवार

राज्यपाल से मिलकर पेश किया सरकार बनाने का दावा

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र का अगल सीएम कौन होगा? अब इस सवाल से पर्दा उठ चुका है। इसी बीच देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात की। तीनों नेताओं से राज्यपाल के सामने सरकार बनाने के दावा पेश किया। राजभवन में महायुति नेताओं ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। बता दें, देवेंद्र फडणवीस कल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। महाराष्ट्र चुनावों में महायुति की शानदार जीत के बाद देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा विधायक दल की बैठक में फडणवीस को अपना नेता चुने जाने के बाद तीनों नेताओं ने बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की।

राहुल-प्रियंका संभल नहीं जा सके, गाजीपुर बॉर्डर से लौटे

> दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर 4 घंटे जाम से लोग परेशान > कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा

नई दिल्ली/संभल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बुधवार को उत्तर प्रदेश के संभल नहीं जा सके। यहां उन्हें हिंसा में मारे गए लोगों के परिजन से मिलना था। यूपी पुलिस ने उनके काफिले को गाजीपुर बॉर्डर पर रोक लिया। इससे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर 4 घंटे तक 5 किमी लंबा जाम लगा रहा। हालांकि, राहुल-प्रियंका यहां 3 घंटे ही रुके थे। जाम की वजह से ट्रैफिक में फंसे लोग नाराज हो गए। उनकी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से झड़प हुई। लोगों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीट दिया।

इससे पहले राहुल ने भी अफसरों से बातचीत की। कहा-मैं पुलिस की गाड़ी में अकेले जाने को तैयार हूं। लेकिन अफसर राजी नहीं हुए। राहुल हाथ में संविधान लेकर कार पर चढ़ गए। मीडिया को संबोधित किया। इसके बाद राहुल-प्रियंका दिल्ली लौट गए। उन्होंने कहा-अब 6 दिसंबर को संभल जाएंगे। संभल में कोर्ट के आदेश पर 24 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे किया जा रहा था। इस दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें गोली लगने से चार युवकों की मौत हो गई थी। इससे पहले, शनिवार को सपा और रविवार को कांग्रेस के डेलिगेशन ने भी संभल जाने का ऐलान किया था। हालांकि, पुलिस ने जगह-जगह घेराबंदी करके किसी को संभल नहीं जाने दिया।

'बहुत सख्त है उत्तर प्रदेश का गुंडा एक्ट' सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश का गुंडा और गैर सामाजिक गतिविधि रोकथाम कानून बहुत सख्त है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही। दरअसल इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मई 2023 में गुंडा एक्ट के तहत लंबित कार्यवाही रोकने की मांग वाली एक याचिका खारिज कर दी थी। इस पर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर बीते साल नवंबर में उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा था। साथ ही शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत किसी कार्रवाई पर भी रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल और अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिए याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यूपी गैंगस्टर्स एक्ट के तहत उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार है और पिछली प्राथमिकी से उपजी है। याचिका में कहा गया है कि यह प्राथमिकी दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है। इसमें तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर्स एक्ट लगाना पक्षपातपूर्ण है और यह पुलिस एवं न्यायिक मशीनरी का दुरुपयोग है। बुधवार को याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क देते हुए कहा कि उनके खिलाफ पहले 1986 एक्ट की धाराओं में अवैध खनन का मामला दर्ज किया गया। एक ही आरोप में दो बार मामला दर्ज किया गया। गुंडा एक्ट की आलोचना करते हुए पीठ ने कहा कि इस पर विचार किए जाने की जरूरत है।

महाराष्ट्र-हरियाणा में बीजेपी को साजिश से मिली जीत?

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव से पहले कर दिया बड़ा दावा

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए अब कुछ ही महीनों का वक्त बचा है। इससे पहले दिल्ली की सियासीगर्मियां तेज होने लगी हैं। इस बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक ने बीजेपी ताजा हमला किया है। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बीजेपी पर लोगों के वोट काटने का आरोप लगाया। साथ भी हरियाणा और महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत को भी साजिश करार दिया है। एक्स पर किए गए पोस्ट में अरविंद केजरीवाल ने इस संबंध में बहुत बड़ा खुलासा करने की भी बात कही है। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, दिल्ली में बीजेपी बड़े स्तर पर लोगों के वोट कटवाने की कोशिश करते रंगे हाथों पकड़ी गई। बीजेपी ने हजारों वोटर्स के वोट कटवाने के लिए अर्जी डाली। जल्द इस पर बहुत बड़ा खुलासा करूंगा। क्या ये लोग हरियाणा और महाराष्ट्र का भी चुनाव इसी तरह जीते? बीजेपी वालों, दिल्ली में तुम्हारा षड्यंत्र सफल नहीं होने देंगे।

महाराष्ट्र और हरियाणा में बीजेपी की अप्रत्याशित जीत

हालांकि, अरविंद केजरीवाल के इस पोस्ट के बाद फिलहाल बीजेपी की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है। बता दें कि हाल ही में हुए महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अप्रत्याशित जीत हासिल की है। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में बीजेपी ने जहां कांग्रेस के पक्ष में माहौल होने के बाद हरियाणा में अपनी जीत सुनिश्चित की, वहीं महाराष्ट्र में भी पार्टी ने महा विकास अघाड़ी के मजूबत बताए जाने वाले गठबंधन को भी मात देने में कामयाब रही। गौर करने वाली बात यह है कि दिल्ली में साल 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने दिल्ली की 63 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, बीजेपी को केवल 7 सीटों पर कामयाबी मिली थी। हालांकि, इसके बाद अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले का आरोप लगा और जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी से इस्तीफा दे दिया था।

'पुरुषों को भी मासिक धर्म होता तब वो समझ पाते'

महिला जजों को हटाने पर एचसी पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महिला सिविल जजों की सेवाएं समाप्त करने और उन्हें बहाल करने से इनकार करने पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को फटकार लगाई। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि अगर पुरुषों को मासिक धर्म होता तो वे समझ पाते। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जब न्यायाधीश मानसिक और शारीरिक रूप से पीड़ित हों तो मामलों के निपटान की दर कोई पैमाना नहीं हो सकती। बार एंड बेंच की खबर के अनुसार, मध्य प्रदेश में महिला सिविल जजों की सेवाएं समाप्त करने और उनमें से कुछ को बहाल करने से इनकार करने के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए पीठ हाई कोर्ट के रवैये से नाराज थी।

अपनी नाराजगी जताते हुए पीठ ने कहा, " बर्खास्तगी-बर्खास्तगी कहना और घर चले जाना बहुत आसान है। हम भी इस मामले की विस्तार से सुनवाई कर रहे हैं; क्या वकील कह सकते हैं कि हम धीमे हैं? खास तौर पर महिलाओं के लिए, अगर वे शारीरिक और मानसिक रूप से पीड़ित हैं, तो यह मत कहिए कि वे धीमी हैं और उन्हें घर भेज दीजिए।" पीठ ने आगे कहा, "पुरुष न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के लिए भी यही मानदंड होने चाहिए, हम तब देखेंगे और हम जानते हैं कि क्या होता है। आप जिला न्यायपालिका के लिए मामले के निपटान को मानदंड कैसे बना सकते हैं?" जस्टिस नागरत्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा, "काश पुरुषों को भी मासिक धर्म होता तब वो समझ पाते।"

6 महिला न्यायिक अधिकारियों की सेवाएं एमपी सरकार ने समाप्त कर दी थीं

सर्वोच्च न्यायालय ने जनवरी में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जून 2023 में 6 जजों की बर्खास्तगी पर स्वतः संज्ञान लिया था। इन 6 महिला न्यायिक अधिकारियों की सेवाएं हाई कोर्ट की सलाह पर मध्य प्रदेश सरकार ने समाप्त कर दी थीं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन। कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उन महिला अधिकारियों में से एक के मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की, "जब न्यायाधीश मानसिक और शारीरिक रूप से पीड़ित हों तो मामले का निपटारा दर कोई पैमाना नहीं हो सकता।

" 23 जुलाई 2024 को पीठ ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को प्रभावित न्यायाधीश के अभ्यावेदन पर न्यायिक अधिकारियों की सेवाएं समाप्त करने के अपने फैसले पर एक महीने के भीतर पुनर्विचार करने को कहा था। मध्य प्रदेश सरकार के राज्य विधि विभाग ने छह महिला न्यायाधीशों को बर्खास्त करने का आदेश पारित किया था क्योंकि इसकी एक प्रशासनिक समिति और पूर्ण न्यायालय की बैठक में प्रोबेशन पीरियड के दौरान उनके प्रदर्शन को असंतोषजनक पाया गया था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी।

ड्यूटी के दौरान गोली लगने से फौजी की मौत, शोपियां में जवान की संदिग्ध मृत्यु

जम्मू/श्रीनगर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सर्विस राइफल से दुर्घटनावश चली गोली लगने से सेना के जवान की मौत हो गई। सैनिक की पहचान जम्मू के दीवान सुचेतगढ़ निवासी सतनाम सिंह (24) के रूप में हुई है। सतनाम सिंह सेना की 11 आरआर कंपनी में तैनात थे। गोली लगते ही साथियों ने तुंरत उन्हें सीएचसी छात्रू में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सतनाम को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम व कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पार्थिव शरीर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। शोपियां जिले में तैनात सीआरपीएफ के जवान की मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में अपनी सर्विस राइफल से गोली लगने से मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि 178 बटालियन का जवान हॉर्टिकल्चर फार्म जैनापोरा में तैनात था। उसकी पहचान परमवीर निवासी सिहमा, जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

विजेंद्र गुप्ता के बयान पर बिफरे रामनिवास गोयल, कहा- 'आपको शर्म आनी चाहिए'

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में बुधवार को एक बार फिर हंगामा देखने को मिला। दरअसल, दिल्ली विधानसभा के स्पीकर रामनिवास गोयल ने बुधवार को कहा कि प्रतिपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता को सदन से माफी मांगनी चाहिए। वे कह रहे हैं कि कानून व्यवस्था इस सदन का मुद्दा नहीं है। इस मामले में आप नेताओं को कहना है कि दिल्ली में अपराधी पूरी तरह से बेलगाम हो गए हैं। इसके लिए केंद्र सरकार और बीजेपी प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार है। बीजेपी विधायक और प्रतिपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता के इस बयान का आप विधायक सदन में प्लेकार्ड लेकर विरोध कर रहे हैं। आप विधायक बीजेपी की इस रुख के खिलाफ नारेबाजी भी कर रहे हैं। आप विधायकों के हंगामे को देखते हुए कि स्पीकर रामनिवास गोयल ने 10 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दिया।

कानून एवं व्यवस्था सदन का विषय क्यों नहीं?

स्पीकर रामनिवास गोयल ने विजेंद्र गुप्ता के बयान पर इतना नाराज हुए कि उन्होंने प्रतिपक्ष के नेता को फटकार लगाते हुए कहा, ये जो बोल रहे हैं, उसे रिकॉर्ड कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि कानून एवं व्यवस्था सदन का विषय क्यों नहीं है। आपको शर्म आनी चाहिए। क्या ये विजेंद्र गुप्ता बोल रहे हैं? इस मामले में आप नेताओं को कहना है कि दिल्ली में अपराधी पूरी तरह से बेलगाम हो गए हैं। इसके लिए केंद्र सरकार और बीजेपी प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार है।

क्या कहा था विजेंद्र गुप्ता ने?

दरअसल, बीजेपी विधायक और सदन में प्रतिपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने बहस के दौरान कहा दिया कि लॉ एंड आर्डर सदन का मुद्दा नहीं है। इस मसले को सदन में चर्चा के लिए आप विधायकों ने उठाया था। आप विधायकों ने दिल्ली में आपराधिक घटनाओं को लेकर केंद्र और बीजेपी पर हमला बोला था।

'बेलगाम अपराध शर्म की बात'

इस मसले पर सदन के बाहर भी आप विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया। आप विधायकों ने गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे दिल्ली की कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। वो पूरी तरह से विफल रहे हैं। विधायक संजीव झा ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। दिन दहाड़े हत्याएं हो रही है। एक परिवार के ही कई लोगों को मार दिया जा रहा है। यह बेहद शर्मनाक है। गृह मंत्री अमित शाह के घर से 10 किलोमीटर की दूरी पर इस तरह की हत्याएं हो रही हैं और वह कुछ नहीं कर पा रहे है।

भाजपा को फिर बड़ा झटका

बड़े नेता प्रवेश रत्न आप में शामिल केजरीवाल के कामों से प्रभावित

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है। एक बार फिर भाजपा को दिल्ली में आप ने बड़ा झटका दिया है। अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर जाटव समाज के बड़े नेता प्रवेश रत्न आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मनीष सिसोदिया ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। आप के बड़े नेता मनीष सिसोदिया ने प्रवेश रत्न के आप में शामिल होने पर कहा कि समस्त जाटव समाज आम आदमी पार्टी के साथ है। आप सरकार के कामों से जाटव, दलित और एससी समाज के परिवारों को काफी लाभ हुआ है। उनकी जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। आज अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर भाजपा नेता प्रवेश रत्न आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। मैं उनका स्वागत करता हूं। आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद प्रवेश रत्न ने कहा कि केजरीवाल की छह रेवड़ियों से जाटव समाज को लाभ हुआ है। दिल्ली में आप सरकार शिक्षा समेत तमाम चीजों को लेकर शानदार काम कर रही है। मैं अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहा हूं। केजरीवाल की 6 रेवड़ियों से जाटव और ग़रीब समाज की जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। इसे और आगे बढ़ाने को लेकर हम मिलकर काम करेंगे।

टीचर ने क्लास के बच्चे की मौत बताकर स्कूल से ले ली छुट्टी, पिता को ऐसे लगा पता; फिर कर दी शिकायत

रीवा, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मऊगंज जिले से एक ऐसा मामला समाने आया है जिसे जानकर आपका दिमाग भन्ना उठेगा। आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे ऐसा कोई कैसे कर सकता है? जिले के शासकीय नवीन प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक का एक अजीबोगरीब कारनामा उजागर हुआ है। यहां छुट्टी लेने के लिए शिक्षक ने पहले तो कक्षा 3 के एक छात्र को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने की जानकारी विद्यालय के रजिस्टर में एंट्री कर दी। फिर जब जीवित छात्र के मौत की खबर जैसे ही परिजनों को लगी तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई और उन्होंने तत्काल थाने पहुंचकर शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की। दरअसल यह मामला मऊगंज जिले के नईगढ़ी स्थित चिगिर टोला का है, यहां के रहने वाले रामसरोज कोरी का बेटा जितेंद्र कोरी शासकीय नवीन प्राइमरी स्कूल में कक्षा 3 का छात्र है। बीते दिन सोशल मीडिया में हैरान कर देने वाली एक पोस्ट वायरल हुई, जिसके बाद किसी दूसरे शिक्षक से वायरल हुए पोस्ट की जानकारी छात्र के पिता से ली गई। पिता ने तत्काल पोस्ट को अपने मोबाइल पर मंगवा कर पढ़ा तो कुछ देर के लिए वह सन्न रहा गया।

किसानों पर ऐसा क्या बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कि खुश हो गई कांग्रेस, कही ये बात

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। किसानों के प्रदर्शन के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान के बाद से सियासी पारा हाई है। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने किसानों को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी निशाने पर लिया। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि अगर किसानों को उचित मूल्य दे दिया जाएगा तो कोई पहाड़ तो नहीं टूट जाएगा। अब इस मामले पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने खुशी जताई है, उन्होंने कहा कि जिन मामलों पर उपराष्ट्रपति ने सवाल किए हैं, यही मामले हमारी पार्टी और राहुल गांधी पिछले 5 सालों से उठा रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि हम उपराष्ट्रपति का सम्मान करते हैं, उन्होंने आगे कहा कि वे राज्यसभा के संरक्षक और संविधान के रक्षक हैं। उन्होंने कृषि मंत्री से जो सवाल पूछा, कांग्रेस पार्टी भी पिछले 4-5 साल से वही सवाल प्रधानमंत्री से पूछ रही है। हम इसी बात पर चर्चा चाहते हैं, और हमने इसके लिए नोटिस भी दिया है, हमें खुशी है कि उपराष्ट्रपति ने ये सवाल पूछा है।

जयराम रमेश ने बताई किसानों की 5 मांगें

जयराम रमेश ने कहा कि हम किसानों को लेकर पिछले 5 सालों से 3 सवाल पूछ रहे हैं, कि किसानों को एमएसपी का कानूनी दर्जा कब दिया जाएगा? आपने वादा किया था पूरी खेती की लागत को डेढ़ गुना बढ़ाकर एमएसपी उसी स्तर पर तय की जाए। आपने निजी कंपनियों का 16 लाख करोड़ रूपये का कर्ज आपने माफ कर दिया, किसानों का कर्जा कब माफ किया जाएगा।यही 3 सवाल किसान, कांग्रेस और जनता पूछ रही हैं। किसानों के लिए ये सरकार क्या कर रही है?

क्या बोले थे धनखड़?

जगदीप धनखड़ ने कहा कि पिछले साल भी किसान आंदोलन कर रहे थे, इस साल भी आंदोलन चल रहा है। समय गुजरता जा रहा है और हम कुछ कर नहीं रहे हैं। इस दौरान धनखड़ ने कहा कि पहली बार मैंने भारत को बदलते हुए देखा है। पहली बार मैं महसूस कर रहा हूं कि विकसित भारत हमारा सपना नहीं लक्ष्य है। दुनिया में भारत कभी इतनी बुलंदी पर नहीं था। जब ऐसा हो रहा है तो मेरा किसान परेशान क्यों है? ये बहुत गहरा मुद्दा है। इसे हल्के में लेने का मतलब है कि हम प्रैक्टिकल नहीं हैं। हमारी पॉलिसी मेकिंग सही ट्रैक पर नहीं है।

डीआरआई ने जब्त किया 16 किलो नशीला पदार्थ, 24 करोड़ कीमत, पांच गिरफ्तार

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय ने 16 किलो मेफेड्रोन बरामद किया। इसे हैदराबाद से मुंबई तक तस्करी कर एक बस में ले जाया जा रहा था। इसकी कीमत 24 करोड़ रुपये से भी अधिक है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थ के साथ 1.9 करोड़ नकद भी बरामद किया गया है। खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई की मुंबई जोनल टीम ने दो संदिग्धों पर निगरानी रखी और उन्हें पकड़ लिया। उनके सामान की तलाशी लेने के दौरान डीआरआई के अधिकारियों ने 16 किलो पाउडर पदार्थ जब्त किए। जांच के बाद मालूम चला कि यह पाउडर मेफेड्रोन है। इसे हैदराबाद से तस्करी कर मुंबई लाया जा रहा था। दोनों आरोपियों के पूछताछ करने के बाद पुलिस ने तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया। ठाणे में अवैध तरीके से रह रहे पांच बांग्लादेशी महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाला

पार्थ चटर्जी की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पहली नजर में पार्थ चटर्जी एक भ्रष्ट व्यक्ति हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं? भ्रष्ट व्यक्ति आसानी से जमानत पा सकते हैं जबकि आपके परिसर से करोड़ों रुपए बरामद हुए थे? पार्थ के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि जिस परिसर से पैसे बरामद हुए थे वो एक कंपनी का था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उस कंपनी पर पार्थ चटर्जी का पूरा नियंत्रण था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पार्थ चटर्जी और अर्पिता के संयुक्त नाम पर संपत्तियां खरीदी गई थी। मंत्री बनने के बाद उन्होंने फर्जी लोगों को भर्ती किया था। ईडी की तरफ से एएसजी एसवी राजू ने पार्थ चटर्जी को जमानत देने का विरोध किया है। ईडी न कहा कि दूसरे मामलों में उनकी जांच चल रही है। एएसजी राजू ने कहा कि अगर पार्थ चटर्जी को ईडी मामले में जमानत मिल भी जाती है तो भी वे जेल से बाहर नहीं आएंगे। पार्थ दो अन्य सीबीआई मामलों में हिरासत में हैं। पार्थ चटर्जी के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि वो ढाई साल से जेल मे बंद हैं। इस मामले में कई आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये सभी मामले 2022 के हैं लेकिन कोर्ट के हस्तक्षेप के कारण ही इसकी जांच शुरू हुई है। आरोप है कि 28 करोड़ रुपये बरामद हुए हैं। भले ही ये पैसे इनके घर में नहीं रखे गए होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें आज यह देखना है कि क्या जमानत दिए जाने से जांच पर प्रभाव पड़ने की संभावना तो नहीं है। सवाल यह है कि वह जांच में किस तरह से बाधा डालेंगे। पार्थ के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि अदालत शर्त लगा सकती है कि वो उस इलाके में न घुसें, वहां कहीं और रह सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछा कि क्या गवाहों के बयान धारा 164 के तहत रिकॉर्ड नहीं कर सकते? एएसजी राजू ने कहा कि यदि वह सहयोग करते हैं, तो ईडी 2 से 4 महीनों में आरोप तय कर सकती हैं। फिर हम इन गवाहों के बयान रिकॉर्ड करा लेंगे।

36 साल जेल में रहने के बाद 104 वर्षीय शख्स रिहा अपने भाई की हत्या के आरोप में काट रहा था सजा

कोलकाता, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मालदा के सुधारगृह में 36 साल तक सजा काटने के बाद 104 वर्षीय बुजुर्ग को रिहा कर दिया गया। पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट की तरफ से उन्हें राहत मिली थी। अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में जन्मे रसिक्त चंद्र मंडल 1988 में की गई एक हत्या के दोषी हैं। उन्होंने जमीन विवाद को लेकर अपने भाई की हत्या की थी। अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उन्हें बीच में एक साल के लिए जमानत पर रिहा किया गया था और जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें फिर से जेल में डाल दिया गया। जेल से रिहा होने के बाद रसिक्त मंडल ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने बताया कि वह अब बागवानी करेंगे और परिवार के साथ समय बिताएंगे। बता दें कि रसिक्त चंद्र मंडल का जन्म 1920 में मालदा जिले के एक गुमनाम गांव में हुआ था। इसी साल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अंग्रेजों के खिलाफ असहयोग आंदोलन शुरू किया था। पत्रकारों से बात करते हुए रसिक्त मंडल ने कहा, मुझे नहीं मालूम कि मैंने कितने साल जेल में गुजारे। यह कभी न खत्म होने वाला लग रहा था। मुझे यह भी याद नहीं कि मुझे यहां कब लाया गया था। अब मैं बाहर आ गया हूं। अब मैं अपने आंगन में छोटे-छोटे पौधों की देखभाल करूंगा। मैंने अपने परिवार को बहुत याद किया। मैं अब उनके साथ रहना चाहता हूं। मंडल के बेटे ने बताया कि उनके पिता को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रिहा किया गया था। उन्होंने कहा, जेल में रहने के दौरान यदि कैदी कोई अनुचित कार्य नहीं करता है तो अपनी सजा काटने के बाद वह रिहाई का हकदार है। मुझे खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने उनकी रिहाई का रास्ता साफ कर दिया। 1988 में एक हत्या के मामले में 1994 में दोषी ठहराए जाने के बाद, जब वह 68 साल के थे, और आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। उन्हें उम्र संबंधी बीमारियों के कारण जेल से पश्चिम बंगाल के बालुरघाट के सुधार गृह में ट्रांसफर कर दिया गया था। सजा के खिलाफ उनकी अपील को 2018 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, मगर यहां भी उसे निराशा हाथ लगी।

हिंसा के बीच मणिपुर सरकार ने लिया बस सेवा शुरू करने का फैसला

19 महीने में दूसरी बार कोशिश, 9 जिलों में इंटरनेट बंद

इंफाल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसा में कमी के बीच सरकार ने अंतर्जनपदीय बस सेवा शुरू करने का फैसला किया है। यह बस सेवा बुधवार को राजधानी इंफाल से पहाड़ी जिलों तक शुरू होगी। पिछले 19 महीने में हिंसा के बीच यह सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बहाल करने का दूसरा प्रयास है। पुलिस व्यवस्था के साथ यह बस सेवा शुरू की जाएगी। सरकार ने लोगों से सहयोग देने की अपील की। मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी ने एक आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने सुरक्षा बलों की उपलब्धता, प्रतिक्रिया प्रणाली और विभिन्न एजेंसियों से इनपुट के साथ राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। पर्याप्त सुरक्षा तैनाती के साथ सार्वजनिक परिवहन को बहाल करने का फैसला किया गया है। बुधवार से इंफाल से सेनापति तक और बिष्णुपुर के रास्ते कांगपोकपी और इंफाल से चुराचांदपुर तक बस सेवा शुरू की जाएगी। बता दें कि इंफाल घाटी में मेइती, कंगपोकपी और चुराचांदपुर में कुकी व सेनापति में नागा बहुल आबादी है। सरकार ने सार्वजनिक परिवहन में बाधा डालने वाले उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात भी कही है। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में भी मणिपुर सरकार ने बस सेवा शुरू करने का प्रयास किया था। मगर बाद में इस सेवा को बंद करना पड़ा था। मणिपुर के नौ जिलों में जातीय हिंसा के मद्देनजर दो दिन और मोबाइल इंटरनेट सेवा निलंबित रहेगी। गृह विभाग के एक अधिकारी के अनुसार मोबाइल इंटरनेट सेवा पांच दिसंबर शाम 5:15 बजे तक निलंबित की गई है। 25 नवंबर को कांगपोकपी जिले से लापता एक व्यक्ति को छोड़कर 18 नवंबर से नौ जिलों में कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली है। अधिकारी ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं के निलंबन को दो और दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी, चुराचांदपुर, जिरीबाम और फेरजावल जिलों में यह आदेश लागू होगा।

प्रदर्शन के बाद निलंबित की गई थी इंटरनेट सेवा

बता दें कि 15 और 16 नवंबर को जिरीबाम जिले में लापता तीन बच्चों और तीन महिलाओं के शव मिलने के बाद इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम समेत घाटी के सभी जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। लोगों की भीड़ ने मंत्रियों, विधायकों और राजनीतिक नेताओं के घरों और बंगलों को निशाना बनाया। इसके बाद ही मुख्य सचिव विनीत जोशी ने इन जिलों में मोबाइल इंटरनेट को निलंबित करने का आदेश दिया था। तब से पिछले 18 दिनों से यहां मोबाइल इंटरनेट निलंबन को समय-समय पर बढ़ाया जा रहा है।

काले हिरण के शिकार की आशंका, 3 लोगों की कार से मिला 60 किलो मांस

महू, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल इज्तिमा में शामिल होकर मुंबई लौट रहे तीन लोगों की कार से 60 किलो मांस जब्त किया गया है। मांस काले हिरण के होने की आशंका है। वन विभाग के अफसरों का कहना है मांस के सैंपल जबलपुर व हैदराबाद की लैब में भेजे जाएंगे। मुखबिर की सूचना पर तड़के वन विभाग, क्राइम ब्रांच व किशनगंज पुलिस ने संयुक्त रूप से राऊ-खलघाट फोरलेन पर पीथमपुर चौपाटी के पास नाकेबंदी की थी। इसी दौरान कार एमएच 02ईपी4223 की तलाशी में प्लास्टिक की थैलियों में मांस भरा मिला।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Dated : 4.12.2024

Notice is hereby given to the general public that **Sri.Jilukara Ravi Kumar President** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **Telangana Praja Rajyam Party** with location of its head office 11-21-662, NTR Nagar, LB Nagar, Hyderabad under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1). Sri. Jilukara Ravi Kumar, President, 2). Sri. Kammampati Sreenu- General Secretary, 3) Smt. Thangellapally Shyamala Treasurer-** Objections, If any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C.Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **Telangana Praja Rajyam Party** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Sd/-/ President,
Telangana Praja Rajyam Party.

सुविचार: तनाव से केवल समस्याएं जन्म ले सकती है। समाधान खोजना हो तो मुस्कुराना ही पड़ेगा..!

मंत्री सुरेखा ने सीएम रेवंत रेड्डी के साथ पार्क में पौधारोपण किया

तेलंगाना वन विभाग की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट जारी
मंत्री ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में कांग्रेस पीपुल्स सरकार के एक वर्ष के शासन के पूरा होने के अवसर पर आयोजित "प्रजापालन - प्रजा विजयोत्सवम" के हिस्से के रूप में, वन विभाग द्वारा प्राप्त उपलब्धियों और लक्ष्यों को प्रस्तुत किया गया। इस दिन, जो वन विभाग के लिए विशेष है, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ, वन, पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कोंडापुर में कोटला विजय भास्कर रेड्डी बॉटनिकल गार्डन में विभिन्न विकास कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर, मंत्री सुरेखा ने वन और इको पर्यटन विकास कार्यालय, कोत्तागुडेम - पलवंचा मंडल प्रबंधक कार्यालय परिसर और सत्तुपल्ली मंडल प्रबंधक कार्यालय परिसर का सीएम रेवंत रेड्डी के साथ वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। बैटरी वाहन में सीएम रेवंत रेड्डी के साथ प्लांट इंट्रोडक्शन फील्ड (75 थीम पार्क) शुरू करने के बाद, मंत्री सुरेखा, विधायक अरीकापुडी गांधी, मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, टीजीएफ डीसी कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पोडेम वीरैया, वन विभाग के अधिकारियों और अन्य लोगों ने थीम पार्क का दौरा किया। वन अधिकारियों ने वैज्ञानिक तरीके से उन्हें पार्क की खास बातें बताईं। मंत्री सुरेखा ने सीएम रेवंत रेड्डी के साथ वर्चुअल वाइल्डलाइफ सफारी पार्क के हिस्से के रूप में गार्डियंस ऑफ द वाइल्ड, जंगल ओडिसी 9डी सिनेमा, 360 डिग्री थिएटर और वीआर एक्सपीरियंस चिड़ियाघर का उद्घाटन किया। मंत्री सुरेखा ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ इन विषयों को देखा। इससे पहले मंत्री सुरेखा ने सीएम रेवंत रेड्डी के साथ पार्क में पौधारोपण किया। मंत्री सुरेखा ने तेलंगाना वन विकास निगम (टीजीएफ डीसी) के नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्री ने खुद गाड़ी चलाई और वन अमले में जोश भर दिया। बाद में मंत्री सुरेखा ने मीडिया के साथ प्रेस वार्ता में हिस्सा लिया। तेलंगाना वन विभाग की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जारी की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने सार्वजनिक प्रशासन-सार्वजनिक विजय समारोह के हिस्से के रूप में वन विभाग के तत्वावधान में आज बॉटनिकल गार्डन में आयोजित विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया।मंत्री सुरेखा ने कहा कि शासन समारोह के हिस्से के रूप में, वन विभाग के सर्कल प्रमुख और जिला वन अधिकारी वर्ष के दौरान कांग्रेस पीपुल्स सरकार के लक्ष्यों और उपलब्धियों को प्रस्तुत कर रहे हैं। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि भविष्य में अधिकारियों के सहयोग और समन्वय से वन विभाग की बेहतरी के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इस अवसर पर टीजीएफ डीसी कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पोडेम वीरैया, विधायक अरीकापुडी गांधी, मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी, सीएम सचिव चंद्रशेखर रेड्डी, वन विभाग के प्रमुख सचिव अहमद नदीम, पीसीसीएफ (एचओएफएफ) आर.एम. डोबरियाल, पीसीसीएफ (कॉम्पा) सुवर्णा, सीसीएफ प्रियंका वर्गीस, मी सेवा आयुक्त रवि किरण नाइक (आईएफएस), टीजीएफ डीसी सीजीएम वेंकटेश्वर रेड्डी, जीएम स्काईलैब, इको टूरिज्म के कार्यकारी निदेशक रंजीत नाइक, सहायक निदेशक तनुजा, चिड़ियाघर के निदेशक सुनील हर्मेट और अन्य उपस्थित थे।

सीएस ने प्रजापालन विजय उत्सव समापन समारोह को लेकर बैठक की

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि इस माह की 7, 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रजापालन विजय उत्सव समापन समारोह बड़े पैमाने पर आयोजित किए जाएंगे। प्रजापालन विजय उत्ससव के समापन समारोह की तैयारियों को लेकर आज सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

मुख्य सचिव ने बताया कि महोत्सव के अंतिम तीन दिनों में मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर में प्रतिमा का अनावरण करेंगे, फिल्मी हस्तियों द्वारा संगीत संध्या का आयोजन होगा, प्रमुख होटल और रेस्तरां समूहों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, बड़े पैमाने पर ड्रोन शो, लेजर शो, क्रैकर्स शो और अन्य कार्यक्रम होंगे। 7 दिसंबर को वंदेमातरम श्रीनिवास की टीम, 8 को राहुल सिप्लिगुंज और 9 को संगीत निर्देशक थमन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि तेलुगु तल्ली फ़्लाईओवर से पीवी मार्ग तक पांच केंद्रों पर विशेष रूप से स्थापित स्थलों पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी मार्ग पर करीब 120 स्टॉल लगाए जा रहे हैं, जिनमें फूड स्टॉल, हैंडीक्राफ्ट स्टॉल और विभिन्न विभागों के अन्य स्टॉल शामिल हैं। युवाओं को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जा रहे हैं। टैंक बंड से राजीव गांधी जंक्शन, सचिवालय, इंदिरा गांधी आईमैक्स जंक्शन से पीवी नरसिम्हा राव मार्ग तक के हिस्से को रंग-बिरंगी बिजली की रोशनी से सजाया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शहरवासियों के लिए पीने के पानी, शौचालय, उचित सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए क्योंकि इन तीन दिनों में बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। उचित व्यवस्था की जानी चाहिए क्योंकि 9 तारीख को तेलंगाना तल्ली प्रतिमा अनावरण समारोह में एक लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इन व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया जा रहा है।

श्रीनिवास राजू, गृह विशेष मुख्य सचिव रवि गुप्ता, वित्त विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, परिवहन, सड़क और भवन विशेष मुख्य सचिव विकास राज, एमए और यूडी के प्रमुख सचिव दाना किशोर, जीएडी सचिव रघुनंदन राव, पर्यटन और संस्कृति सचिव स्मिता सभरवाल, आवास सचिव बुद्ध प्रकाश, पंचायत राज और ग्रामीण विकास सचिव लोकेश कुमार, एचएमडब्ल्यूएस और एसबी के एमडी अशोक रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त इलमबरीथी, एडीजीपी संजय कुमार जैन, हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप, रंगा रेड्डी कलेक्टर नारायण रेड्डी बैठक में शामिल हुए।

विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस पर स्कूली छात्रों ने लिया हिस्सा

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के आठ अलग-अलग स्कूलों के 120 से ज़्यादा छात्रों ने बुधवार को नेहरू जूलॉजिकल पार्क में विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस और प्रजा पालना-प्रजा विजयोत्सव के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। इस अवसर पर वन्यजीव संरक्षण विषय पर ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। चिड़ियाघर के क्यूरेटर जे.वसंथा, डिप्टी क्यूरेटर बरनोबा और स्टाफ सदस्यों ने ब्लैक बक बाड़ों में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

चिड़ियाघर परिसर में जुव्वी, मर्री, नरेपा, अगेसा आदि पौधों की प्रजातियां लगाई गईं।

ग्रीन बैनर एजुकेशन के तहत विद्यार्थियों और आगंतुकों के लिए पॉटरी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में स्कूली विद्यार्थियों सहित लगभग 900 आगंतुकों ने भाग लिया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिन भर के सत्र के समापन पर सरीसृप गृह के एम्फी-थिएटर में सांपों पर एक जागरूकता शो का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1000 विद्यार्थियों और आगंतुकों ने भाग लिया।

इंदिराम्मा आवास लाभार्थियों के चयन की व्यवस्था : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया है कि राज्य सरकार प्रतिष्ठित इंदिराम्मा आवासों के लिए लाभार्थियों के चयन के लिए सभी व्यवस्थाएं कर रही है। बुधवार को यहां एक बयान में मंत्री ने कहा कि आवास योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्य में तेजी लाई गई है, तथा सभी बाधाओं को दूर किया गया है। उन्होंने बताया, "हमने लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप की किसी गुंजाइश के बिना पात्र लोगों का चयन सुनिश्चित करने के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया है। इस ऐप को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार को लॉन्च

करेंगे।" मंत्री ने कहा कि मोबाइल ऐप की मुख्य विशेषताएं लाभार्थियों की वित्तीय और वर्तमान जीवन स्थिति, परिवार के सदस्यों का विवरण और घर निर्माण के लिए भूमि का विवरण होंगी। उन्होंने कहा कि पात्र गरीबों के लिए घरों के निर्माण की सुविधा के लिए हर गांव और वार्ड में इंदिराम्मा हाउस कमेटियां बनाई गई हैं। "प्रत्येक घर के निर्माण के लिए 5 लाख रुपये दिए जाते हैं, जो देश के किसी भी राज्य में अभूतपूर्व है। महिलाओं के नाम पर घर स्वीकृत किए जाते हैं और इन घरों के लिए लाभार्थियों को चार चरणों में भुगतान किया जाता है। हम बिचौलियों की भागीदारी की किसी भी संभावना के बिना सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में राशि जमा करेंगे। इस योजना के तहत निर्मित घरों का क्षेत्रफल कम से कम 400 वर्ग फीट, रसोई और शौचालय की सुविधा होगी।" उन्होंने खुलासा किया कि राज्य सरकार तेलंगाना राज्य के प्रत्येक मंडल मुख्यालय में इंदिराम्मा मॉडल घरों का निर्माण करेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार अगले चार वर्षों में चरणों में लगभग 20 लाख इंदिराम्मा घरों का निर्माण करेगी।

दक्षिण भारत क्षेत्र के जीओसी ने सिकंदराबाद सैन्य स्टेशन का दौरा किया

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह बरार, एवीएसएम, जीओसी डीबी क्षेत्र, ने सिकंदराबाद का दौरा किया। उन्होंने मेजर जनरल अजय मिश्रा, जीओसी तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के साथ बातचीत की और परिचालन और प्रशासनिक मामलों पर चर्चा की। जनरल बरार ने सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद का भी निरीक्षण किया, इसकी परिचालन फिटनेस और चिकित्सा देखभाल क्षमताओं की समीक्षा की। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए अस्पताल के कर्मचारियों की प्रशंसा की।

विकलांग महिलाओं को उच्च प्राथमिकता : मुथिनेनी वीरैया

विश्व दिव्यांग दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 4 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। रवीन्द्र भारती में बुधवार को दिव्यांग महिला सशक्तिकरण संघ की प्रदेश अध्यक्ष राज्य लक्ष्मी के तत्वाधान में विश्व दिव्यांग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में एमएलसी कोदंडराम और विकलांग राज्य सरकार निगम के अध्यक्ष मुथिनेनी वीरैया अतिथि थे। इस अवसर पर, वीरैया ने कहा कि विकलांग महिलाओं को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी और वह यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे कि विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 2016 के अनुसार राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी योजनाओं में 57 विकलांग महिलाओं को प्राथमिकता मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा 2014 से केंद्र में है और उसने पेंशन में एक रुपये भी नहीं बढ़ाया है। अतीत में भाजपा का समर्थन किया है और वर्तमान में भाजपा पर कम से कम 3000 बढ़ाने का दबाव बनाना चाहिए। एमएलसी कोदंडराम ने कहा कि अगर आंदोलनों से आए लोग सरकार में होंगे तो यह कई मायनों में लोगों के लिए अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि वीरैया ने विकलांग लोगों के मुद्दे पर पिछले 10 वर्षों से अपने आंदोलनों के कारण निगम में कई बदलाव किए हैं। मैंने यह भी कहा कि मुझे कई विकलांग लोगों के कल्याण के बारे में जागरूकता मिली है। उन्होंने कहा कि वह विकलांग लोगों को समान अवसर दिलाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, DHANNA DEVI, M/o: NB/SUB MADAN LAL , Resident of HASIMPUR CHHABILEPUR, MANAURI CHAIL, ALLAHABAD, UTTAR PRADESH - 212208 , have changed my name from DHANNA DEVI to DHYAN MATI vide Affidavit dt.04-12-2024 duly Sd.by P.RAVEEN-DRANATH ADV & NOTARY

WANTED BEAUTICIAN

Wanted Female Beautician, Good Salary+Incentives will be given. Walk in Interviews. Shivani Herbal Beauty Parlour 1st floor, Ashoka Scintilla, Above Mebaz Show Room, Himayatnagar,Main Road.
PH:9948925111, 9948926111

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हल्के और मध्यम भूकंप आना कोई नई बात नहीं

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए हल्के और मध्यम स्तर के भूकंप आना कोई नई बात नहीं है, जो किसी बड़े भूकंप के बाद के प्रभाव का परिणाम होते हैं।

30 सितम्बर, 1993 को प्रातः 3.56 बजे लातूर में आये भूकंप के दौरान और उसके बाद हैदराबाद सहित तेलंगाना के कई भागों में इसी प्रकार के, लेकिन कहीं अधिक तीव्र भूकंप के झटके महसूस किये गये थे, जिसका केन्द्र महाराष्ट्र का किल्लारी गांव था।

एनजीआरआई, हैदराबाद के भूकंप विज्ञान विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. श्री नागेश याद करते हैं कि किलारी हैदराबाद से सिर्फ़ 200 किलोमीटर दूर है, इसलिए उस दिन हैदराबाद और आस-पास के इलाकों में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए।

हालांकि, महाराष्ट्र के लातूर में आए भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई और यह कहीं ज़्यादा विनाशकारी था, जिसमें लोगों की जान चली गई और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

शहर में स्वच्छता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम : महापौर

कचरा संग्रहण के लिए रिक्शा वितरित

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने स्वच्छता प्रबंधन के हिस्से के रूप में शहर में स्वच्छता में सुधार की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बुधवार को जुबली हिल्स सर्कल में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने सफाई कर्मियों को रिक्शा और व्हील बैरो/पुश कार्ट वितरित किये। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक सर्किल को 50 की दर से 1500 कूड़ा रिक्शा (ट्राईसाइकिल) खरीदकर दिए गए हैं। इसी प्रकार, 1500 व्हील बैरो/पुश कार्ट खरीदे गए हैं और प्रत्येक सर्कल के लिए 50 व्हील बैरो/पुश कार्ट उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा, इन तीन पहियों वाले कचरा रिक्शा और व्हील बैरो को सफाई कर्मचारियों के समूहों को वितरित किया जाएगा ताकि वे कचरा संवेदनशील स्थानों पर डंप किए बिना कचरे को संग्रहित कर सकें और इसे नगर निगम के वाहनों को दे सकें। उन्होंने कहा कि इन रिक्शों का उपयोग सड़क सफाई क्षेत्रों से कचरा इकट्ठा करने के लिए किया जाता है और ये रिक्शे जीवीपी को हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह, वे स्वच्छता प्रबंधन में और सुधार करके शहर को साफ रखने में मदद करेंगे। कार्यक्रम में जुबली हिल्स सर्कल चिकित्सा अधिकारी भार्गव नारायण, स्वच्छता कार्यकर्ता और अन्य लोगों ने भाग लिया।

ट्रक का नियंत्रण खोने से जिंदा जल गया चालक

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार की सुबह शहर के बाहरी इलाके मेडचल के गौड़ा गांव में एक ट्रक के नियंत्रण खो देने और बाहरी रिंग रोड पुल से नीचे गिर जाने के बाद एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह करीब 2 बजे हुई, जब कचरा ले जा रहा ट्रक मियापुर से ओआरआर होते हुए बंदलागुड़ा की ओर जा रहा था, तभी नियंत्रण खो बैठा और ओआरआर से नीचे गिर गया।

पुलिस के अनुसार, गौड़ा गांव पहुंचने पर ट्रक चालक संदीप (27) काफी तेज गति से गाड़ी चला रहा था और स्टीयरिंग पर से उसका नियंत्रण खो गया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुर्घटना हुई। टक्कर के कारण ट्रक में आग लग गई और चालक केबिन में फंसे संदीप की जलकर मौत हो गई। अन्य वाहन चालकों द्वारा सूचित किए जाने पर मेडचल पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया और ट्रक को सड़क से हटाया गया।

हैदराबाद में सर्वश्रेष्ठ यूरोपीय सिनेमा लाने की तैयारी

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली में सफलता और कोलकाता में चल रही स्क्रीनिंग के बाद, यूरोपीय संघ फिल्म महोत्सव (ईयूएफएफ) का 29वां संस्करण हैदराबाद में यूरोपीय सिनेमा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लाने के लिए तैयार है। यूरोपीय सिनेमा का यह वार्षिक उत्सव भारत-यूरोपीय साझेदारी के लिए एक जीवंत श्रद्धांजलि है, जो कला और संस्कृति के लिए साझा प्रेम को उजागर करता है।

यह महोत्सव 31 भाषाओं में 26 पुरस्कार विजेता फिल्मों के माध्यम से एक आकर्षक सिनेमाई यात्रा का वादा करता है, जो यूरोपीय समाज, संस्कृति और लोगों की झलक पेश करता है। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के दूतावासों और हैदराबाद फिल्म क्लब के सहयोग से आयोजित, हैदराबाद संस्करण 6 से 15 दिसंबर तक प्रसाद लैब्स प्रीव्यू थिएटर, रोड नंबर 2, बंजारा हिल्स में होगा।

13 को "ईएसजी" पर सेमिनार होगा

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने "ईएसजी: उद्देश्य और प्रभाव के साथ व्यापार के भविष्य को नेविगेट करना" पर आधे दिन के सेमिनार की घोषणा की है। यह 13 दिसंबर को एफटीसीसीआई सुराना ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। मास्टरकार्ड इंडिया के चेयरमैन रजनीश कुमार एफटीसीसीआई में ईएसजी पर सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रजनीश कुमार भारतपे, एमडीआई के चेयरमैन और एसबीआई के पूर्व चेयरमैन भी हैं। कुमार करीब चार दशकों के अनुभव वाले एक अनुभवी बैंकर हैं। एसबीआई के चेयरमैन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने एसबीआई के डिजिटल प्लेटफॉर्म, योनो के विकास का नेतृत्व किया। ईएसजी अब एक चर्चा का विषय बन गया है। यह संगठनों को जोखिमों की पहचान करने और उनका प्रबंधन करने, सामाजिक जिम्मेदारी में सुधार करने और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ाने में मदद करता है। यह हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने, विनियमों का पालन करने और पूंजी तक पहुंच में सुधार करने के बारे में है। चालू वर्ष में ईएसजी में महत्वपूर्ण विनियामक प्रगति देखी गई, और कंपनियों को 2025 में नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। बढ़ती उपभोक्ता और निवेशक अपेक्षाओं के साथ-साथ भविष्य की विनियामक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, व्यवसायों को लगातार बदलते विनियामक परिदृश्य के अनुकूल होना चाहिए और इस सेमिनार को बेहतर ढंग से समझने के लिए उचित समय पर आयोजित किया जा रहा है। सेमिनार का उद्देश्य यह पता लगाना है कि पर्यावरण, सामाजिक और शासन सिद्धांत किस तरह से व्यवसाय परिदृश्य को बदल रहे हैं। दीर्घकालिक सफलता और प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए स्थिरता को शामिल करने, सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ाने और सुशासन को बढ़ावा देने की रणनीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करें। शुजात बिन अली, ग्लोबल जनरल काउंसिल और री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड के मुख्य अनुपालन अधिकारी, व्यवसाय रणनीति में पर्यावरण प्रबंधन को संबोधित करेंगे।

'अवैध निर्माण के लिए एलडीए अधिकारियों को क्यों न ठहराया जाए जिम्मेदार'

लखनऊ में बुलडोजर एक्शन पर हाई कोर्ट सख्त

लखनऊ, 4 दिसंबर (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पाम पैराडाइज सोसाइटी में रो-हाउस के अवैध निर्माण के मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि इसके लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उन अधिकारियों को क्यों न जिम्मेदार ठहराया जाए जिन पर इस अवैध निर्माण को रोकने का दायित्व था। न्यायालय ने एलडीए वीसी से इस अवैध निर्माण को रोकने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों पर थी उनका ब्यौरा तलब किया है। न्यायालय ने पाम पैराडाइज सोसाइटी के घरों के धवस्तीकरण पर भी अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय व न्यायमूर्ति बीआर सिंह की खंडपीठ ने पाम पैराडाइज वेलफेयर सोसाइटी व 11 अन्य की याचिका पर पारित किया है।

याचियों की ओर से क्या दी गई दलील?

याचियों की ओर से दलील दी गई कि उन्होंने पाम पैराडाइज के बिल्डर से रो-हाउस खरीदें हैं। जब इस सोसायटी के बारे में पता करने एलडीए गए तो वहां मौखिक तौर पर बताया गया कि मकानों के निर्माण में कोई भी अनियमितता नहीं है। इस पर विश्वास कर के उन्होंने रो-हाउस खरीदे, लेकिन अब एलडीए ले-आउट न पास होने का हवाला देकर उन्हें गिराने की बात कह रहा है।

क्या बोले एलडीए के अधिवक्ता?

न्यायालय के पूछने पर एलडीए के अधिवक्ता ने बताया कि घरों के निर्माण न तो सरकारी जमीन पर हुए हैं और न ही वहां कोई अतिक्रमण है, लेकिन बिल्डर ने बिना संस्तुति के रो-हाउस का निर्माण किया है। इस पर याचियों की ओर से कहा गया कि वे परिवार समेत इन घरों में रह रहे हैं, लिहाजा वे कंपाउंडिंग (प्रशमन) के लिए आवेदन दे सकते हैं। इस पर न्यायालय ने आदेश दिया कि याचियों की स्थिति को देखते हुए कंपाउंडिंग प्रक्रिया पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाए।

बिल्डर को नहीं मिलेगा आदेश का लाभ

न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस आदेश का कोई लाभ पाम पैराडाइज के बिल्डर को नहीं मिलेगा। उसके खिलाफ चल रही सिविल अथवा क्रिमिनल प्रक्रिया में इस आदेश से कोई राहत नहीं मिलेगी। यह आदेश सिर्फ याचियों के लिए है जो बिल्डर व संभवतः एलडीए के कुछ अधिकारियों के धोखा दिए जाने से इस परिस्थिति में हैं।

संभल हिंसा के आरोपियों से मुलाकात कराने वाले जेलकर्मियों पर गिरी गाज, निलंबित किए गए

लखनऊ, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल हिंसा के आरोपियों से जेल में सपा नेताओं की मुलाकात पर शासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए जेलर और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक डीजी जेल पीवी रामाशास्त्री ने मुरादाबाद जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव और डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को निलंबित कर दिया है। वहीं जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने की शासन से सिफारिश की गई है। बता दें कि आरोपियों से सपा विधायक नवाब जान, चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने जेल में मुलाकात की थी। पूर्व सांसद,विधायकों के साथ कुछ सपा नेता बगैर पर्ची लगाए मिले थे। कहा जा रहा है कि मुलाकात के दौरान जेल मैनुअल का पालन नहीं किया गया। शासन के निर्देश पर डीजी जेल ने डीआईजी जेल कुंतल किशोर को मामले की जांच सौंपी थी। संभल में जेल नहीं होने की वजह से आरोपियों को मुरादाबाद जेल भेजा गया था।

एसपी ने बनाया रिकॉर्ड

हत्याकांड मामले में महज 50 दिनों में दिलाई सजा

सारण, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के सारण जिले के एसपी कुमार आशीष ने एक विशेष उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने नए कानून के तहत देश में सबसे पटनापहले सजा दिलाने का रिकॉर्ड बनाया है। एसपी कुमार आशीष ने तिहरे हत्याकांड मामले में मजह 50 दिनों के भीतर कोर्ट से सजा दिलाते हुए रिकॉर्ड बनाया है। बता दें, यह हत्याकांड 16 जुलाई 2024 को हुआ था, जब रसूलपुर थाना क्षेत्र के धनाडीह में एक प्रेमी ने अपने साथी के साथ मिलकर अपनी प्रेमिका, उसके पिता और नाबालिग बहन की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। घटना में प्रेमिका की मां ने किसी तरह छत से कूदकर अपनी जान बचाई थी। एसपी ने इस गंभीर मामले को तुरंत संज्ञान में लिया और मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की।

50 दिनों के भीतर दिलाई सजा

एसपी कुमार आशीष के द्वारा की गई तत्काल कार्रवाई और मामले को गंभीरता से लेने के बाद महज 14 दिनों के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और आरोप पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद, कोर्ट ने महज 50 दिनों के भीतर दोनों अभियुक्तों को उम्रकैद और आर्थिक दंड की सजा सुनाई है। यह प्रक्रिया भारतीय न्याय संहिता और नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत हुई, जो कि हाल ही में लागू हुई हैं।

समय पर न्याय मिलना संभव

एसपी कुमार आशीष की इस विशेष उपलब्धि को न केवल बिहार बल्कि पूरा देश सराहा रहा है। कुमार आशीष की इस कार्यशैली को रोल मॉडल माना जा रहा है, जिससे अन्य प्रदेशों के पुलिस अधिकारियों को प्रेरणा मिली है। कुमार आशीष ने यह साबित कर दिया कि समय पर न्याय मिलना संभव है यदि सभी संबंधित पक्ष सही दिशा में काम करें।

संभल हिंसा पर इकरा हसन ने उठाया सवाल पुलिस को कटघरे में किया खड़ा

संभल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर सपा सांसद इकरा हसन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हिंसा को लेकर कहा पुलिस अपने साथ किस मंशा से गई थी। हमें पुलिस की मंशा पर शक है। साथ ही, उन्होंने संभल हिंसा को लेकर कार्रवाई की मांग की है। सांसद इकरा हसन ने संभल हिंसा को लेकर कहा, "मस्जिद में सर्वे के दौरान पुलिस अपने साथ भीड़ लेकर गई थी। ऐसे में प्रशासन को पहले ही सुनिश्चित करना चाहिए था कि भीड़ न पहुंचे। अगर पुलिस उन्हें लेकर गई है, तो उनकी मंशा पर हमें शक है। हमें लगता है कि इस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। मस्जिद के पास जिस तरीके से यह घटना हुई है, यह संवेदनशील मामला है। सर्वे का जो आदेश था, वह एक्स पार्टी द्वारा पारित किया गया था, और जब तक हमारी सभी अपील का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक हमें लगता है कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर कोई भी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।"

सख्ती से लागू हो 'प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट'

सांसद इकरा हसन ने आगे कहा, " 'प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट' स्पष्ट रूप से कहता है कि 1947 में जिस स्थल का धार्मिक स्वरूप जो था, वह वैसे का वैसा ही रहेगा। ऐसे में यह मांग है कि 'प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट' को सख्ती से लागू किया जाए और इस तरह के संवेदनशील मामलों में तत्काल कार्रवाई से बचा जाए।"

भाजपा विधायक केतकी सिंह का बयान

हिन्दुओं ने चूड़ियां नहीं पहन रखी है, बंग्लादेश मामले पर गुस्सा

बलिया, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा विधायक केतकी सिंह ने संभल कांड और बांग्लादेश को लेकर विवादित बयान दिया है। विधायक ने कहा है कि किसी को भ्रम हैं कि हमकों ईंट और पत्थर से डरा देंगे तो आ जाए दो-दो हाथ हो जाएं। देख ही लेते हैं किसमें कितना दम है। बलिया जिले की बांसडीह क्षेत्र की विधायक सिंह ने भाजपा के जिला कार्यालय प्रांगण में विधायक ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कहा मुझें यह नहीं पता कि मुसलमानों के साथ क्या होगा और क्या नहीं होगा, लेकिन हिन्दुओं ने कोई चूड़ियां नहीं पहन रखी है। वो जमाना लद गया, जब हिंदुओं पर अत्याचार होता था और सरकार कम्बल तानकर सोई रहती थी।

आज की सरकार ऐसी है कि घुसकर मारेगी और कहां कहां मारेगी ये पता भी नहीं चलेगा। सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के मसले में विपक्षी दलों की चुप्पी पर सवाल

करते हुए जमकर कटाक्ष किया। विधायक सिंह ने कहा ये शांति दूतों के साथ है न।

इनकी दिक्कत यह है कि ये शांति दूतों को अपनी गोदी में रखकर खिलाते और पिलाते हैं। एक मुसलमान के साथ कुछ हो जाए तो ये अपनी छाती पीटने लगते हैं। छाती पीट-पीट कर भारत का विश्व स्तर पर ऐसा सिनेरियो पेश करते हैं, जैसे कि कितना मुसलमानों के साथ अत्याचार हो रहा है, लेकिन यहीं हिंदुओं के साथ कश्मीर और बांग्लादेश से लेकर कर्नाटक व केरल में होता है तो इनके अंदर बोलने का साहस नहीं है। कहा कि अब क्यों पेट में दर्द हो रहा है।

जब हिंदुओं के मंदिर तोड़े जा रहे थे और जब वहां मस्जिदें बनाई जा रही थी इतने दिनों तक हम हिंदुओं के सीने पर खड़ी होकर यह मस्जिदें पांच टाइम लाउडस्पीकर से हमारा दर्द बयां करती हैं। कोर्ट के आदेश से हम वहां गए। हिंदुओं ने कोई गलत कार्य नहीं किया। हम कोर्ट में गए।

कोर्ट से आदेश लेकर आए हैं। पूरे प्रशासन के साथ वहां गए हैं। उन्होंने सपा के रुख को लेकर कहा कि सपा के लोग मुसलमान के खिलाफ कैसे बोल सकते हैं,बोलेंगे तो वोट खिसक जाएगा। सारी वोट की राजनीति है। देश और प्रदेश जाए भाड़ में। वहीं बलिया भाजपा के जिलाध्यक्ष संजय यादव ने भी संभल और बांग्लादेश की घटना पर विपक्षी दलों को कटघरे में खड़ा किया।

गया से लापता 4 युवतियां हरियाणा से बरामद

गया, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के लुटुआ थाना क्षेत्र से लापता चार युवतियों को हरियाणा से बरामद किया गया है। यह युवतियां 25 नवंबर से गायब थी। जिसे गया पुलिस की विशेष टीम (एसआईटी) ने सक्रियता दिखाते हुए हरियाणा के आसौदा थाना क्षेत्र के जखोड़ा गांव से बरामद किया है। इस मामले में एक युवक की गिरफ्तारी भी हुई है। गया एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि युवतियों की गायब होने की खबर मिलने के बाद मामले को गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित किया गया। जांच के दौरान गुप्त सोचना मिली कि युवतियों को पहले दिल्ली और फिर हरियाणा ले जाया गया है। एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया तकनीकी अनुसंधान में युवतियों के हरियाणा में होने की जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने छापेमारी कर उन्हें सकुशल बरामद कर लिया। एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि सीवान के एक और संदिग्ध की तलाश जारी है। गिरफ्तार युवक गया के कोठी थाना क्षेत्र का रहने वाला दीपक कुमार है। जिसने युवतियों को नौकरी दिलाने के नाम पर फंसाया गया था। जांच और युवक से पूछताछ में बताया कि सीवान का युवक गया स्टेशन पर युवतियों से मिलने वाला था। लेकिन वो गया स्टेशन नहीं आ सका था। युवतियों की मुलाकात नहीं हो सकी थी। सभी को गैरकानूनी गतिविधि में धकेलने की साजिश थी। बता दें कि अपहृत सभी लड़कियों को 36 घंटे में सुरक्षित बरामद करके घर लाने वाली टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।

मातम में बदली खुशियां निकाह से एक दिन पहले उठा दूल्हे का जनाजा

प्रयागराज , 4 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के फाफामऊ के रूदापुर गांव निवासी मोहम्मद हरुन सैलून की दुकान चलाते हैं। उनका बेटा दिलदार उम्र 25 साल भी दुकान में उनका हाथ बटाता था। दिलदार का निकाह लालगोपाल गंज की एक युवती के साथ तय हुआ था। बुधवार को बारात जानी थी। सारा परिवार निकाह की तैयारी में जुटा था। कई मेहमान भी घर पर जुट गए थे, लेकि इसके ठीक एक दिन पहले ही दिलदार की सडक़ हादसे में जान चली गई। देखते ही देखते घर की सारी खुशियां मातम में बदल गईं। बुधवार को दिलदार की बराता जानी थी। जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। दिलदार शाम अपने लिए कपड़ा लेने फाफामऊ बाजार आया हुआ था। वहां से लौटते समय जैसे ही वह पुरानी चुंगी के पास पहुंचा कि तेज रफ्तार एक वाहन ने उसे टक्कर मार दिया और उसे गंभीर चोट लगी। पुलिस ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा, लेकिन इलाज के दौरान उसकी सांसे थम गईं।

फेमिना मिस इंडिया वेस्ट बंगाल हुई डिजिटल अरेस्ट दो घंटे तक दी प्रताड़ना

आगरा, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। फेमिना मिस इंडिया वेस्ट बंगाल शिवांकिता दीक्षित को सीबीआई अधिकारी बनकर साइबर अपराधियों ने दो घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर लिया। उन पर मनी लांड्रिंग और बच्चों के अपहरण की रकम भेजने के नाम गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। घटना के बाद से वो दहशत में हैं। उन्होंने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई।

इन केस में फंसाने की दी धमकी

मानस नगर निवासी शिवांकिता दीक्षित वर्ष 2017 में फेमिना मिस इंडिया वेस्ट बंगाल रहीं। शाम तकरीबन चार बजे उनके पास कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया। कहा कि आपके आधार कार्ड से रजिस्टर्ड सिम पर दिल्ली में एचडीएफसी बैंक में खाता खोला गया। खाते में मानव तस्करी, मनी लांड्रिंग और 24 से अधिक बच्चों के अपहरण करके उनके परिजन से ली गई फिरौती की रकम स्थानांतरित की गई।

मदद की दिया झांसा

साइबर ठगों ने कहा कि वह उनकी मदद के लिए कॉल कर रहे हैं। अगर, वो सहयोग नहीं करेंगी तो कार्रवाई कर दी जाएगी। उन्हें फोन भी नहीं काटने दिया। व्हाटस एप के बाद वीडियो कॉल भी किया गया। इसमें कई पुलिस अधिकारी बैठे नजर आ रहे थे। उनसे कमरा बंद करके बातचीत के लिए बोला गया। परिजन को कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। इससे वो दहशत में आ गईं। 99 हजार रुपये एक खाते में आनलाइन ट्रांसफर कराने के बाद भी रकम मांगी गई। उन्होंने पिता संजय दीक्षित को जानकारी दी। इस पर साइबर सेल में शिकायत की।

यूपी के घूसखोर अधिकारी! बिजली कनेक्शन के लिए मांगे 60 हजार, 10 हजार लिया एडवांस फिर पकड़ा गया

एटा, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा में एंटी करप्शन टीम ने विद्युत विभाग के जूनियर इंजीनियर को 30 हजार रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी जेई ने बिजली के कनेक्शन करने के लिए उपभोक्ता से 60 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित उपभोक्ता ने रिश्वत के 10 हजार रुपये पहले दे दिए थे। बाद में उसने 30 हजार रुपये दिए। जेई की रिश्वत मांगे जाने की शिकायत उसने अलीगढ़ एंटी करप्शन टीम को मिली। छापे के दौरान टीम को जेई के आवास से रिश्वत की रकम भी बरामद हुई है। मामला एटा जिले की अलीगंज थाना क्षेत्र का है। अलीगंज उपखंड विद्युत विभाग में अर्जुन सिंह जेई के पद पर तैनात हैं। उसके खिलाफ अलीगढ़ एंटी करप्शन टीम को रिश्वत मांगे जाने की शिकायत मिली थी। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि जूनियर इंजीनियर को 30 हजार रुपये के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

पप्पू यादव का दावा- पीएम मोदी और सीएम योगी के बीच चल रही पीएम बनने की लड़ाई

पटना, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के आने की सूचना के बाद संभल में पुलिस सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है। वहीं शाही जामा मस्जिद के पास भारी पुलिस बल तैनात है। बता दें कि राहुल, प्रियंका के काफिले को गाज़ीपुर बॉर्डर पर रोका गया। पुलिस के रोके जाने के बाद कार्यकर्ता भी भारी संख्या में पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने नारा लगाया कि राहुल तुम आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं। राहुल-प्रियंका के साथ पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव भी मौजूद थे। उन्होंने सरकार पर जमकर निशाना साधा। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी संविधान बचाने और नफरत को खत्म करने की कोशिश कर रहे है। लेकिन सरकार उन्हें यह करने नहीं दे रही है। यह पीएम मोदी और सीएम योगी के बीच का युद्ध है। जिसके बीच में आम जनता पिस रही है। कौन पीएम होगा, कौन कल क्या बनेगा ये नहीं पता। लेकिन यह हिन्दू सम्राट बनने की लड़ाई है। बता दें इस तरह की बातें पहले पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इशारों में कर चुके है। ऐसा पहली बार है कि कोई नेता पीएम और सीएम को इस तरह का बयान सामने आया है।

सपा नेताओं को भी नहीं मिली थी मंजूरी

शनिवार (30 नवंबर) को भी नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में सपा का 15 नेताओं का डेलीगेशन संभल हिंसा के पीड़ितों से मिलने जा रहा था लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक लिया था। इस पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी सरकार पर सवाल उठाए थे। संभल जाने से रोके जाने पर सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि हम शांति पूर्वक जा रहे थे। पुलिस ने हमें बल पूर्वक रोक दिया। सुबह दिल्ली से संभल जाने के लिए 3 नेताओं ने कूच किया था, जिसमें सपा सांसद हरेंद्र मलिक, सांसद जियाउर्रहमान बर्क और इकरा हसन थीं और यह अपने कार्यकर्ताओं के साथ संभल जाने की कोशिश में थे। बता दें 24 नवंबर को संभल की शाही मस्जिद के सर्वे को लेकर हिंसा भड़क गई थी, जिसके बाद भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद उपद्रवियों ने कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में 2750 आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से अधिकांश अज्ञात हैं। संभल मामले में जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उनमें समाजवादी पार्टी के संभल से सांसद जिया उर रहमान बर्क और संभल के विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल भी शामिल हैं।

दंगों के आंकड़ों पर सियासत

ओपी राजभर ने कहा 2027 में होगी एनडीए की वापसी

अतरौलिया, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। आजमगढ़ के अतरौलिया में 8 दिसंबर को सुहेलदेव समाज पार्टी द्वारा महिला जागरुकता रैली का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में योगी सरकार में मंत्री और पार्टी अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की अध्यक्षता में बैठक की गई। इस बैठक में सुभासपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, "उत्तर प्रदेश में इस समय कानून का राज है, जो कानून तोड़ने का काम करेगा, उसके खिलाफ कानून मजबूती से काम कर रहा है। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर उन्होंने कहा, "प्रदेश में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तब 815 दंगे हुए और 1300 लोगों की जान गई है। इसके साथ ही, प्रदेश में एक महीने का कर्फ्यू था। बसपा सरकार में 600 दंगे हुए और 12 सौ लोगों की जान गई है। कांग्रेस की बात अगर करें तो उसने सपा और बसपा दोनों का रिकॉर्ड तोड़ा है। इन लोगों को इन मुद्दों पर बोलने का अधिकार नहीं है, क्योंकि लाखों लोगों को इन लोगों ने जेल में डालने और आपातकाल लगाने का काम किया।"उन्होंने आगे कहा, "संभल जिले में कुल आबादी में से 60 प्रतिशत आबादी अल्पसंख्यकों की है। वहां एक बहुत बड़ा तबके ने अपने विधायक से ऊबकर भारतीय जनता पार्टी को वोट किया, तो दूसरे तबके ने भारतीय जनता पार्टी का विरोध किया। यह उन्हीं दोनों के बीच का झगड़ा है और इसमें विपक्ष शामिल है।" 2027 के चुनाव को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, "सुहेलदेव समाज पार्टी द्वारा निकाली जाने वाली महिला जागरुकता रैली में यह बात साफ हो जाएगी कि यूपी में 2027 में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी। हमने कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं।"

बैंक ऑफ बड़ौदा धोखाधड़ी मामला

ईडी ने कानपुर में कंपनी की 6.37 करोड़ की संपत्ति जब्त की

लखनऊ, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ हुई ठगी के मामले में कानपुर की कंपनी विनय वायर एंड पाली प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू की है। ईडी ने कंपनी संचालकों की अहमदाबाद (गुजरात) व कानपुर स्थित 6.37 करोड़ रुपये की चार संपत्तियां जब्त की हैं। इनमें एक औद्योगिक भूखंड व तीन फ्लैट शामिल हैं।

मार्च 2021 में सीबीआई ने दर्ज किया था मुकदमा

बैंक ऑफ बड़ौदा से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऋण लेकर हड़पने के मामले में सीबीआई लखनऊ ने मार्च 2021 में विनय वायर एंड पाली प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संचालक कानपुर निवासी विनय कनोडिया, ब्रजेश कनोडिया, गायत्री देवी कनोडिया व सीएन मालवीय समेत अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीबीआई ने केस दर्ज किया था

ईडी ने सीबीआई की एफआईआर को आधार बनाकर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी संचालकों ने जाली दस्तावेज के जरिए बैंक से क्रेडिट सुविधा ली और उस रकम को दूसरे खातों में डायवर्ट कर दिया। इसके बाद प्रमोटरों व निदेशकों ने बैंक की रकम का उपयोग अपने वास्तविक व्यवसाय के अलावा अन्य कारोबार व संपत्तियां जुटाने में किया। बैंक ऋण के 18.95 करोड़ रुपये हड़प लिए गए थे।

अन्य संपत्तियों की जानकारी जुटा रही सीबीआई

बैंक ने कंपनी के खाते को एनपीए घोषित कर दिया था। बैंक ने कंपनी संचालकों द्वारा गिरवी रखी गईं संपत्तियों को नीलाम कराकर लगभग 8.35 करोड़ रुपये की रिकवरी की थी। ईडी आगे की छानबीन कर रहा है। कुछ अन्य संपत्तियों की जानकारी भी जुटाई गई है।

क्या बिहार में बदलेगा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष? अखिलेश प्रसाद सिंह के कार्यकाल के 2 वर्ष पूरे

पटना, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों में तीन सीटों पर जीत दर्ज कराने वाली प्रदेश कांग्रेस अब 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डा। अखिलेश प्रसाद सिंह ने अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूरे कर लिए हैं। अब वे विधानसभा चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। तमाम राजनीतिक दलों की भांति प्रदेश अध्यक्ष का ध्यान चुनाव के पहले जहां अपनी जमीन मजबूत करने पर है वहीं जनता के बीच जाकर उन्हें अपनी नीतियों और कार्यो का ब्योरा की तैयारी में हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश सिंह 14 जनवरी के बाद बिहार भ्रमण पर निकलने की योजना है। कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा जल्द ही संभव है। पार्टी नेताओं को उम्मीद है कि जनता डा। अखिलेश के कार्यो को नजर अंदाज नहीं करेगी। उनके नेतृत्व में सुस्त पड़ी कांग्रेस को एक नई दिशा मिली है। पार्टी नेता कहते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष का पद ग्रहण करने के बाद पहले वर्ष में बांका के मंदार पर्वत से 900 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले।

पार्टी के लिए अच्छे रणनीतिकार माने जाते हैं

महंगाई और इलेक्ट्रॉल बांड जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करते रहे। स्मार्ट बिजली मीटर के खिलाफ पहली आवाज डॉ। अखिलेश के नेतृत्व में उठाई गई। पहली बार सदाकत आश्रम में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जी एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इसी कड़ी में अब पार्टी अपने भावी कार्यक्रमों पर जोर लगा रही है ताकि चुनाव में आशा के अनुरूप सफलता प्राप्त की जा सके।

संभल जाने से राहुल गांधी को यूपी पुलिस ने रोका तो अखिलेश-डिंपल ने उठाए सवाल, प्रशासन को भी घेरा

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी संभल हिंसा के पीड़ितों से मिलने के दिल्ली से निकले थे। इसी बीच दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गाजीपुर बॉर्डर पर यूपी पुलिस ने उन्हें रोक लिया है। राहुल गांधी के साथ अन्य कांग्रेस नेताओं को भी पुलिस ने रोका है और आगे नहीं बढ़ने दिया जा रहा है। वहीं राहुल को संभल जाने से रोकने के बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और सपा सांसद डिंपल यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, प्रशासन ने भाजपा के इशारे पर इस घटना को अंजाम दिया।

किसी भी पार्टी के नेता को वहां जाने नहीं दिया जा रहा है। वे क्या छिपाना चाहते हैं? प्रशासन की भाषा देखिए, क्या लोकतंत्र में अधिकारियों को इस तरह का व्यवहार और भाषा की अनुमति दी जा सकती है? पता नहीं वे 10 तारीख तक क्या-क्या छिपाएंगे और कितना दबाव बनाएंगे। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार में पुलिस सिर्फ लोगों को फंसाने का काम कर रही है, न्याय दिलाने का नहीं।

प्रशासन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है- डिंपल यादव

वहीं सपा सांसद डिंपल यादव ने संभल की घटना पर कहा, कहीं न कहीं प्रशासन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है। इसीलिए अब तक स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है। उन्हें पता है कि अगर कोई प्रतिनिधिमंडल जाकर लोगों से मिलेगा तो सच्चाई सामने आ जाएगी। वे चाहते हैं कि जितनी देरी होगी, भाजपा के लिए उतना ही अच्छा होगा।

मुश्किल में फंसी कर्नाटक सरकार

मैसूर में मुडा के तहत दी गई 48 जमीनों का आवंटन रद्द

बंगलूरू, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में इन दिनों घोटालों का मुद्दा छाया हुआ है। मुडा और वाल्मिकी कॉरपोरेशन घोटाले को लेकर सिद्धारमैया सरकार विपक्ष के निशाने पर है। अब कर्नाटक सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया। उसने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एयूडीए) द्वारा आवंटित 48 भूखंडों का आवंटन रद्द कर दिया है। इन भूखंडों को पिछले साल 23 मार्च को एक प्रस्ताव द्वारा आवंटित किया गया था।

दत्तागली में हैं यह भूखंड

मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण के सूत्रों के अनुसार, ये भूखंड मैसूर शहर के दत्तागली में स्थित हैं। शहरी विकास विभाग के 30 नवंबर 2024 के आदेश के बाद एमयूडीए ने आवंटन रद्द किया है। सूत्रों ने बताया कि कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन करने की वजह आवंटन रद्द किया गया है। उन्होंने हालांकि, आवंटन में हुए उल्लंघनों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

पिछले साल लिए फैसलों को किया जाएगा रद्द

उपायुक्त जी। लक्ष्मीकांत रेड्डी, जो मुडा के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि पिछले साल 21 मार्च के मुडा प्रस्ताव के आधार पर लिए गए सभी फैसलों को रद्द किया जाएगा। जिन 48 भूखंडों का आवंटन रद्द किया है

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी की जा रही जांच

उन्होंने बताया कि इन भूखंडों को विवादित 50:50 अनुपात योजना के तहत आवंटित नहीं किया गया था, जिसकी जांच लोकायुक्त के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी की जा रही है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बीएम को भी मैसूरु के प्रमुख इलाके में एमयूडीए द्वारा किए गए आवंटन से 14 भूखंड का लाभ प्राप्त हुआ। शहरी विकास विभाग का मुडा प्रस्ताव रद्द करने का आदेश इस साल आठ अप्रैल को मुडा के तत्कालीन आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बाद आया है। आदेश में तत्कालीन आयुक्त के 20 अप्रैल के जवाब को भी खारिज कर दिया गया था, जिसमें कहा गया था कि प्रस्ताव ने कर्नाटक शहरी विकास प्राधिकरण अधिनियम 1987 और नियमों का उल्लंघन किया है।

क्या है मुडा मामला?

साल 2020 में मुडा योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत लोगों से मैसूर के विकास के नाम पर उनकी जमीन ली गई थी, जिसके तहत 50:50 का फॉर्मूला था, जिसके चलते लोगों की जितनी जमीन ली गई उसकी 50 फीसदी जमीन या वैकल्पिक साइट उन्हें मुआवजे के तौर पर दी जानी थी। हालांकि, साल 2023 में शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश ने शिकायतों के आने के बाद इस योजना को रद्द कर दिया था। हालांकि, आरोप लगे हैं कि इस योजना के निरस्त होने के बाद भी इसके तहत साइटों का आवंटन जारी रहा।

सीएम की पत्नी पर आरोप

इस योजना में कई उल्लंघन किए गए हैं। जैसे व्यक्तियों को योजना के तहत जितनी जमीन दी जानी चाहिए थी उससे ज्यादा वैकल्पिक साइटें दी गई। साथ ही आरोप है कि रियल एस्टेट एजेंटों को इस स्कीम में जमीनी दी गई है। सीएम सिद्धारमैया के साथ-साथ उनकी पत्नी पर भी आरोप है कि, पत्नी पार्वती के पास मैसूर के केसारे गांव में 3 एकड़ की जमीन थी, यह जमीन विकास के लिए मुडा ने अधिग्रहित की थी और मैसूर के एक पॉश इलाके में सिद्धारमैया की पत्नी को जमीन के बदले में एक जमीन आवंटित की गई थी। यह आरोप लगाया गया है कि सीएम की पत्नी पार्वती को जो जमीन आवंटित की गई थी वो उनसे मुडा द्वारा अधिगृहीत की गई जमीन की कीमत से ज्यादा की थी। पार्वती सिद्धारमैया के पास मूल रूप से मैसूर के केसारे गांव में लगभग तीन एकड़ की जमीन थी, जो उनके भाई मल्लिकार्जुन ने उनको गिफ्ट में दी थी। इस जमीन को विकास के लिए मुडा द्वारा अधिग्रहित किया गया था, और 2021 में, पार्वती को दक्षिण मैसूर के एक प्रमुख इलाके, विजयनगर में 38,283 वर्ग फुट की साइट दी गई। कथित तौर पर सीएम की पत्नी ने जितनी जमीन मुडा को दी उससे ज्यादा उन्हें मुआवजे में दी गई जिसके बाद से इस योजना पर कई सवाल खड़े हो गए।

125 झटकों के बाद आया था जलजला 30 साल पहले जब भूकंप से चली गई थीं 10 हजार जानें

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण भारत के कई इलाके में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। यही नहीं महाराष्ट्र में भी धरती हिली। सुबह 7 बजकर 27 मिनट पर लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। राहत की बात ये रही कि इसमें जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। लोगों ने बताया कि 20 साल में पहली बार तेलंगाना में इतना तेज भूकंप था। लेकिन उस दौर को कौन भूल सकता जब 30 साल पहले महाराष्ट्र के लातूर में भूकंप ने ऐसी तबाही मचाई थी जो इतिहास में दर्ज हो गई। 30 सितंबर, 1993 को सुबह 3 बजकर 56 मिनट पर लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए थे। इसमें करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। जबकि 30 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे। घनी आबादी होने के कारण लातूर में तबाही ज्यादा हुई थी। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.4 मापी गई थी। कहा जाता है कि इस जलजले से पहले लातूर और उसके आसपास के इलाकों में 6 महीने में धरती 125 से ज्यादा बार हिली थी। ये सबकुछ अगस्त 1992 से मार्च 1993 के बीच हुआ था। लातूर जिले का औसा तालुका और उस्मानाबाद का उमरगा तालुका भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। लोगों ने अपना सब कुछ खो दिया। इस भूकंप ने महाराष्ट्र को संकट में धकेल दिया था। ऐसे में राज्य को देश-विदेश से मदद मिली। महाराष्ट्र में आए भूकंप का जख्म अब भी हरा है। आज भी जब इस भूकंप का जिक्र होता है तो रुह कांप उठती है।

कालीचरण महाराज ने महात्मा गांधी पर की विवादित टिप्पणी, गोडसे की तारीफ की

भोपाल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कालीचरण महाराज ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर विवादित टिप्पणी कर दी है। साथ ही उन्होंने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की तारीफ कर डाली है। कालीचरण महाराज ने गांधी जी को लेकर कहा कि वो राष्ट्रपिता नहीं हो सकते भारत माता करोड़ों साल से है, तो कोई भारत माता का पिता कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा गांधीजी महात्मा नहीं थे गोडसे महात्मा थे। महंत कालीचरण महाराज ने महात्मा गांधी को 'दुरात्मा' और नाथूराम गोडसे को 'महात्मा' बताया। उन्होंने कहा, 'रघुपति राघव राजा राम देश बचा गए नाथूराम'। बता दें कि कालीचरण महाराज अपने विवादित बयान की वजह से हमेशा सुर्खियों में छाए रहते हैं। उन्होंने लव जिहाद के मुद्दे पर भी बयान दिया था और खूब सुर्खियां बंटोरी थी। कालीचरण महाराज ने इससे पहले भी महात्मा गांधी को लेकर विवादित बयान दिया

था।महाराष्ट्र के ठाणे शहर की पुलिस ने महात्मा गांधी के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में हिंदू धर्मगुरु कालीचरण महाराज को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया था। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दिसंबर 2021 में आयोजित ''धर्म संसद'' के दौरान कालीचरण ने अपने भाषण के दौरान महात्मा गांधी के खिलाफ कथित तौर पर अपशब्दों का प्रयोग किया था। जिसके बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने कालीचरण को 30 दिसंबर 2021 को मध्य प्रदेश के खजुराहो से गिरफ्तार किया था।

पहले ऑडी से टक्कर मारी, फिर युवक को बोनट से लटकाकर 3 किलोमीटर तक घसीटा

पुणे, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें रिकॉर्ड हुआ सीन रोंगटे खड़े कर देने वाला है। तीन ऑडी कार सवार रईसजादों ने बोनट पर मोटरसाइकिल सवार को 3 किलोमीटर तक घसीटा। घटना 1 दिसंबर को बीजानगर इलाके में हुई थी, जिसका वीडियो मंगलवार को सामने आया। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम को हुई इस घटना के कुछ ही समय बाद कार चालक कमलेश पाटिल (23) और उसके दो साथियों हेमंत म्हालस्कर (26) और प्रथमेश दराडे (22) को गिरफ्तार कर लिया। घटना के समय ये दोनों भी कार में मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, पीड़ित जकेरिया मैथ्यू बाइक से जा रहे थे तभी बिजलीनगर इलाके में ऑडी कार ने उनको टक्कर मार दी। ऑडी चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। अपनी बाइक से उतरकर मैथ्यू कार में मौजूद लोगों के पास गया और उनसे पूछा की उन्होंने ऐसा क्यों किया। इसके बाद तीनों आरोपियों ने मैथ्यू और उसके दोस्त को गाली देना शुरू कर दिया और उन पर हमला भी किया।

गुजरात में छात्रा से रेप-मर्डर के आरोपी सीरियल किलर ने छठी हत्या का अपराध कबूला

वलसाड, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के वलसाड जिले में 19 वर्षीय लड़की से रेप और फिर उसकी हत्या किए जाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए एक 'सीरियल किलर' ने छठी हत्या का जुर्म भी कुबूल कर लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने गुजरात के दभोई में इस साल जून में छठी हत्या की थी। हरियाणा के रोहतक जिले के निवासी राहुल जाट को वलसाड जिले के उदवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास 14 नवंबर को 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा का शव मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान राहुल जाट ने इस अपराध से पहले चार और हत्याएं किए जाने की बात स्वीकार की थी।

'आरोपी ने छठी हत्या की बात कबूली'

पुलिस अधीक्षक करणराज वाघेला ने कहा, ''उसने अब छठी हत्या की बात कबूल कर ली है। आरोपी ने एक दृष्टिबाधित युवक की हत्या की थी। वडोदरा के प्रतापनगर से आठ जून 2024 को यात्रा के दौरान जाट की दोस्ती महाराष्ट्र के नंदुरबार के रहने वाले फैयाज अहमद शेख से हुई थी। वाघेला ने बताया कि दोनों वडोदरा जिले के दभोई में उतर गए। इसके बाद जाट कथित तौर पर उसे एक सुनसान इलाके में ले गया और उसने वहां लोहे की चेन से उसका गला घोंट दिया और उसके पास मौजूद मोबाइल फोन और पैसे छीन लिए। उन्होंने कहा, "इसी के साथ हमने एक और अज्ञात हत्या का मामला सुलझा लिया।

तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी की थी महिला की हत्या

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपनी गिरफ्तारी से ठीक एक दिन पहले, जाट ने कथित तौर पर तेलंगाना के सिकंदराबाद के पास एक महिला को लूटा और ट्रेन में उसकी हत्या कर दी थी। अक्टूबर में, उसने महाराष्ट्र के सोलापुर रेलवे स्टेशन के पास एक ट्रेन में एक महिला के साथ कथित तौर पर रेप किया और उसकी हत्या कर दी।

एमपी का 9वां टाइगर रिजर्व बना रातापानी, 90 से ज्यादा बाघ, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलेगी पहचान

भोपाल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में टाइगर रिज़र्व को लेकर बड़ी खुशखबरी मिली है। टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश को दो दिन में दो टाइगर रिजर्व की सौगात मिली हैं। प्रदेश में अब 07की जगह 09टाइगर रिजर्व होंगे। रातापानी प्रदेश का 09वां टाइगर रिजर्व होगा। राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। रातापानी टाइगर रिज़र्व बनने से अब इसको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। रातापानी के आसपास फिलहाल 90से ज़्यादा बाघ है। मध्य प्रदेश को दो दिन में दो टाइगर रिज़र्व की सौगात मिली हैं। प्रदेश में अब 07की जगह 09टाइगर रिजर्व होंगे। रातापानी प्रदेश का 09वां टाइगर रिजर्व होगा। राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। रातापानी टाइगर रिज़र्व बनने से अब इसको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। दो दिन पहले ही शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क को केंद्र सरकार ने टाइगर रिजर्व बनाया था। अब रातापानी और माधव नेशनल पार्क के टाइगर रिजर्व बनने से संख्या बढ़कर 9 हो गई है। मध्य प्रदेश में अब वन्य जीवों के आशियाने और सरंक्षन के लिए टाइगर रिज़र्व मील का पत्थर साबित होंगे। अधिसूचना जारी कर राज्य सरकार ने टाइगर रिज़र्व कोर एरिया का रकबा 763.812 वर्ग किलोमीटर और बफर एरिया का रकबा 507.653 वर्ग किलोमीटर निर्धारित किया है। टाइगर रिजर्व का कुल रकबा 1271.465 वर्ग किलोमीटर हो गया है। रातापानी टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में 9 गांव शामिल किए गए हैं, जिसमें झिरी बहेड़ा, जावरा मलखार, देलावाड़ी, सुरई ढाबा, पांझिर, कैरी चौका, दांतखो, साजौली और जैतपुर के गांवों है। इन गावों का रकबा 26.947 वर्ग किलोमीटर है। अभी तक इन गांवों को कोर क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है। रातापानी के अभयारण्य बनने के बाद अब स्थानीय लोगो को रोज़गार के अवसर मिलेंगे। भोपाल से लगे होने के चलते अब पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी

टाइगर स्टेट एमपी में अब बढ़ेगा बाघों का कुनबा

एमपी में साल दर साल बढ़ती बाघों की बढ़ती संख्या के चलते टाइगर स्टेट है। मध्य प्रदेश में अब तक 785 बाघ हैं, जो 2022 की गणना के अनुसार प्रदेश के में लगातार बाघों की संख्या में इजाफा हो रहा है। 2018 में यह संख्या 526 थी, और अब बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि 17साल के इंतज़ार के बाद रातापानी को टाइगर रिज़र्व का दर्जा मिला है अब इसके बाद बदली हुई तस्वीर नज़र आएगी।

कौन है सुखबीर बादल पर हमला करने वाला नारायण चौडा, कांग्रेस नेता का क्यों आया नाम?

अमृतसर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब में बुधवार को शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल पर गोली चलाने का प्रयास किया गया। हालांकि सादी वर्दी में सुखबीर की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी ने हमलावर को पकड़ लिया और उसका हाथ ऊपर कर दिया। गोली दीवार में लगी जिससे कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ।

बब्बर खालसा का पूर्व आतंकी है आरोपी

सुखबीर पर गोली चलाने के आरोपी की पहचान नारायण सिंह चौरा निवासी डेरा बाबा नानक के तौर पर हुई है। आरोपी गर्मपंथी है और दल खालसा से संबंध रखता है। जानकारी के अनुसार नारायण सिंह का जन्म 04 अप्रैल 1956 को डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर) के चौरा गांव में हुआ था। यह गरमख्याली कथित तौर पर गरमख्याली लिबरेशन फोर्स और अकाल फेडरेशन से जुड़ा था। चौरा को 28 फरवरी 2013 को तरनतारन के जलालाबाद गांव से गिरफ्तार किया गया था और उसके साथियों सुखदेव सिंह और गुरिंदर सिंह को उसी दिन जिले के पंडोरी गांव से गिरफ्तार किया गया था। उनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने मोहाली के कुराली गांव में एक ठिकाने पर छापा मारा और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद करने का दावा किया। उसके खिलाफ आठ मई 2010 को अमृतसर के सिविल लाइंस थाने में विस्फोटक अधिनियम के तहत करीब एक दर्जन मामले दर्ज किए गए थे। वह अमृतसर, तरनतारन और रोपड़ जिलों में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामलों में भी वांछित था।

अमृतसर की एक अदालत ने विस्फोटक अधिनियम के तहत एक मामले में उसे बरी कर दिया था। चौरा 1984 में पाकिस्तान चला गया और आतंकवाद के शुरुआती चरण के दौरान पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में सहायक था। पाकिस्तान में रहते हुए, उसने कथित तौर पर गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर एक किताब लिखी। वह बुड़ैल जेलब्रेक मामले में भी आरोपी था।

हाईकोर्ट ने सुनाई 50 पौधे रोपने की सजा न्यायालय के खिलाफ की थी अनर्गल पोस्ट

जबलपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने एक आपराधिक अवमानना के प्रकरण में आरोपित युवक को दोषी पाया। उसे 50 स्वदेशी प्रजाति के पौधे रोपने की सजा सुनाई। इसके लिए 15 दिन की समय-सीमा निर्धारित की है। न्यायालय ने कहा है कि वन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी आरोपी को बताएंगे कि वह कहां पर किस प्रजाति के पौधे लगा सकता है। साथ ही युवक को चेतावनी दी कि वह भविष्य में ऐसी गलती न दोहराए। यह मामला मुरैना जिले के संबलगढ़ न्यायालय द्वारा भेजे गए पत्र से संबंधित था। जिसमें अवगत कराया गया था कि त्रिवेणी नगर जयपुर, राजस्थान निवासी आरोपी राहुल साहू के विरुद्ध प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अभिषेक कुमार के न्यायालय में भरण-पोषण का मामला विचाराधीन था। उसकी पत्नी पूजा राठौर प्रतिवादी है। सात मई 2024 को पूजा ने न्यायालय को सूचित किया कि राहुल ने उसके और न्यायालय के विरुद्ध अनर्गल टिप्पणी वाली पोस्ट सोशल मीडिया पर अपलोड की है। पूजा ने उस पोस्ट का साक्ष्य भी न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय ने इस जानकारी को अभिलेख पर लेकर राहुल को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। लेकिन न तो जवाब प्रस्तुत किया गया और न ही वह उपस्थिति हुआ। इस तरह अदालत की आपराधिक अवमानना कर दी गई। इस रवैये को आड़े हाथों लेकर आपराधिक अवमानना प्रकरण चलाने हाईकोर्ट को पत्र भेजा गया।

जब यह मामला हाईकोर्ट में सुनवाई में आया तो कोर्ट रूम में उपस्थित अधिवक्ता आदित्य संघी ने युगलपीठ से सजा के सिलसिले में सुझाव मांगा। इस पर उन्होंने कहा कि युवक की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसे सुधारात्मक रूप से प्रतीकात्मक सजा दी जा सकती है। इसके अंतर्गत समाज सेवा करना बेहतर होगा। भंवरताल पार्क में पौधरोपण कराया जाए। कोर्ट को यह सुझाव पसंद आया। इसी के साथ हाईकोर्ट ने पौधे रोपने की सजा सुनाई।

एक्शन मोड में डीजीपी कैलाश मकवाना

नशे और साइबर क्राइम को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस के नए मुखिया कैलाश मकवाना ने पदभार ग्रहण करने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यातायात, सुरक्षा, साइबर क्राइम और नशे को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा महिला संबंधी अपराधों पर विशेष फोकस करने को भी कहा है। मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने सभी जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्रोफेशनल तरीके से संवेदनशीलता के साथ लोगों की मदद करने के निर्देश दिए। पुलिस मुखिया मकवाना ने सभी जिले के एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से कहा, जनसुनवाई के दौरान आने वाली शिकायतों में भी साइबर क्राइम पर पूरा फोकस किया जाए। इसके अलावा मध्य प्रदेश में होने वाले साइबर क्राइम, महिला संबंधी अपराध, सुरक्षा, यातायात और नशे की अवैध कारोबार को लेकर जागरूकता अभियान शुरू किया जाए, ताकि लोगों को इन अपराधों के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा, यदि लोग जागरुक हो जाएंगे तो साइबर क्राइम पर पूरी तरह अंकुश लग सकेगा।

सिंहस्थ को लेकर अभी से तैयारी शुरू

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने सिंहस्थ 2028 को लेकर अभी से तैयारी शुरू करने को कहा है। उन्होंने कहा,पुलिस को संवेदनशील तरीके से लोगों की मदद करने के साथ-साथ अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाना है। पुलिस को और भी प्रोफेशनल तरीके से अपने काम को अंजाम देना है। सिंहस्थ सबसे महत्वपूर्ण आगामी आयोजन सामने आने वाला है, जिसे लेकर अभी से रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए, ताकि भीड़ प्रबंधन और पुलिस की पूरी ट्रेनिंग पर काम शुरू हो सके।

साइबर क्राइम को लेकर सीएम भी ले चुके हैं बैठक

मध्य प्रदेश में लगातार बढ़ रहे साइबर क्राइम को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी पुलिस अधिकारियों की बैठक ले चुके हैं। खास तौर पर डिजिटल अरस्टिंग के जरिए मध्य प्रदेश के कई शहरों के लोगों से करोड़ों रुपये की राशि ठगी जा चुकी है, इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी आवश्यक निर्देश दे चुके हैं। अब नए डीजीपी ने भी साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

लोकतंत्र में नया प्रयोग पड़ा भारी

बैलेट पेपर से पुनर्मतदान करानेवालों के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

सोलापुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कभी-कभी कुछ नया प्रयोग करना भारी पड़ जाता है। महाराष्ट्र के सोलापुर में मरकडवाडी गांव में कुछ ऐसा ही हुआ। मरकडवाडी गांव और आस-पास के क्षेत्रों के 200 से अधिक लोगों के खिलाफ कथित तौर पर अनधिकृत तरीके से बैलेट पेपर का उपयोग करके ''पुनर्मतदान'' की कोशिश करने के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गलत सूचना फैलाने का आरोप

पुलिस ने बताया कि उन पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बारे में गलत सूचना फैलाने का भी आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि मरकडवाडी के कुछ ग्रामीणों द्वारा उठाया गया कदम अवैध है क्योंकि किसी भी परिस्थिति में बैलेट पेपर का उपयोग करके 'पुनर्मतदान' कराने का कोई प्रावधान नहीं है। इस बीच, कांग्रेस की महाराष्ट्र ईकाई के प्रमुख नाना पटोले ने मरकडवाडी के निवासियों के साहस की सराहना की और कहा कि उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई में पहला कदम उठाया है। महाराष्ट्र के मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों का एक समूह बैलेट पेपर से ''पुनर्मतदान'' कराने पर जोर दे रहा था, लेकिन पुलिस और इस सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विजयी उम्मीदवार उत्तम जानकर के हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों ने अपनी योजना रद्द कर दी।

ईवीएम पर उठाया था सवाल

इससे पहले, सोलापुर जिले के मालशिरस क्षेत्र के मरकडवाडी गांव के निवासियों ने ईवीएम पर सवाल उठाया था और बैनर लगाकर दावा किया था कि तीन दिसंबर को ''पुनर्मतदान'' कराया जाएगा। यह गांव मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां 20 नवंबर को हुए चुनाव में जानकर ने भाजपा के राम सतपुते को 13,147 मतों से हराया था। चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए थे।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 5 दिसंबर- 2024

फडणवीस के नाम पर मुहर

महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस होंगे। वहीं शिवसेना के एकनाथ शिंदे और एनसीपी के अजित पवार डिप्टी सीएम। इसी के साथ महाराष्ट्र का छत्रपति बनने के लिए चल रही रस्साकसी अब खत्म हो गई है। बहरहाल, मुंबई नगरी के मायाजाल में ऐसा कोई नहीं जो फंसता न हो। शिवाजी महाराज और पेशवाओं की धरती महाराष्ट्र के नए छत्रपति देवेंद्र फडणवीस चुने गए हैं। महायुति की एक और पार्टी एनसीपी के अजित पवार भी डिप्टी सीएम होंगे। शपथ ग्रहण गुरुवार की शाम को होगा। सोशल मीडिया पर फडणवीस का वो बयान एक बार फिर ट्रेंड होने लगा है, जब 2019 में उन्होंने कहा था, 'मैं समंदर हूं लौट कर आऊंगा।' बीते 12 दिनों से महायुति में मुख्यमंत्री के लिए समुद्र मंथन हो रहा था। महाराष्ट्र की ओर लोग यूं ही आंखें नहीं गड़ाए हैं। इसकी वजह राजनीति, बॉलीवुड और इकोनॉमी का बड़ा अखाड़ा बन चुकी मुंबई का किंग कौन स्टाइल में होने वाली ताजपोशी है।

मुंबई कितनी अहम रही है, इसे भला कौन नहीं जानता है। 2014 में भी प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था। तब शिवसेना से गठबंधन टूट जाने के बाद भी भाजपा 122 सीटें जीती थी और राज्य में पहली बार फडणवीस के रूप में भाजपा को अपना मुख्यमंत्री मिला था। उन्हीं के नेतृत्व में 2019 का चुनाव शिवसेना के साथ गठबंधन में लड़ा गया। तब भी भाजपा 105 सीटें लेकर आई। मगर उद्धव ठाकरे ने भाजपा का साथ छोड कर कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। बहरहाल, इस बार बीजेपी ने 149 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और 89% की स्ट्राइक रेट के साथ 132 सीटों पर जीत हासिल की। इस तरह महाराष्ट्र में पार्टी की अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली है। बीजेपी ने इस लड़ाई को महाराष्ट्र के करीब एक लाख बूथों में से 12,000 स्विंग पोलिंग बूथों तक सीमित कर दिया।

इससे उसे उन क्षेत्रों में विधानसभा सीटें जीतने में मदद मिली, जहां विपक्ष को मजबूत माना जाता था। महाराष्ट्र की बात करें तो 1 मई, 1960 को बॉम्बे राज्य को भाषाई आधार पर महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में पुनर्गठित किया गया था। बंबई राज्य के मराठी भाषी क्षेत्रों को मिलाकर महाराष्ट्र बनाया गया, जिसकी राजधानी मुंबई बनाई गई। गुजराती भाषी क्षेत्रों का विभाजन कर गुजरात बनाया गया। मुंबई भारत की वित्तीय राजधानी बनी और एशिया के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का घर है। यह मनोरंजन, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोकेमिकल, कपड़ा, सूचना प्रौद्योगिकी, चमड़ा प्रसंस्करण, रत्न और आभूषण का भी एक प्रमुख केंद्र है। ऐसे में भला महाराष्ट्र पर कब्जा कौन नहीं करना चाहेगा?

नेपाल में भी हिन्दू राष्ट्र की मांग

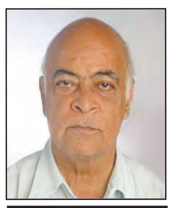

अशोक भाटिया

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर बागेश्वरधाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री तथा कई हिंदूवादी नेता सभी इन दिनों भारत को हिन्दू राष्ट्र बनानें की बात कर रहे है । हालांकि कभी नेपाल ही एक मात्र ऐसा देश था जो अधिकारिक रूप से हिन्दू राष्ट्र था । लेकिन 2008 में राजशाही के नेपाल को भी धर्मनिरपेक्ष बना दिया गया । एक अनुमान के मुताबिक विश्व के करीब 52 से अधिक देशों में हिन्दू रहते है जिसमे भारत , नेपाल , फिजी , सूरीनाम और मारीशस में हिन्दू बहुसंख्यक है । अब भारत के पड़ोसी देश नेपाल में पिछले कुछ समय से धार्मिक तनाव बढ़ा है। यहां भारत की सीमा से लगे एरिया में कई हिंदू संगठन सक्रिय हैं और देश को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर अभियान चलाये जा रहे हैं। इन संगठनों में विश्व हिंदू परिषद और हिंदू स्वयं सेवक संघ बड़े नाम हैं। तराई क्षेत्र खासकर जनकपुर वाले हिस्से में इन संगठनों की सक्रियता ज्यादा नजर आ रही है और इनकी ओर से की गईं ऐसी कई चीजें आपको दिखेंगी जो बताती हैं कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित कराने के लिए यह लोग कितने सक्रिय हैं। पर बड़ा सवाल ये है कि आखिर धर्म निरपेक्ष से अचानक नेपाल 'हिंदू राष्ट्रवाद' की तरफ क्यों बढ़ने लगा ? इसको समझने के लिए पहले नेपाल के पुराने इतिहास को समझना जरुरी है । ईसा से करीब 1000 साल पहले नेपाल छोटी-छोटी रियासतों और कुलों के परिसंघों में बंटा था। गोरखा राजा पृथ्वी नारायण शाह ने 1765 में नेपाल की एकता की मुहिम शुरू की और 1768 तक इसमें सफल हो गए। यहीं से आधुनिक नेपाल का जन्म हुआ।

राजवंश के पांचवे राजा राजेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने नेपाल की सीमा के कुछ इलाक़ों पर क़ब्ज़ा किया। 1815 में लड़ाई छिड़ी, इसका अंत सुगौली संधि से हुआ।

1846 में राजा सुरेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में, जंग बहादुर राणा एक शक्तिशाली सैन्य कमांडर के रूप में उभरे। कुछ दिन बाद राजपरिवार ने उनके आगे घुटने टेक दिए और उन्हें प्रधानमंत्री बना दिया गया। इसके साथ ही इस पद को वंशानुगत मान लिया गया। 1923 में ब्रिटेन ने नेपाल के साथ एक संधि की और इसकी स्वतंत्रता को स्वीकार किया। 1940 के दशक में नेपाल में लोगों ने देश में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। तब भारत की मदद से राजा त्रिभुवन बीर बिक्रम शाह नए शासक बने। नेपाल के राजा ज्ञानेंद्र के समय में नेपाल में राजशाही के खिलाफ व्यापक आंदोलन शुरू हुआ। सन 1959 में राजा महेंद्र बीर बिक्रम शाह ने लोकतांत्रिक प्रयोग को समाप्त कर पंचायत व्यवस्था लागू की। 1972 में राजा बीरेंद्र बिक्रम शाह ने राजकाज संभाला। 1989 में लोकतंत्र के समर्थन में जन आंदोलन शुरु हुआ और राजा बीरेंद्र बीर बिक्रम शाह को सांवैधानिक सुधार स्वीकार करने पड़े। फिर मई 1991 में पहली बहुदलीय संसद का गठन हुआ। वहीं 1996 में माओवादी आंदोलन शुरू हो गया।

एक जून 2001 को नेपाल के राजमहल में हुए सामूहिक हत्या कांड में राजा, रानी, राजकुमार और राजकुमारियां मारे गए। अब राजा के भाई ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने फ़रवरी 2005 में राजा ज्ञानेंद्र ने माओवादियों के हिंसक आंदोलन के दमन के लिए सत्ता अपने हाथ में ली और सरकार को बर्ख़ास्त कर दिया। नेपाल में एक बार फिर जन आंदोलन शुरू हुआ और अब राजा को सत्ता जनता के हाथों में सौंपनी पड़ी और यहां संसद को बहाल करना पड़ा। 28 मई 2008 में संसद ने एक विधेयक पारित करके नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किया। हाल ही में अन्य धर्मों की आबादी बढ़ते देख हिंदू संगठन अब यहां ज्यादा सक्रिय हो गए हैं। यही नहीं हर सरकार खुले या छिपे तौर पर नेपाल को हिन्दू राष्ट्र के तौर पर देखती है। नेपाली कांग्रेस में भी इसके समर्थन वाले लोग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में, 1,500 पार्टी प्रतिनिधियों में से लगभग आधे ने हिंदू राज्य के पक्ष में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में ₹हिंदू पहचान बहाल करने₹ के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। 20 हिंदू धार्मिक संगठनों ने मिलकर एक हिंदू राज्य की इच्छा जताई।

नेपाल में 80 फीसदी हिन्दू और 10 ईसाई हैं पर यहां पिछले कुछ साल में धर्मांतरण के मामले बढ़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा समय में दक्षिण कोरिया और पश्चिम बंगाल के अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन धर्मांतरण में लगे हैं। अभी नेपाल में ईसाई आबादी तेजी से बढ़ी है। नेपाल में 2021 में हुई जनगणना की रिपोर्ट से पता चलता है कि यहां मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ रही है । नेपाल के राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मुताबिक, नेपाल में तब 2।367 करोड़ हिन्दू, जबकि मुस्लिम 23।945 लाख हैं । प्रतिशत के हिसाब से देखें तो नेपाल में अभी 81।19% हिन्दू हैं, दूसरे नंबर पर 8।21% अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म दूसरे नंबर पर हैं। मुस्लिम आबादी में यहां तेजी से इजाफा हो रहा है और इनकी जनसंख्या का प्रतिशत 5।09% है।वहीं, 1।76% ईसाई हैं। 2011 में हिन्दुओं की जनसंख्या 81।3% थी, मतलब हिन्दुओं की जनसंख्या 0।19% कम हुई है। वहीं बौद्ध समाज जनसंख्या का 9% हिस्सा था, इस हिसाब से बौद्धों की संख्या भी 0।79% कम हुई है। वहीं 2011 में मुस्लिम आबादी 4।4% थी जो 0।69% बढ़ी है। ईसाई पहले 0।5% ही थे, जो अब 1।26% ज़्यादा हो गए हैं ।

अपने पिछले कार्यकाल के दौरान नेपाल के पीएम केपी ओली ने हिंदू राष्ट्रवादी भावना को खूब हवा दी। वह काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा करने वाले पहले कम्युनिस्ट प्रधानमंत्री थे। उन्होंने मंदिर को 2. 5 मिलियन डॉलर का सरकारी धन भी दान दिया था। ओली ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर आयोजित पूजा समारोह के बाद मैडी में राम की मूर्ति स्थापित की। दूसरी तरफ नेपाली कांग्रेस में भी कई ऐसे नेता हैं जो धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में नहीं हैं। नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा ही जब भारत आए थे तो यहां उन्होंने वाराणसी का दौरा किया, जो एक प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल है। इसी तरह वर्तमान प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल ने अपनी भारत यात्रा के दौरान उज्जैन के एक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में ₹हिंदू पहचान बहाल करने₹ के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। लगभग उसी समय, अन्य 20 हिंदू धार्मिक संगठन ने एक हिंदू राज्य के रूप में नेपाल की स्थिति को बहाल करने के लिए देवघाट में एक संयुक्त मोर्चा बनाया। भारत में हिन्दूत्व कार्ड लगभग सभी पार्टियों द्वारा खेला जाना और फायदा मिलना भी एक कारण है कि नेपाल का हर नेता इस कॉनसेप्ट में विश्वास रखता है।

इस बार जो अशांति का माहौल है और उसके लिए चीन की दखलअंदाजी को जिम्मेदार माना जा रहा है, जिसने पहले भी किसी सरकार को हिमालयी देश में स्थिर होने की इजाजत नहीं दी है और लगातार अड़चनें पैदा की हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, नेपाल में दंगा-रोधी पुलिस ने नेपाल के पूर्व राजा के हजारों समर्थकों को रोकने के लिए लाठियों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिन्होंने राजशाही की बहाली और देश की हिंदू राज्य की पूर्व स्थिति की मांग के लिए राजधानी के केंद्र तक मार्च करने का प्रयास किया था। प्रदर्शनकारी, राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के समर्थन में नारे लगाते हुए, काठमांडू में एकत्र हुए और शहर के केंद्र की ओर बढ़ने का प्रयास किया। हालांकि, दंगा-रोधी पुलिस ने उन्हें रोक दिया और बांस के डंडों से पीटने के साथ ही आंसू गैस और पानी की बौछार की, जिसमें दोनों पक्षों को मामूली चोटें आईं।

समाचारों के अनुसार यह अशांति नेपाल में लगातार चीनी हस्तक्षेप के कारण ही है। उन्होंने एक भी सरकार को टिकने नहीं दिया। नेपाल के लोग बेचैन हैं क्योंकि यह चारों तरफ से दूसरे देशों की जमीन से घिरा देश है और बाकी दुनिया पर निर्भर है। स्थानीय जनता राजनीतिक दलों और राजनेताओं के भ्रष्ट आचरण के कारण पीड़ित हैं। अब वे चीन जाने को जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो उनकी संस्कृति में फिट नहीं है। वहां की सरकार ने हवाई अड्डे और राजमार्ग चीन को बेच दिए गए हैं। स्थानीय जनता चाहती है कि नेपाल एक आदेश और नियंत्रण यानी उनके राजा के अधीन चले। वे एक हिंदू राज्य चाहते हैं, न कि ऐसा राज्य जो उपनिवेश के रूप में चीन के निकट हो। बताया जाता है कि इस मुद्दे पर नेपाली जनता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी सहयोग की उम्मीद लगाए बैठी है।

सोशल मीडिया संदेशों को डीकोड करने का झमेला

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सोशियल मीडिया में जिस तरह से आजकल शार्टकट मैसेज को प्राथमिकता दी जाने लगी है वह किसी मानसिक प्रताड़ना से कम कर नहीं आंकी जा सकती। कारण भी साफ है सोशियल मीडिया के संदेशों को डीकोड करने की अपनी समस्या सामने आने लगी है। यह कोई कपोल कल्पित परिकल्पना नहीं अपितु अमेरिका के स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के अनुसंधान कर्ताओं के एक दो नहीं अपितु 8 शोध का परिणाम है। यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं या यों कहें कि सर्वेकर्ताओं को शोध परिणाम जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल साइकोलॉजी के अंक में प्रकाशित हुआ है। दरअसल आज के व्यक्ति को फुर्सत ही नहीं है अपनी बात दूसरे को सलीके से कहने की। जिस तरह से आज दैनिक जीवन में शार्टकट का सिलसिला चल निकला है ठीक उसी तरह से एक दूसरे को मैसेज भी शार्टकट में दिए जाने लगे हैं। कई बार तो हालात यह हो जाती है कि सामने वाला उसे डीकोड करने में बुरी तरह से झुंझलाने लगा है। हो यह रहा है कि हम लाख होशियार हो पर सोशियल मीडिया के माध्यम से कम्यूनिकेशन का जो तरीका अपनाया जाने लगा है वह सामने वाले के लिए एक नया तनाव का कारण बनता जा रहा है। बानगी के रुप में देखे तो आने वाले नए साल को लेकर एक मैसेज ड्ब्लूटीएफ इन दिनों बहुत चल रहा है। अब इस मैसेज को डीकोड करने में दो तरह की परेशानी से दो चार होना पड़ रहा है। मैसेजकर्ताओं द्वारा ड्ब्लूटीएफ का उपयोग मानव इतिहास के सबसे ड़रावने सालों में से एक 2020 से जोड़कर किया जा रहा है। सीधे सीधे रुप से बात करें तो यह मैसेज आने वाले साल की शुरुआत वेडनेसडे, थर्सडे और फ्राईडे यानी कि ड्ब्लूटीएफ से कर रहे हैं और लोगों को कोरोना त्रासदी की और ध्यान दिलाते हुए कि 2020 में भी साल की शुरुआत इसी तरह से हुई थी ऐसे में यह संदेश दिया जा रहा है कि आने वाला साल 2020 जितनी भले ही नहीं हो पर संकटपूर्ण होगा। यह केवल कपोल कल्पना हो सकती है पर इसका धडल्ले से उपयोग हो रहा है। दूसरी और इस ड्ब्लूटीएफ का ही दूसरा मतलब है कि व्हाट द फक यानी कि क्या मजाक है। यानी इस एक शार्टकट मैसेज के माध्यम से सोशियल मीडिया पर ड्ब्लूटीएफ के माध्यम से ड़रावना भी बताया जा रहा है तो दूसरी और ड्ब्लूटीएफ को क्या मजाक है के रुप में पहले अर्थ या पहली व्याख्या को नकारा भी जा रहा है। यह तो एक मिसाल मात्र है।

मजे की बात यह है कि सोषियल मीडिया पर मैसेज के माध्यम से ही बहुत बड़ी संख्या में लागों की शुरुआत होने लगी है। वह जीएम यानी कि गुड़ मोर्निंग से शुरु होते हुए जन्म दिन की शुभकामनाएं तो एचबीडी, डीएलवाई मतलब अपने आप करों, फोमो यानी की कुछ छूट जाने का ड़र, ओटी मतलब ऑपरेशन थियेटर ना होकर विषय से परे या यों कहे कि आउट ऑफ टोपिक, एनपी लिखकर आप कोई प्रोबलम नहीं का संदेश दे देते हो। किसी का फोन आया और आप बात नहीं कर पाये तो टीटीवाईएल मैसेज कर देते हो जिसे डीकोड करने पर ही पता चलता है कि टाक टू यू लेटर यानी बाद में बात करता हूं। कोई जानकारी आपसे चाहता है तो आप शार्टकट के सहारे आईडीके लिख कर इतिश्री कर लेते हैं अब समझने वाला अपने दिमाग के घोड़े दौड़ाकर डीकोड करेगा कि आप कहना चाहते हैं कि आई डोन्ट नो। यह तो कुछ उदाहरण मात्र है जिनका उपयोग अत्यधिकता में होने लगा है। यह तो टैक्स्ट मैसेज की बात है इमोजी मैसेज की दुनिया तो इससे भी अलग है। मजे की बात यह है कि इनका प्रयोग बहुतायत में होने लगा है। दरअसल कम्यूनिकेशन भी एक कला है। एक समय था जब बच्चों की कम्यूनिकेशन स्कील विकसित की जाती थी। अब सोशियल मीडिया के इस जमाने में कम्यूनिकेशन स्कील तो दूर की बात शार्टकट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। मजे की बात यह है कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सबकुछ मालूम है। जबकि मैसेज प्राप्त करने वाले इसी उधेड़बुन में उलझ जाता है कि इसका मतलब क्या है? दूसरा से भी संकोच के कारण पूछ नहीं पाता। मनोचिकित्सक डॉ. नावा सिलटॉन का मानना है कि इस तरह के मैसेज सामने वाले में झुंझलाहट पैदा करने से अधिक कुछ नहीं कर पाता।

पार्किंग के संकट से जूझते शहर

डॉ. सत्यवान सौरभ

यह ज़रूरी नहीं है कि अच्छा सार्वजनिक परिवहन यातायात की भीड़ को काफ़ी कम कर दे। भीड़भाड़ की स्थिति में सुधार करने के लिए, शहरों को निजी कारों के स्वामित्व और उपयोग के कार्यात्मक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लक्षित करने वाली गतिविधियों के साथ ही अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रयासों को मिलाकर काम करना होगा। वाहनों की भीड़ और अपर्याप्त पार्किंग सुविधाएँ भारत के बड़े और महानगरीय शहरों के लिए लगातार बड़ी हो रही चुनौतियाँ हैं, जिनकी वज़ह से गतिशीलता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। संवैधानिक आदेशों की वज़ह से सीमित होने के बावजूद, कई भारतीय शहर पार्किंग नीतियों के माध्यम से इस समस्या को हल करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें विनियमन, प्रबंधन के एक उपकरण के रूप में मूल्य निर्धारण, नई तकनीक़ और सड़क से इतर (ऑफ़-स्ट्रीट) पार्किंग प्रावधानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

भारत में वाहन पार्किंग की समस्या एक महत्त्वपूर्ण शहरी चुनौती है, जो न केवल यातायात के प्रवाह को प्रभावित करती है, बल्कि शहरी जीवन के मूल ढांचे को भी प्रभावित करती है। यह समस्या, तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ते वाहन स्वामित्व और पुरानी शहरी नियोजन के संयोजन से उत्पन्न होती है, जो महानगरीय क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन, शहरी नियोजन और जीवन की गुणवत्ता के लिए एक जटिल दुविधा पैदा करती है। शहरों के विस्तार और कार स्वामित्व के अधिक सुलभ होने के साथ, भारतीय शहरी केन्द्रों को वाहनों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। पर्याप्त पार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और आज के समय में वाहनों की संख्या के हिसाब से शहरों को डिज़ाइन न किए जाने के कारण बड़े पैमाने पर अवैध पार्किंग होती है। इससे न केवल सड़कें जाम होती हैं, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए बनी जगह भी कम पड़ जाती है। कई भारतीय शहरों की स्थापना प्राचीन या औपनिवेशिक काल में हुई थी, लेकिन उनकी योजना आधुनिक यातायात की मांग को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई थी। संकरी गलियाँ और मिश्रित भूमि उपयोग के कारण पार्क किए गए और चलते वाहनों के भार से दबाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, पार्किंग नियमों का ढीला-ढाला क्रियान्वयन तथा गैर-अनुपालन के प्रति सांस्कृतिक प्रवृत्ति स्थिति को और बिगाड़ देती है, जिससे शहरी स्थान अव्यवस्थित हो जाते हैं। पार्किंग की समस्या का सीधा परिणाम गंभीर यातायात भीड़ है, जिसके कारण यात्रा का समय बढ़ जाता है, प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है, तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में गिरावट आती है। पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी होती है, क्योंकि पार्क किए गए वाहन अक्सर पैदल चलने के रास्तों पर अतिक्रमण कर लेते हैं, जिससे उन्हें मजबूरन सड़कों पर आना पड़ता है और उनकी सुरक्षा से समझौता होता है। आर्थिक दृष्टि से, पार्किंग की कमी स्थानीय व्यवसायों को प्रभावित करती है, क्योंकि भीड़भाड़ वाली सड़कें ग्राहकों को आकर्षित नहीं करती हैं। पार्किंग स्थल की उच्च मांग से अचल संपत्ति की लागत भी बढ़ जाती है, जिससे हरित स्थलों की क़ीमत पर पार्किंग अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलने से शहरी विस्तार और पर्यावरण क्षरण को बढ़ावा मिलता है। भारत में मोटर वाहनों से सम्बंधित मामले केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। हालांकि भारत के शहरों के लिए वाहनों की बढ़ती भीड़ एक उभरती हुई समस्या है, लेकिन ऑटोमोबाइल उद्योग पर प्रतिबंध लगने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इसकी आर्थिक और रोज़गार देने की क्षमता काफ़ी ठीक है और यह भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। सभी पांच शहरों की पार्किंग नीतियाँ कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर सहमत होती दिखती हैं। वे इस बात पर एकमत हैं कि पार्किंग मुफ़्त नहीं हो सकती और जहाँ भी सार्वजनिक स्थान का उपयोग किया जाता है, वहाँ शुल्क लिया जाना चाहिए क्योंकि 'मुफ़्त पार्किंग' की अवधारणा टिकाऊ नहीं है। पार्किंग समस्या के समाधान के लिए एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है जिसमें पर्याप्त पार्किंग अवसंरचना का विकास, स्मार्ट पार्किंग प्रौद्योगिकियों को अपनाना और पार्किंग विनियमों का प्रवर्तन शामिल हो। उदाहरण के लिए, पार्किंग क्षेत्रों को परिभाषित करना और वाहन पहचान सेंसर और स्वचालित लाइसेंस प्लेट पहचान जैसी तकनीक का उपयोग करके पार्किंग प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। इसके अलावा, भूमि मूल्य और भीड़भाड़ के आधार पर पार्किंग शुल्क को समायोजित करके भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अनावश्यक वाहन उपयोग को हतोत्साहित किया जा सकता है। बुनियादी ढांचे के समाधान के अलावा, सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ शहरी गतिशीलता प्रथाओं को बढ़ावा देने से पार्किंग दबाव कम हो सकता है। सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल चलने के उपयोग को प्रोत्साहित करने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे पार्किंग स्थलों की मांग कम हो सकती है। यह ज़रूरी नहीं है कि अच्छा सार्वजनिक परिवहन यातायात की भीड़ को काफ़ी कम कर दे। भीड़भाड़ की स्थिति में सुधार करने के लिए, शहरों को निजी कारों के स्वामित्व और उपयोग के कार्यात्मक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लक्षित करने वाली गतिविधियों के साथ ही अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रयासों को मिलाकर काम करना होगा। भारत में वाहन पार्किंग की समस्या एक जटिल मुद्दा है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें शहरी नियोजन, नीति सुधार, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक परिवर्तन शामिल हैं। इस चुनौती से सीधे निपटकर, भारत अपनी शहरी गतिशीलता को बढ़ा सकता है, अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और टिकाऊ शहरी विकास के लिए एक मिसाल क़ायम कर सकता है।

'आप' यदि कांग्रेस से गठबंधन करेगी तो सियासी तौर पर समाप्त हो जाएगी?

कमलेश पांडेय

देश की राजधानी दिल्ली में फरवरी 2025 में विधानसभा चुनाव होंगे और यहां पर सत्तारूढ़ 'आम आदमी पार्टी' एक बार फिर पूरे दम-खम से अकेले यह चुनाव लड़ेगी जबकि वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की भागीदार पार्टी रही है। बताया जाता है कि हाइब्रिड पॉलिटिकल पार्टी 'आप' को डर है कि यदि वह कांग्रेस से गठबंधन करेगी तो सियासी तौर पर समाप्त हो जाएगी. पंजाब और दिल्ली की राजनीतिक परिस्थिति भी इसी बात की चुगली करती है। कहना न होगा कि 'छोटा हिंदुस्तान' समझा जाने वाले 'दिल्ली प्रदेश' का विधानसभा चुनाव किसी भी राजनीतिक दल के लिए काफी अहमियत रखता है। यहां पर पहले कांग्रेस और उसके बाद भाजपा का शासन रहा है। बाद में भी इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच सत्ता की अदला-बदली हुई लेकिन दिल्ली की स्थानीय पार्टी के तौर पर 'आप' के राजनैतिक अभ्युदय ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के समक्ष एक नई राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी, जो अब तलक जारी है।

समझा जाता है कि कभी केंद्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के जबड़े से 2013 में उसकी सूबाई सत्ता छीनना और फिर केंद्र में सत्तारूढ़ हुई भाजपा के कसते सियासी शिकंजे के बावजूद 2015 और 2020 में भी यहां की सत्ता को बचाए रखना दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की बहुत बड़ी राजनीतिक सफलता है जिसके लिए उन्हें नाको चने चबाने पड़े। इसके ही खातिर उन्हें तिहाड़ जेल तक जाना पड़ा जहां से फिलवक्त बेल पर वह बाहर हैं। दरअसल, हाइब्रिड पॉलिटिकल पार्टी 'आप' एक अलबेली राजनीतिक पार्टी है जो कई मामलों में भाजपा और कांग्रेस से अलग है तथा क्षेत्रीय दलों से काफी आगे है। 'कांग्रेस' एवं उसकी विरोधी रही 'जनता पार्टी' व 'जनता दल' और भाजपा के अलावा 'आप' एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो एक के बाद दूसरे राज्य में अपने बलबूते सरकार बनाने में सफल हुई और सफलता पूर्वक उसका संचालन कर रही है। युवा पेशेवरों की यह पार्टी तमाम विवादास्पद मुद्दों में निष्पक्ष अंदाज रखती आई है हालांकि केंद्रीय सत्ता तक पहुंचना अभी भी उसके लिए 'नई दिल्ली दूर है' जैसा प्रतीत होता है। हालांकि इंडिया गठबंधन की सोहबत और भाजपा के धुर विरोध में 'आप' को भी अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीति अपनानी पड़ी है। आरक्षण सम्बन्धी दुविधाजनक स्टैंड लेना पड़ा। भ्रष्टाचार के 'अंध कुएं' में गोते लगाने पड़े हैं। शानो शौकत के वास्ते शीश महल (मुख्यमंत्री का आवास) तक बनवाने पड़े। वहीं, जनता को 'रिश्वत' स्वरूप मुफ्त बिजली-पानी देने की उसकी शुरुआत और शिक्षा-स्वास्थ्य सम्बन्धी जनसुविधा आज सभी पार्टियों के एजेंडे में शामिल हो चुका है। इसे भारतीय राजनीति में 'रेवड़ी कल्चर' कहा जाता है जिसकी शुरुआत 'आप' ने की है। कांग्रेस/भाजपा आदि तो इस मामले में अब 'आप' से भी दो कदम आगे बढ़ चुके हैं। देखा जाए तो 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं जिसमें अपनी भरोसेमंद सहयोगी मंत्री रहीं आतिशी मर्लेना को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जाना भी शामिल है।

वहीं, हाल ही में उन्होंने दूसरी महत्वपूर्ण घोषणा की है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेंगे। शायद यह हरियाणा विधानसभा चुनाव में 'आप' के प्रति 'कांग्रेस' की ओर से दिखाई गई राजनीतिक बेरुखी का असर और प्रतिक्रिया स्वरूप करारा जवाब है क्योंकि तब भी कांग्रेस-आप का गठबंधन टूट गया था। फ़लसफ़ा यह निकला कि 'कांग्रेस' हरियाणा की सत्ता में आ नहीं पाई और वहां पर अपने बलबूते चुनाव लड़ी 'आप' का खाता तक नहीं खुला, जबकि यह आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का गृह प्रदेश भी है। हालांकि यह बात सभी जानते हैं कि गठबंधन में रहते हुए भी 'आप' ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस से अपने वर्चस्व वाले एक प्रान्त दिल्ली में गठबंधन तो दूसरे प्रान्त पंजाब में दोस्ताना संघर्ष किया।

इमोशनल आईसीयू

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

यह कहानी उस दिन की है जब पीताम्बर चौबे अपनी आखिरी सांस लेने के लिए जिले के सबसे 'प्रसिद्ध' सरकारी अस्पताल, भैंसा अस्पताल में भर्ती हुए। डॉक्टरों ने कहा था, ₹बस कुछ और दिनों की बात है, इलाज जरूरी है।₹ चौबे जी ने सोचा था, चलो सरकारी अस्पताल में जाकर इलाज करवा लेते हैं, पैसे भी बचेंगे और सरकारी व्यवस्था का लाभ भी मिलेगा। मगर क्या पता था कि यहाँ 'एक्सपायर्ड' का भी सरकारी प्रोटोकॉल है!

चौबे जी जब अस्पताल के वार्ड में पहुंचे, तो पहले ही दिन डॉक्टर साहब ने बताया, ये सरकारी अस्पताल है, इमोशन्स का कोई स्कोप नहीं है। हम यहां इलाज करते हैं, बस।

फिर वह दिन आया, जब पीताम्बर चौबे जी ने अस्पताल के बिस्तर पर आखिरी सांस ली। उनके बगल में खड़ी उनकी गर्भवती पत्नी, संध्या चौबे की दुनिया मानो थम सी गई। लेकिन अस्पताल में तो हर चीज़ 'मैनेज' होती है, और इमोशन्स का यहाँ कोई 'कंसर्न' नहीं होता। इधर चौबे जी का प्राणांत हुआ और उधर हेड नर्स, शांता मैडम, स्टाफ की भीड़ के साथ वार्ड में आ धमकीं। चेहरा ऐसा, मानो कोई 'अल्टीमेट हाइजीन चेक' करने आई हों।

अरे संध्या देवी! ये बिस्तर साफ करो पहले। यहाँ पर्सनल लूज़ मोमेंट्स का कोई कंसेप्ट नहीं है, ओके? जल्दी क्लीनिंग करो, नर्स ने एकदम हुक्मनामा सुना दिया। मानो चौबे जी ने सिर्फ एक बिस्तर गंदा किया हो, न कि अपनी जान गंवाई। संध्या चौबे, जो अपने पति की मौत के गम में डूबी थीं, पर अस्पताल में संवेदनाएँ सिर्फ पब्लिक डिस्प्ले ऑफ इमोशन्स होती हैं। वह तो सरकारी दस्तावेज़ों में एक 'इवेंट' हैं, जिसे खत्म होते ही हटा देना होता है। नर्स ने जैसे ही अपना 'ऑर्डर' दिया, संध्या की आँखों से आँसू निकल पड़े। उसने बिस्तर की तरफ देखा, मानो अपने पति की आखिरी निशानी को आखिरी बार देख रही हो। लेकिन अस्पताल का स्टाफ मानो एकदम प्रोग्राम्ड मशीन हो, जिसका इमोशन्स से कोई वास्ता ही नहीं।

मैडम, आँसू बहाने से कुछ नहीं होगा। ये सरकारी अस्पताल है, यहाँ आप 'एमोशनल अटैचमेंट' भूल जाइए, हेड नर्स शांता बोलीं, मानो हर दिन किसी को उसकी भावनाएँ गिनाना उनका रोज का 'डिपार्टमेंटल प्रोटोकॉल' हो। तभी डॉक्टर नंदकिशोर यादव साहब आते हैं, अपने हाथ में नोटपैड लिए हुए, और ऐलान करते हैं, हमें यहाँ बिस्तर की क्लीनिंग चाहिए। इमोशन्स का यहाँ कोई स्कोप नहीं है। सरकारी बिस्तर पर बस पसीने और खून के दाग चलेंगे, आँसुओं का कोई प्लेस नहीं है। संध्या ने डॉक्टर की तरफ देखा। शायद कुछ कहने का प्रयास किया, लेकिन एक ऐसा दर्द, जो शब्दों में नहीं आ सकता। और डॉक्टर यादव ने एक और 'प्रोफेशनल' गाइडलाइन दी, देखिए, यहाँ नया पेशेंट एडमिट करना है। ये अस्पताल है, आपका पर्सनल इमोशनल जोन नहीं!

तभी सफाई कर्मी हरिचरण सिंह आते हैं, अपने कंधे पर झाड़ू और हाथ में एक पुरानी बाल्टी लिए हुए। अरे भाभीजी! चलिए, जल्दी फिनिश करें, हमें भी अपना काम निपटाना है। यहाँ ये 'इमोशनल ड्रामा' का टाइम नहीं है। हरिचरण सिंह का डायलॉग सुनते ही नर्स शांता जोर से हंस पड़ीं, देखो भई, हार्डवर्किंग स्टाफ है हमारा। भाभीजी, ये आँसू आपकी अपनी 'पर्सनल केमिकल' हैं, लेकिन यहाँ पब्लिक हाइजीन का प्रोटोकॉल है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो ये अस्पताल एक 'इमोशनल पार्क' बन जाएगा !संध्या चौबे को यह भी फरमान सुनना पड़ा कि उनके आँसू इस सरकारी बिस्तर की 'प्योरिटी' को खराब कर सकते हैं। मानो उनके पति की मौत और इस बिस्तर का 'सैनिटाइजेशन' एक ही मुद्दा हो। ये बेड क्या मंदिर की मूर्ति है, जो उसकी पवित्रता बनाए रखनी है? संध्या सोचने लगीं। लेकिन कौन सुने? यहाँ सबको सिर्फ काम का 'आउटकम' चाहिए था। बिस्तर, जो किसी के आखिरी पल का गवाह बना, अब उसकी पहचान एक 'डर्टी गारमेंट' के रूप में बदल गई।

शुभ योग में विवाह पंचमी, इन उपायों से दांपत्य जीवन में आएगी खुशहाली

साल के आखिरी माह यानी दिसंबर की शुरूआत हो चुकी है। यह माह कई व्रत-त्योहारों से भरा है, जिनमें विवाह पंचमी प्रमुख है। इस दिन भगवान राम और माता सीता की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होती हैं। हिंदू धर्म में राम-सीता की जोड़ी को आदर्श दांपत्य जीवन का प्रतीक माना गया है। उनकी उपासना से जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को विवाह पंचमी मनाई जाती है। इस बार 6 दिसंबर 2024 को विवाह पंचमी का पावन पर्व मनाया जाएगा। ज्योतिष गणना के अनुसार इस दिन ध्रुव योग का निर्माण होगा, जो रात 10 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। इस दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग भी बनेगा। इस योग में कुछ खास उपाय करने से दांपत्य जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होती हैं। ऐसे में आइए इनके बारे में जानते हैं।

विवाह पंचमी पर करें ये पांच खास उपाय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विवाह पंचमी पर केले के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। इससे विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

विवाह पंचमी के दिन रामचरितमानस में दिए गए राम-सीता प्रसंग का पाठ करना चाहिए। मान्यता है कि इससे वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होती हैं।

इस साल विवाह पंचमी पर कई शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस योग में माता सीता को सुहाग का सामान अर्पित करने से पति-पत्नी में चल रही खटपट दूर होती है।

इस दिन भगवान राम और माता सीता की विधिनुसार पूजा करें। पूजा के समय उन्हें पंचामृत का भोग जरूर लगाएं। इससे दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ती है।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार भगवान श्रीराम को केसर भात का भोग लगाने से वह प्रसन्न होते हैं। ऐसे में आप विवाह पंचमी पर उन्हें इसका भोग लगा सकते हैं। इससे रिश्तों में प्रेम और विश्वास बना रहता है।

सीता माता की आरती

आरति श्रीजनक-दुलारी की। सीताजी रघुबर-प्यारी की।।
जगत-जननि जगकी विस्तारिणि, नित्य सत्य साकेत विहारिणि।
परम दयामयि दीनोद्धारिणि, मैया भक्तन-हितकारी की।।
आरति श्रीजनक-दुलारी की।
सतीशिरोमणि पति-हित-कारिणि, पति-सेवा-हित-वन-वन-चारिणि।
पति-हित पति-वियोग-स्वीकारिणि, त्याग-धर्म-मूरति-धारी की।।
आरति श्रीजनक-दुलारी की।।
विमल-कीर्ति सब लोकन छाई, नाम लेत पावन मति आई।
सुमिरत कटत कष्ट दुखदायी, शरणागत-जन-भय-हारी की।।
आरती श्री जनक-दुलारी की। सीता जी रघुबर-प्यारी की।।

भगवान श्री राम की आरती

श्री राम चंद्र कृपालु भजमन हरण भाव भय दारुणम्।
नवकंज लोचन कंज मुखकर, कंज पद कन्जारुणम्।।
कंदर्प अगणित अमित छवी नव नील नीरज सुन्दरम्।
पट्पीत मानहु तडित रूचि शुचि नौमी जनक सुतावरम्।।
भजु दीन बंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकंदनम्।
रघुनंद आनंद कंद कौशल चंद दशरथ नन्दनम्।।
सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदारू अंग विभूषणं।
आजानु भुज शर चाप धर संग्राम जित खर-धूषणं।।
इति वदति तुलसीदास शंकर शेष मुनि मन रंजनम्।
मम ह्रदय कुंज निवास कुरु कामादी खल दल गंजनम्।।

छंद

मनु जाहिं राचेऊ मिलिहि सो बरु सहज सुंदर सावरों।
करुना निधान सुजान सिलू सनेहू जानत रावरो।।
एही भांती गौरी असीस सुनी सिय सहित हिय हरषी अली।
तुलसी भवानी पूजि पूनी पूनी मुदित मन मंदिर चली।।

।।सोरठा।।

जानि गौरी अनुकूल सिय हिय हरषु न जाइ कहि।
मंजुल मंगल मूल वाम अंग फरकन लगे।।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए करें ये काम, साढ़ेसाती से भी मिलेगी मुक्ति

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में सभी ग्रह अपने स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। इनका प्रभाव व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है। मान्यता है कि कुंडली में ग्रहों की स्थिति के आधार पर ही जातक को शुभ-अशुभ फलों की प्राप्ति होती हैं।

ज्योतिष में सूर्य को राजा, चंद्रमा को रानी ,गुरु शुभ और मंगल ग्रह को ग्रहों का सेनापति कहा जाता है। इन सभी में शनि को न्यायाधीश का स्थान प्राप्त है। वह जातकों को कर्मों के आधार पर फल प्रदान करते हैं। वह बहुत ही मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। शनि एक राशि से दूसरी राशि में जाने के लिए ढ़ाई वर्ष का समय लेते हैं। मंद गति के कारण जातक पर उनका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है। इस दौरान शनि की दशा साढ़े सात साल की होती है, जिसे शनि की सा ढ़े सा ती कहते हैं।

माना जाता है कि जिन जातकों पर शनि की साढ़ेसाती होती है, उन्हें मानसिक, आर्थिक व स्वास्थ्य समस्याएं झेलनी पड़ती है। इस दौरान शनि की पूजा करने की सलाह दी जाती है। पूजा में हमेशा दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। इससे साढ़ेसाती का प्रभाव कम हो सकता है। ऐसे में आइए इस पाठ के बारे में जानते हैं।

दशरथकृत शनि स्तोत्र

नमः कृष्णाय नीलाय शितिकण्ठ निभाय च।
नमः कालाग्निरूपाय कृतान्ताय च वै नमः।।
नमो निर्मांस देहाय दीर्घश्मश्रुजटाय च।
नमो विशालनेत्राय शुष्कोदर भयाकृते।।
नमः पुष्कलगात्राय स्थूलरोम्णेऽथ वै नमः।
नमो दीर्घाय शुष्काय कालदंष्ट्र नमोऽस्तु ते।।
नमस्ते कोटराक्षाय दुर्नरीक्ष्याय वै नमः।
नमो घोराय रौद्राय भीषणाय कपालिने।।
नमस्ते सर्वभक्षाय बलीमुख नमोऽस्तु ते।
सूर्यपुत्र नमस्तेऽस्तु भास्करेऽभयदाय च।।
अधोदृष्टेः नमस्तेऽस्तु संवर्तक नमोऽस्तु ते।
नमो मन्दगते तुभ्यं निस्त्रिंशाय नमोऽस्तुते।।
तपसा दग्ध-देहाय नित्यं योगरताय च।
नमो नित्यं क्षुधार्ताय अतृप्ताय च वै नमः।।
ज्ञानचक्षुर्नमस्तेऽस्तु कश्यपात्मज-सूनवे।
तुष्टो ददासि वै राज्यं रुष्टो हरसि तत्क्षणात।।
देवासुरमनुष्याश्च सिद्ध-विद्याधरोरगाः।
त्वया विलोकिताः सर्वे नाशं यान्ति समूलतः।।
प्रसाद कुरु मे सौरे वारदो भव भास्करे।
एवं स्तुतस्तदा सौरिर्ग्रहराजो महाबलः।।

शनिदेव के प्रमुख मंत्र

जानिए शनिदेव की पूजा करते वक्त किन मंत्रों का जाप करना शुभ माना जाता है.

शनि गायत्री मंत्र

ॐ शनैश्चराय विदमहे छायापुत्राय धीमहि ।

शनि बीज मंत्र

ॐ प्रां प्रीं प्रों सः शनैश्चराय नमः ।।

शनि स्तोत्र

ॐ नीलांजन समाभासं रवि पुत्रं यमाग्रजम ।
छायामार्तंड संभूतं तं नमामि शनैश्चरम ।।

शनि पीड़ाहर स्तोत्र

सुर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्षः शिवप्रियः ।
दीर्घचारः प्रसन्नात्मा पीडां हरतु मे शनिः ।।
तन्नो मंदः प्रचोदयात ।।

धनु संक्रांति पर करें उपाय, मिलेगा आर्थिक लाभ

ग्रहों के राजा सूर्य का हर राशि परिवर्तन बेहद खास होता है। इसे संक्रांति कहा जाता है। सूर्य के सभी 12 राशियों के गोचर या संक्रांति में से धनु संक्रांति और मकर संक्रांति सबसे महत्वपूर्ण हैं। खरमास या मलमासधनु संक्रांति के दिन शुरू होता है और मकर संक्रांति के दिन समाप्त होता है।धनु संक्रांति के दिन सूर्य गोचर करकेधनु राशि में प्रवेश करते हैं।

धनु संक्रांति और मकर संक्रांति यानी खरमास के बीच एक महीने की अवधि के दौरान कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। इसके अलावा यह अवधि सूर्यदेव की कृपा पाने के लिए भी विशेष होती है। इस वर्षधनु संक्रांति 16 दिसंबर 2024 को है। मकर संक्रांति 15 जनवरी 2025 को मनाई जाएगी। धनु राशि वाले दिन कुछ उपाय करने से आपको सूर्य देव की कृपा प्राप्त होगी।

हर मनोकामना पूरी होगी

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिस दिन सूर्य अपनी राशि बदलकर धनु राशि में प्रवेश करते हैं उस दिन कुछ विशेष

उपाय करने से जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। ऐसे में आपको धनु संक्रांति के दिन कुछ उपाय जरूर करने चाहिए। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

नौकरी-व्यवसाय में उन्नति के उपाय

धनु संक्रांति के दिन स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद सूर्य से प्रार्थना करें। अब आसन पर बैठकर कम से कम 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से नौकरी और बिजनेस में तरक्की मिलने की संभावना है।

पितरों को प्रसन्न करने के उपाय

धनु संक्रांति के दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए विशेष उपाय करने चाहिए। इससे सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। इसके लिए धनु संक्रांति के दिन अपने पितरों की पूजा करें, पवित्र नदी में स्नान करें और दान करें। साथ ही गायत्री मंत्र का जाप करें। धनु संक्रांति पर बिना नमक का भोजन करें। ऐसा करने से आपको अपने पितरों का आशीर्वाद मिलेगा।

धन प्राप्ति के उपाय

धनु संक्रांति पर भगवान विष्णु के साथ लक्ष्मी की भी पूजा करें। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। धनु संक्रांति पर जरूरतमंदों को भोजन और गर्म कपड़े भी दान करें।

दिसंबर माह में मृत्यु पंचक, 5 दिन हैं अशुभ, न करें ये गलतियां

दिसंबर का महीना शुरू हो चुका है और इस महीने में कई बड़े ग्रह गोचर करने वाले हैं। साल के आखिरी महीने में पांच दिन बेहद अशुभ रहने वाले हैं। इन दिनों में पंचक लग जाएगा। कहा जाता है कि इन पांच दिनों में कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए।

पंचक महीने का पांचवा दिन होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ये पांच दिन बेहद शुभ माने जाते हैं। दिसंबर माह में पंचक 7 दिसंबर से प्रारंभ होकर 11 दिसंबर को समाप्त होगा। यह साल का आखिरी पंचक है और इसे अशुभ माना जाता है। शनिवार के दिन पड़ने वाली पंचक तिथि अशुभ मानी जाती है। इसे मृत्यु पंचक कहा जाता है। इस अवधि में दुर्घटनाओं की संभावना अधिक रहती है। आइए जानते हैं पंचक के दिनों में क्या नहीं करना चाहिए।

पंचक क्या है?

हिन्दू पंचांग के अनुसार नक्षत्रों को तत्व माना गया है। इसमें कुछ नक्षत्रों को शुभ और कुछ को अशुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पांच नक्षत्रों धनिष्ठा, शततारका, पूर्वा भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती का संयोग अशुभ माना जाता है।

दिसंबर माह में पंचक कब है?

दिसंबर माह में पंचक 7 दिसंबर 2024 को प्रातः 5:07 बजे शुरू होगा और 11 दिसंबर को प्रातः 11:48 बजे समाप्त होगा। शनिवार से प्रारंभ होने वाले पंचक को मृत्यु पंचक कहा जाता है। मृत्यु पंचक पर बुरी शक्तियों का प्रभुत्व है जिसके कारण व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से कष्ट होता है।

पंचक के दिन क्या न करें

पंचक के दिन कोई भी नया काम शुरू नहीं करना चाहिए। पंचक के दिन घर में कोई भी नया काम नहीं करना चाहिए, इससे घर में वास्तुदोष उत्पन्न हो सकता है।

पंचक के दिनों में दक्षिण दिशा की यात्रा नहीं करनी चाहिए। दक्षिण दिशा यम की दिशा है।

पंचक के दिन नई चीजें न खरीदें, नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है।

पंचक के दिनों में विवाहित स्त्री को अपने मायके या ससुराल नहीं जाना चाहिए। इस दौरान यात्रा कष्टकारी हो सकती है।

मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत आज

प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन विनायक चतुर्थी व्रत रखा जाता है जिसकी प्रथम पूजा भगवान गणेश को की जाती है। अभी मार्गशीर्ष माह शुरू हो गया है और इस माह आने वाली चतुर्थी के दिन विनायक चतुर्थी व्रत रखा जाएगा। धार्मिक सिद्धांतों के अनुसार यदि जीवन में असफलताओं का सामना करना पड़ रहा है और स्थायी काम जारी है तो विनायक चतुर्थी का व्रत अवश्य रखना चाहिए। यह व्रत बहुत ही फलदायी माना गया है। आइए जानते हैं दिसंबर में कब रखा जाता है मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत?

विनायक चतुर्थी 2024

वैदिक पंचांग के मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 4 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से 10 मिनट पर प्रारंभ होगी और समापन 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से 49 मिनट पर होगी। ऐसे में उदयतिथि के अनुसार इस वर्ष मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी व्रत 5 दिसंबर 2024 को रखा जाएगा।

मार्ग शीर्ष विनायक चतुर्थी शुभ उत्सव

वैदिक पंचांग के 5 दिसंबर को मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी के दिन पूजा का शुभ आह्वान सुबह 11 बजे 9 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजे तक 49 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा सुबह 5 बजे से 11 मिनट पहले सुबह 6 बजे से 5 मिनट तक ब्रह्मचारी है और इसे भी शुभ माना जाता है। यदि आप शुभ आह्वान में पूजा न कर सकें तो अभिजित आह्वान को भी पूजा के दिन शुभ माना जाता है। जो कि 5 दिसंबर को सुबह 11 बजे 51 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजे तक 33 मिनट तक रहेगा।

मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी के दिन 3 शुभ योग बन रहे हैं और इस दौरान यदि विधि-विधान से गणेश जी की पूजा की जाए तो शुभ फल प्राप्त होता है। विनायक चतुर्थी के दिन रवि योग बन रहा है तो कि सुबह 7 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक 26 मिनट तक रहेगा। वहीं इस दिन वृद्धि योग भी बन रहा है जो दोपहर 12 बजे 28 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा शाम 5 बजे से 26 मिनट पहले उत्तराषाढ़ा नक्षत्र शुरू हो रहे हैं जो पूरी रात रहेंगे।

साल की अंतिम सोमवती अमावस्या 30 को

सोमवती अमावस्या का पवित्र पर्व तब मनाया जाता है जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है। इसे सोमवती अमावस्या या सोमवारी अमावस्या भी कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। सोमवती अमावस्या का पवित्र पर्व तब मनाया जाता है जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है।

इसे सोमवती अमावस्या या सोमवारी अमावस्या भी कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि इस व्रत के पालन से सौभाग्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य करने का विशेष महत्व भी होता है।

2024 की अंतिम सोमवती अमावस्या की तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष की अंतिम सोमवती अमावस्या पौष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को पड़ने वाली है। यह तिथि 30 दिसंबर 2024 को सुबह 4:01 बजे से आरंभ होगी और 31 दिसंबर को सुबह 3:56 बजे समाप्त हो जाएगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर सोमवती अमावस्या 30 दिसंबर यानी सोमवार को मनाई जाएगी।

स्नान और दान का शुभ मुहूर्त

30 दिसंबर को ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 5:24 से 6:19 बजे तक रहेगा। इसे स्नान के लिए बहुत ही शुभ समय माना जाता है। इसके अलावा सूर्योदय के समय भी स्नान कर सकते हैं। स्नान के उपरांत दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इससे जीवन की कई मुश्किलें कम हो जाती हैं।

क्या आलिया-कैटरीना के साथ बनेगी फिल्म 'जी ले जरा'? प्रियंका ने दी जानकारी

आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा के फैंस लंबे समय से इन तीनों की एक फिल्म 'जी ले जरा' का इंतजार कर रहे हैं। साल 2021 में इस फिल्म को लेकर घोषणा की गई थी। अब सुनने में आ रहा है कि यह फिल्म नहीं बनेगी। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा से भी जब फिल्म 'जी ले जरा' को लेकर एक इंटरव्यू में सवाल किया गया तो उन्होंने जो जवाब दिया, उससे फिल्म बंद होने की बात सच साबित होती हुई नजर आ रही है।

प्रियंका ने कहा फरहान से पूछ लीजिए

इस फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा था, जो कि फरहान अख्तर का प्रोडक्शन हाउस है। हाल ही में जब प्रियंका चोपड़ा से फिल्म 'जी ले जरा' के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था कि आपको इसके बारे में फरहान अख्तर से बात करनी होगी। इसके अलावा उन्होंने फिल्म के बारे में एक भी शब्द नहीं कहा। शायद प्रियंका को भी नहीं पता है कि यह फिल्म बनेगी भी या नहीं, इसलिए वह इस पर ज्यादा कुछ कहने से बच रही हैं।

हिंदी फिल्मों में काम करने की ख्वाहिश

प्रियंका आगे कहती हैं, 'मैं कई प्रोड्यूसर से मिलती हूं, कहानी पढ़ती हूं। हिंदी फिल्मों में मैं अलग तरह का रोल तलाश रही हूं। वैसे इस साल मैं काफी व्यस्त रहूंगी।' इस तरह से प्रियंका ने फिर से बॉलीवुड में काम करने की अपनी ख्वाहिश को सबके सामने जाहिर कर दिया है।

आलिया का भी आया बयान

कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने भी फिल्म 'जी ले जरा' को लेकर अपने मन की बात कही थी। उनका कहना था कि प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ के साथ वह इस फिल्म करने की इच्छा रखती हैं। हो सकता है कि प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट की बात सुनकर फरहान अख्तर इस फिल्म को बनाने के बारे में एक बार फिर सोच लें।

निर्माता राम गोपाल वर्मा ने टिकट की बढ़ी कीमतों का किया अल्लू अर्जुन का समर्थन

सुकुमार के निर्देशन में बनी अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल अभिनीत 'पुष्पा 2ः द रूल' का प्रीमियर 4 दिसंबर की शाम को होगा। दर्शकों के भारी उत्साह को देखते हुए फिल्म के निर्माताओं ने टिकट की कीमतें बढ़ाने का विकल्प चुना। दिल्ली और मुंबई के कुछ सिनेमाघरों में फिल्म की टिकटें दो हजार रुपये से अधिक में बिकीं। जहां इस फैसले की आलोचना हुई, वहीं फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने निर्माताओं के इस कदम का बचाव किया है।

सोशल मीडिया पर छाई आरजीवी की पोस्ट

आरजीवी ने एक्स पर तेलुगु में एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्हें 'पुष्पा 2ः द रूल' के टिकटों की बढ़ी कीमत का बचाव करते देखा गया। उन्होंने मनोरंजन इंडस्ट्री और लक्जरी बाजार के बीच समानताएं भी बताईं। फिल्म निर्माता ने लिखा, 'सुब्बाराव नाम के एक व्यक्ति ने इडली का होटल खोला और प्रति प्लेट उसकी कीमत 1000 रुपये निर्धारित की। ऐसा इसलिए है क्योंकि सुब्बाराव का मानना है कि उनकी इडली अन्य इडली से बेहतर है।'

उदाहरण देकर समझाई बात

राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, 'लेकिन, अगर ग्राहक को सुब्बाराव की इडली उसके लायक नहीं लगती, तो वे उसके होटल में नहीं जाएंगे। इस परिदृश्य में हारने वाले एकमात्र सुब्बाराव ही हैं।' आरजीवी ने यह भी कहा कि जो लोग रोते हैं कि 'सुब्बाराव की इडली आम आदमी के लिए सस्ती नहीं है' वे 'मूर्ख' हैं क्योंकि यह कहने जैसा है कि 'सात सितारा होटल आम आदमी के लिए सस्ती नहीं है।'

'पुष्पा 2' के टिकट दाम में बढ़ोतरी का किया समर्थन

फिल्म निर्माता कहते हैं, 'अगर यह तर्क दिया जाता है कि आप सात सितारा होटल के माहौल के लिए भुगतान कर रहे हैं, तो पुष्पा 2 के मामले में यह सात सितारा गुणवत्ता वाली फिल्म है।' उन्होंने यह भी कहा कि 'लोकतांत्रिक पूंजीवाद वर्ग मतभेदों पर काम करता है और फिल्में लाभ के लिए बनाई जाती हैं, न कि सार्वजनिक सेवा के लिए।' उन्होंने एक और उदाहरण देते हुए लिखा 'जब कोई लक्जरी कारों, इमारतों और ब्रांडेड कपड़ों की कीमतों पर नहीं रोता, तो फिल्म टिकटों पर क्यों रोता है? क्या मनोरंजन आवश्यक है? क्या यह आवास, भोजन और कपड़े से भी अधिक आवश्यक है?' उन्होंने सवाल करते हुए कहा, उन जरूरतों की कीमतों की तुलना में पुष्पा 2 के टिकट की कीमत कम है।'

100 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेगी 'पुष्पा 2'

जैसा कि आरजीवी ने बताया, 'पुष्पा 2ः द रूल' की टीम ने घोषणा की कि फिल्म ने दुनिया भर में एडवांस टिकट बुकिंग मामले में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसने अकेले अमेरिका में प्री-सेल्स में 2.5 मिलियन डॉलर की कमाई की है। 'पुष्पा 2ः द रूल' सुकुमार की 2021 फिल्म 'पुष्पाः द राइज' का सीक्वल है। फिल्म लाल चंदन तस्कर पुष्पा राज की कहानी बताएगी, जिसका किरदार अल्लू अर्जुन ने निभाया है।

इम्तियाज अली की फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगे फहद फासिल

पुष्पा 2 स्टार फहद फासिल बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इम्तियाज अली ने अपनी अगली फिल्म के लिए फहद फासिल को साइन किया है। फहद इस आने वाली फिल्म में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। इम्तियाज अली ना केवल फिल्म का निर्देशन करेंगे बल्कि इसके निर्माता भी होंगे। फिल्म का निर्माण कथित तौर पर अगले साल की शुरुआत में शुरू होगा।

इम्तियाज की फिल्म में नजर आएंगे फहद

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फहद फासिल इस फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेने के साथ ही वह इम्तियाज अली के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी सफर शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जो उनके पसंदीदा बॉलीवुड निर्देशकों में से एक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फहद इस प्रोजेक्ट पर महीनों से चर्चा कर रहे थे और हाल ही में इसे अंतिम रूप दिया गया है। इस आगामी फिल्म में उनके साथ भूल भुलैया 3 अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की जोड़ी काफी रोमांचक नजर आ रही है। इम्तियाज प्रेम कहानियों में सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं और यह उनकी कहानियों की सूची में सबसे अलग होने का वादा करती है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे रहे हैं और 2025 की पहली तिमाही में इसका निर्माण शुरू होने वाला है। इम्तियाज अली अपने बैनर विंडो सीट फिल्म्स के तहत फिल्म का निर्माण करेंगे। यह फिल्म इम्तियाज के साथ फहद का पहला सहयोग और बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म होगी, जबकि तृप्ति ने इससे पहले लैला मजनू में अभिनय किया था, जिसे फिल्म निर्माता ने लिखा था।

इस बीच, फहद फासिल जल्द ही पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन के साथ मुकाबला करते नजर आएंगे। कोच्चि में पुष्पा 2ः द रूल के प्री-रिलीज इवेंट में, अल्लू अर्जुन ने अपने सह-कलाकारों, विशेष रूप से फहद फासिल की प्रशंसा करते हुए कहा, मेरी सभी फिल्मों में पहली बार, मैंने सबसे अच्छे मलयालम अभिनेताओं में से एक, हमारे फाफा के साथ काम किया है। मैं वास्तव में आज उसे देखने से चूक गया। मैं वास्तव में चाहता हूं कि हम दोनों आज केरल में एक साथ यहां खड़े होते। यह एक प्रतिष्ठित बात होती। मेरे भाई, धन्यवाद! काश हम यहां एक साथ होते। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। मैं यहां सभी केरलवासियों को बता रहा हूं, फाफा ने पुष्पा 2 में शो को हिला दिया है और वह दुनिया भर में हर मल्लू को गौरवान्वित करेगा। तृप्ति डिमरी की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के साथ भूल भुलैया 3 में देखा गया था। इम्तियाज अली की आखिरी निर्देशित फिल्म अमर सिंह चमकीला थी, जिसमें दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा ने अभिनय किया था।

विवेक ओबेरॉय ने बताई फिल्म इंडस्ट्री की हकीकत बोले- हिट देकर भी आप यहां बेरोजगार हो सकते हैं

अभिनेता विवेक ओबेरॉय की फिल्मी यात्रा उतार-चढ़ावों से भरी रही है। कई शानदार फिल्मों में नजर आने के बाद अचानक वे इंडस्ट्री से गायब हो गए। फिल्मी परिवार से होकर भी उन्होंने ऐसा समय देखा, जब उनके पास कोई फिल्म नहीं रही। हाल ही में अभिनेता अपने करियर के संघर्ष और फिल्म इंडस्ट्री के मिजाज पर बात करते नजर आए। उन्होंने इंडस्ट्री को एक बेहद असुरक्षित जगह बताया है।

हिट फिल्म देकर भी रहे बेरोजगार

विवेक ओबेरॉय ने अपने करियर के चैलेंजिंग पड़ाव पर बात की, जब वे करीब डेढ़ साल तक बेरोजगार रहे। करियर में हिट फिल्म 'शूटआउट एट लोखंडवाला' देने के बाद भी उन्होंने ये दौर देखा। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तनाव और दबाव के चलते उन पर बहुत बुरा असर पड़ा। इसके चलते उन्हें थकान महसूस होने लगी।

सामने रखी इंडस्ट्री की हकीकत

हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में विवेक ओबेरॉय ने फिल्म इंडस्ट्री को असुरक्षित जगह बताया उन्होंने कहा, 'मैंने 22 साल में करीब 67 प्रोजेक्ट किए हैं, लेकिन इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। आप बढ़िया काम कर सकते हैं, पुरस्कार जीत सकते हैं और एक अभिनेता के तौर पर अपना काम कर सकते हैं, लेकिन साथ ही यहां रहकर आपको दूसरी वजहों से बेरोजगारी का सामना भी करना पड़ सकता है'।

उम्मीदों पर फिर गया पानी

विवेक ओबेरॉय साल 2007 में आई 'शूटआउट एट लोखंडवाला' की सफलता के बावजूद लगभग 15 महीनों तक बेरोजगार रहे। इस बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'साल 2007 के बाद, जब मैंने शूटआउट एट लोखंडवाला की और 'गणपत' गाना वायरल हो गया, मैंने पुरस्कार जीते तो मुझे उम्मीद थी अब कई सारे ऑफर मिलेंगे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ, बल्कि करीब डेढ़ साल तक घर बैठा रहा'।

आर्थिक स्वतंत्रता के लिए उठाया ये कदम

विवेक ओबेरॉय ने कहा कि साल 2009 में उन्होंने एक अहम फैसला लिया। उन्होंने इंडस्ट्री के भरोसे रहने की बजाय आर्थिक स्वतंत्रता पर फोकस किया। उन्होंने तय किया कि वे बाहरी ताकतों को अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। एक्टर ने बताया कि व्यवसाय में कदम रखने से उन्हें वह स्वतंत्रता मिली, इसकी उन्हें चाहत थी। विवेक के मुताबिक, 'सिनेमा हमेशा उनका जुनून रहेगा, लेकिन उन्होंने व्यवसाय को आजीविका के लिए प्लान बी के रूप में देखा। इस कदम ने उन्हें इंडस्ट्री की असुरक्षाओं आजादी दिलाने में मदद की। विवेक ओबेरॉय के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने 'मस्ती 4' सहित चार फिल्में साइन की हैं।

शोमैन की 100वीं जयंती पर दर्शकों को मिला तोहफा महज 100 रुपये की टिकट पर देख पाएंगे उनकी फिल्म

राज कपूर की 100वीं जयंती पर उनके प्रशंसकों के लिए एक बड़ी सौगात है। आरके फिल्म्स, फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन, एनएफडीसी, एनएफएआई एंड सिनेमाज साथ मिलकर एक उत्सव का आयोजन कर रहे हैं। इसका शीर्षक 'राज कपूर 100 - सेलिब्रेटिंग द सेंटेनरी ऑफ द ग्रेटेस्ट शोमैन' है। यह तीन दिवसीय उत्सव 13 दिसंबर को शुरू होगा और 15 दिसंबर तक जारी रहेगा। इसके अंतर्गत 40 शहरों और 135 सिनेमाघरों में राज कपूर की 10 फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी।

टिकट की कीमत होगी 100 रुपये

इतना ही नहीं खास बात यह भी है कि उत्सव में दिखाई जाने वाली फिल्मों के टिकटों की कीमत सिर्फ 100 रुपये होगी। जो राज कपूर की 100वीं जयंती को चिन्हित करेगी। उत्सव में आग, बरसात, आवारा, श्री 420, जागते रहो, जिस देश में गंगा बहती है, संगम, मेरा नाम जोकर, बॉबी और राम तेरी गंगा मैली जैसी फिल्में दिखाई जाएंगी।

हिंदी सिनेमा में शोमैन का अमूल्य योगदान

भारतीय सिनेमा के पहले शोमैन कहे जाने वाले राज कपूर ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने कभी बिजेनस को ध्यान में रखकर फिल्में नहीं बनाई थीं। सिनेमा के प्रति उनकी अलग ही दीवानगी थी। जिस दीवानगी के साथ वह फिल्में बनाते थे, उसी दीवानगी के साथ दर्शक उनकी फिल्मों से जुड़ते थे। राज कपूर ने 50 साल के अपने करियर में कैमरे के आगे और पीछे से कई बेहतरीन काम किए। जिसके लिए उन्हें 3 राष्ट्रीय पुरस्कार, 11 फिल्मफेयर ट्रॉफियां, पद्मभूषण और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से भी नवाजा गया था।

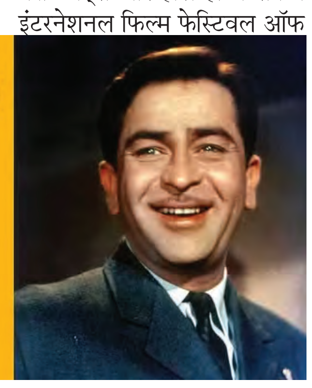

इफ्फी 2024 में अर्पित की गई श्रद्धांजलि

इस साल की शुरुआत में, टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ), फेस्टिवल डेस 3 कॉन्टिनेंट्स और हाल ही में संपन्न इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ गोवा में इंडिया (आईएफएफआई) ने स्क्रीनिंग और चर्चा के साथ राज कपूर को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय सिनेमा के 'शोमैन' माने जाने वाले राज कपूर के स्क्रीन किरदारों और फिल्मों को न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी, खासकर तत्कालीन सोवियत संघ और मध्य पूर्व में प्रशंसकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

पोते रणबीर कपूर ने कही ये बात

राज कपूर की फिल्मों और फिल्म निर्माण पर चर्चा करते हुए, रणबीर कपूर ने आईएफएफआई में स्वीकार किया कि वह अभिनेता राज कपूर की तुलना में फिल्म निर्माता राज कपूर के बड़े प्रशंसक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज कपूर के पूरे करियर के दौरान फिल्मों में समाजवादी सुधार के संदेश थे। आवारा ने जातिवाद को संबोधित किया और श्री 420 ने लालच को संबोधित किया। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि राज कपूर के स्क्रीन किरदारों और फिल्मों को विदेशों में भी प्रशंसकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। उनके किरदार और गाने सोवियत संघ और मध्य पूर्व में बेहद लोकप्रिय थे।

नम्रता से झगड़े का खुलासा कर रो पड़ीं शिल्पा शिरोडकर

कहा- बिग बॉस 18 में आने से पहले लड़ाई हुई थी

टेलीविजन के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस का 18वां सीजन लगातार हो रहे झगड़ों के चलते सुर्खियों में हैं। इस सीजन में पूर्व एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर भी बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुई हैं, जो एक समय में गोपी किशन, आंखें और किशन कन्हैया जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। हाल ही में शिल्पा ने शो में खुलासा किया है कि बिग बॉस 18 में आने से पहले उनका बहन नम्रता शिरोडकर से झगड़ा हुआ था।

हाल ही में शो के एक स्पेशल सेगमेंट के लिए फिल्ममेकर अनुराग कश्यप शो का हिस्सा बने हैं। इस दौरान उन्होंने सभी कंटेस्टेंट्स से बातचीत की है। अब शो का एक प्रोमो सामने आया है, जिसमें शिल्पा ने बहन से हुए झगड़े का जिक्र किया। अनुराग ने शिल्पा से पूछा था कि लोग आपको डिप्लोमेटिक कहते हैं। इस पर उन्होंने जवाब में कहा, मेरे घरवाले नहीं हैं, जो मुझे थामें। मैं अपने घर में सबसे छोटी हूं।

ये सुनकर अनुराग कश्यप ने हैरानी से पूछा कि क्या नम्रता शिरोडकर उनसे बड़ी हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, हां, मेरी और उसकी एक फाइट हो गई थी, तो जब मैं यहां (बिग बॉस 18 में) अंदर आने वाली थी, तो दो हफ्ते मैंने उससे बात नहीं की थी।

आगे अनुराग कश्यप ने उनसे पूछा, आप लड़कर अंदर आई हो। इस पर शिल्पा ने कहा, मैं उसे बहुत ज्यादा याद करती हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि वो आए। ये कहते ही शिल्पा फूट-फूटकर रोने लगीं।

बताते चलें कि बिग बॉस 18 में पहुंचीं नम्रता शिरोडकर 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस थीं। उनकी बहन नम्रता शिरोडकर मिस इंडिया जीतने के बाद फिल्मों में आई थीं। नम्रता को कच्चे धागे, पुकार और वास्तव जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। साल 2000 में नम्रता शिरोडकर ने साउथ सुपरस्टार महेश बाबू से शादी की है।

नागा की होने वाली दुल्हन शोभिता को लेकर सामंता ने दिया प्यारा रिएक्शन, लिखा- सबसे प्यारी इंसान

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला बुधवार, 4 दिसंबर को शादी करने जा रहे हैं। यह जोड़ा अभिनेता और नागा चैतन्य के पिता नागार्जुन अक्किनेनी के स्वामित्व वाले अन्नपूर्णा स्टूडियो में अपनी शादी की कसमें लेने के लिए तैयार है। शादी से पहले, शोभिता की बहन सामंता धुलिपाला ने इंस्टाग्राम पर दुल्हन पर प्यार बरसाया।

सामंता ने शोभिता के पेली कुथुरु समारोह की तस्वीरें साझा कीं और मेड इन हेवन अभिनेत्री को 'सबसे प्यारी इंसान' कहा। उन्होंने लिखा, सबसे खूबसूरत पेली कुथुरु और अब तक की सबसे स्नेही इंसान को चीयर्स। आपके लिए केवल प्यार अक्का। सोचाय।

तस्वीरों में शोभिता लाल रंग के कपड़े पहने हुए हैं, जो दुल्हन के रूप में उनके लुक की झलक दिखा रहा है। पारंपरिक साड़ी और सोने के आभूषण पहने हुए शोभिता समारोह में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपनी बहन और उनके माता-पिता के साथ पोज दिया।

शोभिता और नागा चैतन्य ने इस साल अगस्त में अपनी शादी की घोषणा की थी। इस जोड़े ने हैदराबाद में एक गुप्त सगाई समारोह आयोजित किया था। उनकी सगाई की खबर तब नागार्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की थी। शानदार तस्वीरों के साथ नागार्जुन ने लिखा था, हमें अपने बेटे नागा चैतन्य की सगाई की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो आज सुबह 9:42 बजे सोभिता धुलिपाला से हुई!! हम उसे अपने परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। खुश जोड़े को बधाई! उन्हें जीवन भर प्यार और खुशी की कामना करता हूं। भगवान भला करे! 8.8.8। अनंत प्रेम की शुरुआत।

नागा चैतन्य ने शोभिता और उसके परिवार के साथ अपने बंधन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों में शोभिता और उसके परिवार को जानना बहुत अच्छा रहा है, परिवारों को आपस में मिलते देखना एक खुशी की बात है। मैं शादी के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और उत्साहित हूं, सभी रस्मों को पूरा करूंगा और परिवारों को एक साथ आते देखूंगा।

नागा चैतन्य की पहली शादी अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु से हुई थी। लंबे समय तक डेटिंग करने के बाद उन्होंने अक्टूबर 2017 में शादी कर ली। दुर्भाग्य से, इस जोड़े ने व्यक्तिगत मतभेदों का हवाला देते हुए अक्टूबर 2021 में अलग होने की घोषणा की और बाद में 2022 में अपने तलाक को अंतिम रूप दिया।

सेंसर बोर्ड से पास हुआ 'पुष्पा 2: द रूल' का हिंदी संस्करण, क्या-क्या हुए बदलाव?

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2ः द रूल' ने अपनी हिंदी संस्करण के लिए सेंसर प्रक्रिया पूरी कर ली है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने 3 दिसंबर को कुछ बदलावों की शर्त पर फिल्म को मंजूरी दे दी।

हिंदी संस्करण में भी किए गए बदलाव

फिल्म में किए गए प्रमुख बदलावों में 'रामावतार' शब्द को 'भगवान' से बदला गया गया है। वहीं एक संवाद को हिंदी में बदला गया है। इसके अलावा कुछ आपत्तिजनक शब्दों में भी बदलाव किए गए हैं। एक दृश्य जिसमें कटे हुए पैर को उड़ते हुए दिखाया गया था, उसे हटा दिया गया है। यह दृश्य पहले ही तेलुगु संस्करण से भी संपादित किया गया था। सेंसर बोर्ड ने धूम्रपान के दृश्यों में धूम्रपान से संबंधित चेतावनी जोड़ने का भी निर्देश दिया है।

तेलुगु संस्करण पहले ही हो चुका है पास

'पुष्पा 2ः द रूल' का तेलुगु संस्करण 28 नवंबर को क्लियर हो चुका था, जिसमें एक आपत्तिजनक शब्द को तीन स्थानों पर हटाने की सिफारिश की गई थी। इसके अलावा 'देंगुड्डी' और 'वेंकटेश्वर' जैसे शब्दों को भी हटाया गया था। फिल्म के हीरो द्वारा कटा हुआ हाथ पकड़े हुए दृश्य को भी संपादित किया गया था।

इतनी लंबी बनी है फिल्म

दोनों हिंदी और तेलुगु संस्करण को यू/ए प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। फिल्म की कुल अवधि 200.38 मिनट है। फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। इसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, और फहाद फासिल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'पुष्पा 2ः द रूल' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

पहले भाग ने की थी बंपर कमाई

गौरतलब है कि इस फिल्म का पहला भाग 'पुष्पाः द राइज - पार्ट 1' (2021) में रिलीज हुई थी। यह एक बड़ी हिट साबित हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 267 करोड़ रुपये की कमाई कर धमाल मचा दिया था। इस फिल्म में शानदार अदाकारी के लिए अल्लू अर्जुन को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था।

कफ और खांसी से हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

सर्दी के मौसम में खांसी और जुकाम की शिकायत होना आम बात है। अधिक खांसी के कारण गले में दर्द,जलन और खराश के साथ कफ की समस्या होने लगती है। जब यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह असुविधा का कारण बन सकती है। सामान्य संक्रमण, धूम्रपान, एलर्जी, अस्थमा या फेफड़ों की बीमारी के कारण खांसी आने लगती है।

खांसी और कफ से राहत पाने के लिए दवाएं और सिरप उपलब्ध हैं लेकिन कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर भी खांसी से छुटकारा पाया जा सकता है। ये घरेलू नुस्खे काफी असरदार हो सकते हैं। हालांकि अगर समस्या तीन हफ्तों से अधिक समय तक बनी रहे तो डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। इस लेख में कुछ घरेलू उपायों और प्राकृतिक औषधियों के बारे में बताया जा रहा है जिससे खांसी और कफ की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

गर्म पानी और नमक

गुनगुने पानी से गरारे करना खांसी की शिकायत होने पर काफी असरदार हो सकता है। गरारा करने से गले की खराश और गले में जमा कफ दूर होता है। इसके लिए गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर गरारे करना चाहिए। सुबह उठने पर गले में खराश की समस्या अधिक रहती है। इसलिए सुबह गरारे जरूर करें।

भाप लें

खांसी और जुकाम होने पर गर्म पानी की भाप भी ली जा सकती है। भाप लेने से नाक और गले की नलियां खुलती हैं और खांसी से राहत मिलती है।

हल्दी दूध

हल्दी बेहद फायदेमंद औषधीय गुणों से युक्त है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुण होते हैं। इसके सेवन से खांसी से राहत मिलती है। गर्म दूध में एक टीस्पून हल्दी पाउडर मिलाकर रात में सोने से पहले इसका सेवन करें। खांसी की शिकायत दूर हो सकती है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी स्वास्थ्यवर्धक औषधि है, जिसका सेवन कई तरह से शरीर को लाभ पहुंचा सकता है। तुलसी में विटामिन सी, जिंक और आयरन जैसे खनिज होते हैं। ये प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। अगर बहुत खांसी आ रही हो तो तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर उसमें शहद की कुछ बूंदें मिलाएं। इसका सेवन करें। चाहे तो तुलसी की चाय बनाकर भी पी सकते हैं।

अदरक का काढ़ा

दादी-नानी के लोकप्रिय नुस्खों में से एक काढ़ा है जो सर्दी, खांसी और जुकाम में काफी असरदार होता है। खांसी से छुटकारा पाने के लिए अदरक का काढ़ा पीएं। इसके लिए अदरक को छोटे टुकड़ों में काटकर पानी के साथ उबाल लें। इसमें शहद मिलाएं और गर्म गर्म पीएं।

हार्ट के मरीज हैं तो दर्द निवारक दवाएं आपके लिए कहीं हो न जाएं जानलेवा, बरतें विशेष सावधानी

क्या आप भी शरीर में हल्का सा भी दर्द होने पर तुरंत पेनकिलर ले लेते हैं? अगर हां, तो सावधान हो जाइए इससे आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंच सकता है। अब तक के कई अध्ययनों में स्वास्थ्य विशेषज्ञ आगाह करते रहे हैं कि ज्यादा पेनकिलर लेने से दीर्घकालिक रूप में किडनी और लिवर जैसे अंगों के क्षति की समस्या हो सकती है।

वहीं एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि कुछ लोगों में पेनकिलर के कारण आंतरिक रक्तस्राव होने का जोखिम दो गुना तक बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बिना डॉक्टरी सलाह के आपको किसी भी तरह की दवा लेने से बचना चाहिए, इसके गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि जो लोग पहले से ही रक्त को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं, उनमें पेनकिलर के कारण आंतरिक रक्तस्राव का खतरा अधिक हो सकता है। अगर आप बिना डॉक्टरी सलाह के बार-बार या लंबे समय तक इस तरह की दवाएं लेते रहते हैं तो अलर्ट हो जाइए।

किडनी डैमेज का रहता है खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, अगर आप बार-बार ओवर-द-काउंटर एसिटामिनोफेन, एस्पिरिन, इबुप्रोफेन और नेप्रोक्सन जैसी दवाओं का सेवन करते रहते हैं तो इसके कारण भविष्य में आपको किडनी डैमेज होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसे मेडिकल की भाषा में एनाल्जेसिक नेफ्रोपैथी कहा जाता है।

जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन के विशेषज्ञों ने एक रिपोर्ट में बताया कि दर्द निवारक दवाएं जिनमें दो या उससे ज्यादा सॉल्ट (जैसे एस्पिरिन और एसिटामिनोफेन) हैं, अगर आप लंबे समय तक इसे लेते रहते हैं तो इसके कारण आपमें किडनी डैमेज होने का खतरा काफी बढ़ सकता है।

हो सकता है आंतरिक रक्तस्राव

यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग पहले से ही खून को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं, अगर वह बिना डॉक्टरी सलाह के अक्सर इबुप्रोफेन या नेप्रोक्सन जैसी गैर-स्टेरायडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाएं भी लेते रहते हैं तो उनमें आंतरिक रक्तस्राव का जोखिम दोगुना हो सकता है। इन दवाओं को दर्द निवारक के रूप में जाना जाता है।

आमतौर पर स्ट्रोक, दिल के दौरे या पैरों-फेफड़ों में रक्त के थक्कों के इलाज या रोकथाम के लिए ब्लड थिनर दवाएं दी जाती हैं।

हार्ट के मरीज बरतें विशेष सावधानी

डॉक्टर कहते हैं, ब्लड थिनर का सबसे ज्यादा उपयोग हार्ट के मरीज करते हैं, क्योंकि इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। इसके अलावा NSAID दवाओं में भी रक्त को पतला करने वाले गुण होते हैं, ऐसे में इन दोनों के संयोजन के कारण आंत, मस्तिष्क, फेफड़े और मूत्राशय में अनियंत्रित रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर रक्तस्राव की समस्या का समय पर निदान न हो पाए या फिर इसका उचित इलाज न मिले तो इसके कारण जान जाने का भी खतरा हो सकता है। इसलिए किसी भी तरह की दवा लेने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

क्या है डॉक्टर की सलाह?

अमर उजाला से बातचीत में नोएडा स्थित एक अस्पताल में इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर श्रेय श्रीवास्तव कहते हैं, हल्का सा सिरदर्द या बदन दर्द होने पर हम सभी ओवर द काउंटर दर्द निवारक दवाएं लाकर खा लेते हैं। इनसे आपको फौरी तौर पर आराम तो मिल जाता है, पर दीर्घकालिक रूप में ये काफी हानिकारक है। विशेषतौर पर यदि आप अक्सर या लंबे समय तक ये दवाएं लेते रहते हैं।

चेहरे पर बेसन लगाने के फायदे आपको जरूर पता होने चाहिए

वैसे तो आज के समय में त्वचा से संबंधित हर समस्या के लिए स्किन केयर प्रोडक्ट बाजार में मिल जाते हैं, लेकिन आज भी बहुत से लोग दादी-नानी के बताए नुस्खों पर ही भरोसा करते हैं। बहुत से लोग आज भी केमिकल वाले प्रोडक्ट के इस्तेमाल से बचते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जो घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं, तो आपने कभी न कभी चेहरे पर बेसन का इस्तेमाल अवश्य किया होगा।

बेसन हर भारतीय घर की रसोई में आपको आसानी से मिल जाएगा। इसे कई तरह से चेहरे पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आप बड़ी ही आसानी से स्क्रब से लेकर फेस पैक तक बना सकते हैं।

अगर सही तरह से बेसन का इस्तेमाल किया जाए तो त्वचा बिना किसी केमिकल वाले प्रोडक्ट के दमक सकती है। त्वचा चमकाने के साथ-साथ बेसन कई तरह से त्वचा के लिए लाभदायक है। तो चलिए आपको भी बेसन के कुछ ऐसे फायदों के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

त्वचा को करता है साफ

बेसन में मौजूद प्राकृतिक क्लींजर त्वचा को गहराई से साफ करते हैं। चेहरे को साफ करने के लिए बेसन त्वचा के अतिरिक्त तेल और गंदगी को हटाकर त्वचा को चमकदार बनाता है।

दाग-धब्बे में आती है कमी

अगर आप नियमित रूप से बेसन का इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपकी त्वचा के दाग-धब्बों में कमी आती है। बेसन में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो मुंहासों के बैक्टीरिया को मारते हैं और त्वचा पर दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं।

खत्म होगी टैनिंग

नियमित रूप से बेसन के इस्तेमाल से त्वचा की टैनिंग कम होती है। टैनिंग हटाने के लिए इसका इस्तेमाल आप कई तरह से कर सकते हैं। बहुत से लोग दही और दूध में मिलाकर बेसन का इस्तेमाल टैनिंग हटाने के लिए करते हैं।

बरकरार रहती है त्वचा की नमी

बेसन त्वचा को प्राकृतिक नमी प्रदान करता है, जिससे त्वचा मुलायम और स्वस्थ बनी रहती है। खासतौर पर ये उन लोगों के लिए काफी फायदेमंद रहता है, जिनकी त्वचा ड्राई रहती है।

डेड स्किन सेल्स को हटाता है

बेसन एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है, जो त्वचा से मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। इससे भी त्वचा चमक उठती है।

सेहत के लिए वरदान है छोटी इलायची, सेवन से होते हैं बड़े-बड़े फायदे

छोटी इलायची को हरी इलायची भी कहा जाता है। भारतीय रसोई में ये एक महत्वपूर्ण मसाला है। इसकी सुगंध और स्वाद न केवल खाने का स्वाद बढ़ाती हैं, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभदायक होती है। छोटी इलायची में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाते हैं। हरी इलायची में विटामिन ए, सी और बी 6 के साथ ही कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज पाए जाते हैं।

इलायची में फ्लेवोनोइड्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। इलायची में डायटरी फाइबर के गुण मौजूद हैं जो पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि हर रोज एक हरी इलायची खाने के क्या फायदे हो सकते हैं।

इलायची के सेवन के फायदे

पाचन में सुधार

इलायची के सेवन से पाचन तंत्र की समस्याएं, जैसे अपच, गैस, और एसिडिटी कम होती हैं। यह पेट की मांसपेशियों को आराम देता है और पाचन को बेहतर बनाता है।

मुंह की दुर्गंध से छुटकारा

इलायची का चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और यह माउथ फ्रेशनर का काम करता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो मसूड़ों की समस्याओं को भी कम करते हैं।

रक्तचाप को नियंत्रित करना

इलायची में मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होता है। यह दिल की सेहत को भी सुधारता है।

वजन घटाने में मदद

इलायची के नियमित सेवन से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

श्वसन तंत्र को मजबूत बनाना

इलायची अस्थमा, खांसी और ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याओं में राहत देती है। यह श्वसन तंत्र को खोलने और सांस लेने में मदद करती है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करना

इलायची का सेवन ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में सहायक होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण

इलायची में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं।

विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक

इलायची शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करती है और किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है।

कहीं कटाना न पड़ जाए पैर, जानलेवा हो सकती है डायबिटिक फुट की समस्या

ब्लड शुगर का अक्सर बढ़ा रहना सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। समय के साथ इसके कारण न सिर्फ टाइप-2 डायबिटीज होने का जोखिम रहता है साथ ही ये आंखों, किडनी, हार्ट और पाचन तंत्र के लिए भी समस्याकारक है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपना शुगर कंट्रोल रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, ब्लड शुगर का सामान्य स्तर 70 से 100 मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर के बीच होता है। भोजन के बाद अगर आपका शुगर लेवल लगातार 130 मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर या इससे अधिक बना रहता है तो आपको अलर्ट हो जाने की आवश्यकता है। डायबिटीज की स्थिति कुछ मामलों में बहुत खतरनाक हो सकती है, कुछ लोगों को इसके कारण पैर कटाने तक की नौबत आ सकती है।

यही वजह है कि नियमित अंतराल पर अपने शुगर लेवल की जांच करते रहें और अगर ये बढ़ा हुआ रहता है तो समय रहते डॉक्टर से मिलकर इसका उपचार प्राप्त करें।

ब्लड शुगर बढ़े रहने के नुकसान

डायबिटीज के कारण आपने आंखों की रोशनी कम होने, किडनी पर असर होने सहित कई अन्य अंगों से संबंधित समस्याओं के बारे में सुना-देखा होगा। पर क्या आपको पता है कि अगर आपका शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है तो इससे डायबिटिक फुट नाम की समस्या हो सकती है। ये कई मामलों में खतरनाक है, गंभीर स्थितियों में रोगी की जान बचाने के लिए पैरों को काटना तक पड़ सकता है।

डॉक्टर्स कहते हैं, डायबिटीज की गंभीर स्थिति रक्त वाहिकाओं को क्षतिग्रस्त करने लग जाती है, जिसके कारण कुछ लोगों को डायबिटिक फुट बीमारी का खतरा हो सकता है।

क्या है डायबिटिक फुट बीमारी?

अमर उजाला से बातचीत में पुणे स्थित एक अस्पताल में एंडोक्रोनोलॉजिस्ट डॉ आमिर काजी बताते हैं, डायबिटिक न्यूरोपैथी की समस्या जिसमें पैरों की नसों को नुकसान पहुंचने लगता है, इसके कारण अक्सर पैरों में दर्द, झुनझुनी और सुन्नता बनी रहती है। इसपर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो पैर की उंगलियां और अन्य हिस्सों में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है जिससे कोशिकाएं डेड होने लग जाती है।

पैरों पर काले धब्बे दिखना इसका संकेत है, शुगर बढ़े रहने के कारण ये अल्सर में बदलने लगते हैं। इस स्थिति में प्रभावित हिस्से को काटने तक की भी नौबत आ सकती है। पैरों में इसका असर अधिक देखा जाता रहा है।

डायबिटिक फुट में क्या दिक्कत होती है?

डायबिटिक फुट और अल्सर की समस्या मधुमेह वाले लगभग 20 प्रतिशत रोगियों में देखी जाती है। पैरों में रक्त का संचार कम हो जाने के कारण वहां की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं जिसके कारण सड़न और घाव हो सकती है। पैरों की उंगलियों, तलवे या ऊपरी सतह पर सड़न और घाव होने की स्थिति में सुधार न होने पर प्रभावित हिस्से की सर्जरी करनी होती है जिससे अन्य हिस्से को बचाया जा सके। इस तरह की समस्या को जानलेवा भी माना जाता है।

कुछ लोगों के पैर से डिस्चार्ज होने लग जाता है। यह समस्या तेजी से बढ़ने लगती है और पूरे पैर में भी फैल सकती है। पैरों में काले दाग, फफोले, असामान्य सूजन, जलन, लालिमा, नीले निशान और अजीब गंध जैसे डायबिटिक फुट के संकेतों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों को डायबिटिक न्यूरोपैथी की समस्या है उन्हें पैरों की विशेष देखभाल करनी चाहिए। पैरों को गुनगुने पानी और साबुन से धोएं और अच्छी तरह से सुखाएं, खासकर पंजों के बीच में। पैरों की त्वचा को ठीक से मॉइस्चराइज किया जाना चाहिए। ये दिन में दो से तीन बार जरूर करें। इसके अलावा, नंगे पैर न चलना, सही आकार के जूते पहनना और पैरों को किसी प्रकार की चोट से बचाकर रखना बहुत जरूरी है। समय-समय पर शुगर की जांच जरूर कराते रहें।

रूखी त्वचा से हैं परेशान तो ये नुस्खे अपनाएं सर्दियों में भी खिल उठेगा चेहरा

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही हर कोई त्वचा के रूखेपन से परेशान हो जाता है। चाहे आपकी त्वचा रूखी हो या फिर तैलीय, इस मौसम में तो त्वचा की ड्राईनेस का बढ़ना काफी आम समस्या है। इसकी वजह है लगातार सर्द हवाओं का चलना।

अभी तो सर्दी शुरू हुई है, लेकिन जैसे-जैसे जनवरी का महीना आएगा, तो कोहरा और पाला पड़ेगा। उस मौसम में त्वचा का ध्यान रखना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। ऐसे में यदि आप नहीं चाहते हैं कि आपकी त्वचा ड्राई बनी रहे तो आपको अभी से कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिनकी वजह से आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहेगी।

त्वचा को रखें मॉइश्चराइज

अपनी त्वचा को हमेशा मॉइश्चराइज रखें। यदि आप इस मौसम में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो त्वचा का रूखापन बढ़ता जाएगा। कई बार तो रूखापन इतना बढ़ जाता है कि स्किन पर पपड़ी तक जमने लगती है और खुजलाने पर खून आ जाता है।

सनस्क्रीन है जरूरी

बहुत से लोगों को लगता है कि सर्दियों के मौसम में उन्हें सनस्क्रीन की जरूरत नहीं है। जबकि ऐसा नहीं है। इस मौसम में भी सूरज की हानिकारक किरणें त्वचा को काफी हानि पहुंचाती हैं। ऐसे में इस मौसम में भी 50 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का ही इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा हानिकारक यूवी किरणों से बची रहे।

स्किन केयर को बदलें

हर मौसम में अलग तरह से स्किन केयर किया जाता है। जैसे कि इस मौसम में रात के समय में भी त्वचा को मॉइश्चराइज करें, ताकि रात में आपकी त्वचा में नमी बरकरार रहे। इस मौसम में ज्यादातर त्वचा को हाइड्रेट रखने वाले प्रोडक्ट इस्तेमाल करने चाहिए, ताकि आपकी त्वचा खिली-खिली और मुलायम रहे।

सही स्क्रब चुनें

इस मौसम में आपको त्वचा एक्सफोलिएट करने की भी काफी जरूरत है। त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए स्किन टाइप के हिसाब से ही स्क्रब का इस्तेमाल करें, ताकि चेहरे और हाथ-पैरों से डेड स्किन निकल जाए। ऐसा करने से आपकी त्वचा दमकती रहेगी।

गर्म पानी का इस्तेमाल न करें

लगभग सभी लोग इस मौसम में गर्म पानी से ही नहाते हैं। ऐसे में आपको ये पता होना चाहिए कि जितना तेज गर्म पानी से आप नहाएंगे, उतनी ही आपकी त्वचा ड्राई हो जाएगी। ऐसे में हमेशा ठंडे पानी से ही नहाएं। यदि आपको ज्यादा ही ठंड लगती है तो एकदम हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा रूखी न हो।

भरपूर पानी पिएं

सर्दियों में भी त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। यह त्वचा की अंदरूनी नमी बनाए रखता है। पानी कम पीने की वजह से त्वचा ड्राई होने लगती है और डेड स्किन भी बनने लगती है।

देश में निष्क्रिय बैंक अकाउंट में 1 लाख करोड़ रुपये

ऐसे अकाउंट धोखाधड़ी को भी बढ़ावा दे रहे, आरबीआई लगाम लगाने की तैयारी में

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकों में बढ़ रहे फ्रीज और इनऑपरेटिव अकाउंट पर चिंता जताई है। बैंकों को निर्देश दिया है कि वे ऐसे अकाउंट में कमी लाने के लिए तत्काल हर संभव जरूरी कदम उठाएं। बैंकों से कहा गया है कि ऐसे अकाउंट्स की केवाईसी के लिए मोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग, नॉन-होम ब्रांच, वीडियो कस्टमर आइडेंटिफिकेशन जैसी आसान प्रोसेस अपनाएं।

इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि ऐसे अकाउंट में केंद्र या राज्य सरकारों की विभिन्न स्कीमों के जरिए आ रहा अमाउंट बिना किसी दिक्कत के जमा होते रहे। ऐसे अकाउंट जिनमें दो साल से अधिक समय तक लेन-देन नहीं होता, उन्हें निष्क्रिय खातों की श्रेणी में डाल दिया जाता है।

अनक्लेम्ड डिपॉजिट सालाना आधार पर 28% बढ़ा

आरबीआई ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तिमाही आधार पर इनऑपरेटिव अकाउंट पर रिपोर्ट जारी करें। इससे पहले आरबीआई ने बैंकों को ऐसे खातों से धोखाधड़ी रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए थे। सरकारी डेटा के मुताबिक, 2023 के आखिर तक ऐसे खातों में 1 लाख करोड़ से ज्यादा की राशि फंसी थी। इनमें से करीब 42 हजार करोड़ अनक्लेम्ड हैं। दिसंबर 2023 में वित्त मंत्रालय ने संसद को दी गई सूचना में बताया था कि मार्च 2023 में बैंकों में अनक्लेम्ड डिपॉजिट सालाना आधार पर 28% बढ़कर 42,270 करोड़ तक पहुंच गया था, जो मार्च 2022 में 32,934 करोड़ रुपए था। इनमें से प्राइवेट बैंकों में 6,087 करोड़ रुपए हैं।

आरबीआई ने निष्क्रिय खातों की निगरानी के निर्देश क्यों दिए हैं

आरबीआई ने ऐसे खातों से धोखाधड़ी का जोखिम कम करने के लिए बैंकों को फिर से एक्टिव किए गए खातों की छह महीने तक निगरानी के निर्देश दिए थे। साथ ही, एक साल से निष्क्रिय खातों की निगरानी के निर्देश दिए थे।

इनऑपरेटिव अकाउंट कैसे धोखाधड़ी का रिस्क बढ़ा रहे हैं?

बर्गियन लॉ के सीनियर पार्टनर केतन मुखीजा के मुताबिक, इन खातों को अक्सर घोटालों और पहचान चोरी के लिए टारगेट किया जाता है। बैंक कर्मचारी अनधिकृत लेनदेन के लिए इन खातों का दुरुपयोग कर सकते हैं।

निष्क्रिय खाते अवैध गतिविधियों को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं?

ईवाई फोरेंसिक एंड इंटीग्रिटी सर्विसेज के पार्टनर विक्रम बब्बर के मुताबिक, इन खातों में अवैध रकम भेजी जा सकती है। लेनदेन को मिटाने के लिए फौरन निकासी हो सकती है। ये अवैध संचालन के आदर्श माध्यम बन जाते हैं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, 2024 के पहले नौ महीनों के दौरान साइबर धोखाधड़ी के कारण भारत को 11,333 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। करीब 20% जनधन खाते दिसंबर 2023 तक निष्क्रिय थे।

ए. नागराजू, कार्यपालक निदेशक ने पावरग्रिड द.क्षे.पा.प्र.-I का प्रभार संभाला

हैदराबाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। ए. नागराजू, कार्यपालक निदेशक ने पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र ट्रांसमिशन सिस्टम-I (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के हिस्से में सबस्टेशन और परियोजनाओं से मिलकर) का प्रभार ग्रहण किया। ए नागराजू, उस्मानिया विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और उन्होंने 1986 में एनटीपीसी के साथ इंजीनियर प्रशिक्षु के रूप में अपना व्यावसायिक कैरियर शुरू किया और बाद में 1991 में इंजीनियर के रूप में पावरग्रिड में शामिल हुए। उनके पास 38 से अधिक वर्षों का विशाल अनुभव है और उन्होंने ट्रांसमिशन क्षेत्र के सभी पहलुओं परियोजना प्रबंधन, संविदा, वाणिज्यिक, पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन, ईएसजी, विभिन्न स्थानों जैसे-बैंगलोर, हैदराबाद, नागपुर और कॉर्पोरेट केंद्र में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व आदि क्षेत्रों में काम किया है। दक्षेपाप्र-I का प्रभार संभालने से पहले, उन्होंने पावरग्रिड कॉर्पोरेट कार्यालय, गुरुग्राम में कार्यपालक निदेशक (ईएसएमडी एवं सीएसआर) के रूप में कार्य किया है।

आज सोना-चांदी में तेजी

> सोना 96 रुपए बढ़कर 76,420 रुपए पर पहुंचा
> चांदी 90,350 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 दिसंबर को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 96 रुपए बढ़कर 76,420 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,324 रुपए प्रति दस ग्राम थी।

चांदी के दाम में भी तेजी है। ये 370 रुपए बढ़कर 90,350 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 89,980 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

> **दिल्ली :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,930 रुपए है।

> **मुंबई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,780 रुपए है।

> **कोलकाता :** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,780 रुपए है।

> **चेन्नई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,780 रुपए है।

> **भोपाल :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपए है।

जून तक 85 हजार रुपए तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। अमेरिका के बाद यूके ने ब्याज दरों में कटौती की है। इससे गोल्ड ईटीएफ की खरीदारी बढ़ेगी। ऐसे में अगले साल 30 जून तक सोना 85 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग आज से

आरबीआई गवर्नर 6 दिसंबर को बताएंगे ब्याज दरों में बदलाव होगा या नहीं, फरवरी 2023 से ब्याज दरें अपरिवर्तित

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्याज दरों पर फैसला लेने के लिए मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग आज यानी, 4 दिसंबर से शुरू हो गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास 6 दिसंबर को सुबह 10 बजे मीटिंग में लिए गए फैसले की घोषणा करेंगे।

आरबीआई ने फरवरी 2023 से रेपो रेट को 6.5% पर अपरिवर्तित रखा है। मार्केट विश्लेषकों और अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक भारत की महंगाई को अपने लक्ष्य स्तर के करीब लाने के लिए अपने मौजूदा रुख को बनाए रखेगा। एमपीसी में 6 सदस्य हैं, जिनमें से तीन केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंजन हैं। सरकार ने 1 अक्टूबर को कमेटी में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की पिछली मीटिंग अक्टूबर में हुई थी, जिसमें कमेटी ने लगातार 10वीं बार दरों में बदलाव नहीं किया था। अब इस मीटिंग में भी ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं है। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-10	बजे
चंद्र-	मकर	मे	धनु----	07-24	बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर....	09-29	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	11-21	बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	12-59	बजे
शुक्र-	मकर	मे	मेष---	14-34	बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-20	बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	18-20	बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	20-33	बजे
			सिंह---	22-44	बजे
			कन्या--	00-51	बजे
			तुला---	02-57	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-36
सूर्यास्त. -17-37
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 12-49 तक उपरान्त पंचमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल, गुरुवार 05 December
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 17-26 तक उपरान्त श्रवण
योग - वृद्धि 12-27 तक उप ध्रुव
करण- गर 12-49 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्राकाल - 12-49 तक

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:30 से 14:53 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघडिया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:36 - 07:57	शुभ	अमृत	17:36 - 19:17	शुभ
रोग	07:57 - 09:20	अशुभ	चंचल	19:17 - 20:54	शुभ
उत्पात	09:20 - 10:44	अशुभ	रोग	20:54 - 22:30	अशुभ
चंचल.	10:44 - 12:07	शुभ	काल	22:30 - 00:07	अशुभ
लाभ	12:07 - 13:30	शुभ	लाभ	00:07 - 01:44	शुभ
अमृत	13:30 - 14:53	शुभ	उत्पात	01:44 - 03:21	अशुभ
काल.	14:53 - 16:17	अशुभ	शुभ.	03:21 - 04:58	शुभ
शुभ	16:17 - 17:37	शुभ	अमृत.	04:58 - 06:36	शुभ

मुकेश अंबानी 100 अरब क्लब में शामिल हुए

एलन मस्क को 4.06 अरब डालर का फटका

हाइलाइट्स

> मुकेश अंबानी एक फिर बने 100 अरब डालर क्लब का हिस्सा
> मंगलवार को नेटवर्थ में आई 1.3 अरब डॉलर की तेजी
> एलन मस्क की नेटवर्थ में 4.06 अरब डॉलर की गिरावट

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी एक बार फिर 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ में 1.30 अरब डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 3.84 अरब डॉलर की तेजी आई है। अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में जुलाई में अपने पीक से 18 फीसदी नीचे ट्रेड कर रहे हैं।

बुधवार को यह करीब 0.75% गिरावट के साथ 1311.35 रुपये तक गिरा। जानकारों का कहना है कि रिलायंस के रिटेल बिजनस को क्विक कॉमर्स से कड़ी चुनौती मिल सकती है। जेएम फाइनांनशियल ने इसका टारगेट प्राइस 1,660 रुपये रखा है। इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में भी मंगलवार को 1.39 अरब डॉलर की की तेजी आई। वह 84.0 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 19वें नंबर पर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 264 मिलियन डॉलर की गिरावट आई है। हाल में अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अडानी और ग्रुप के कुछ शीर्ष अधिकारियों पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाया था।

कौन-कौन हैं टॉप 3 में

उधर दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में मंगलवार को 4.06 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ अब 349 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 120 अरब डॉलर की तेजी आई है। मंगलवार को सबसे ज्यादा कमाई मार्क जकरबर्ग के नाम रही। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ की नेटवर्थ में 7.20 अरब डॉलर की तेजी आई। अमीरों की लिस्ट में जेफ बेजोस (234 अरब डॉलर) दूसरे और जकरबर्ग (217 अरब डॉलर) तीसरे नंबर पर हैं।

रेलवे हर साल टिकटों पर 56993 करोड़ रुपये की सब्सिडी देता है

लोकसभा में बोले अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे की ओर से सभी श्रेणी के यात्रियों को हर साल कुल 56,993 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाती है, जिसमें प्रत्येक टिकट पर 46 प्रतिशत की छूट भी शामिल है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। लोकसभा में रेल यात्रियों की विभिन्न श्रेणियों को दी जाने वाली छूट बहाल करने के संबंध में पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए वैष्णव ने कहा कि यदि टिकट की कीमत 100 रुपये है तो रेलवे इसके लिए सिर्फ 54 रुपये लेता है- यानी 46 प्रतिशत की छूट यात्री को दी जाती है।

वैष्णव ने प्रश्नकाल के दौरान कहा, भारतीय रेलवे की ओर से सभी श्रेणी के यात्रियों को हर साल कुल 56,993 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाती है। रैपिड ट्रेन सेवा पर एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि रेलवे ने भुज और अहमदाबाद के बीच पहले ही ऐसी सेवा-नमो भारत रैपिड रेल-शुरू कर दी है और इसकी उत्कृष्ट सेवा के कारण यात्रियों की संतुष्टि का स्तर बहुत ऊंचा है। अधिकारियों के अनुसार नमो भारत रैपिड रेल ने भुज और अहमदाबाद के बीच 359 किलोमीटर की दूरी 5 घंटे 45 मिनट में तय करके, रास्ते में कई स्टेशनों पर रुकते हुए, दोनों शहरों के बीच संपर्क में सुधार किया है।

आपका राशिफल

मेष — चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं। आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए। यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा। आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी। आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है। जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे, वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे। वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें। आज आप विलासिता से संबंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है, जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे।

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है। अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है।

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है, जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं। डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है। अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है तो इस सलाह को माने क्यों की ये आपके पेशेवर जीवन के लिए इस समय बहुत ही प्रासंगिक होगी।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी। आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे। आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है।

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं, लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है। ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी, इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

वृश्चिक — तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी। इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले। आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे।

धनु — ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है, परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है, लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है और आपके काम में समर्थन भी करेंगे।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे। आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे। आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, आपकी लापरवाही के बावजूद, आपका वित्तीय स्वास्थ्य सही रहेगा।

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपके मितव्ययी होने की संभावना हैं, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे। आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है। आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्रयचकित कर सकता है। आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा।

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं। यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है। इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा। अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नवंबर में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि में मामूली नरमी

रोजगार वृद्धि 2005 के बाद सबसे तेज

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की सेवा क्षेत्र की पीएमआई नवंबर में मामूली रूप से गिरकर 58.4 पर आ गई, जबकि इस महीने रोजगार में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। बुधवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर में 58.5 से मामूली रूप से घटकर 58.4 पर आ गया, क्योंकि बिक्री में वृद्धि धीमी गति से हुई। पिछले महीने, देश की सेवा पीएमआई अपने 10 महीने के निचले स्तर से उबरने में सफल रही। क्रय प्रबंधक सूचकांक (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स या पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत ने नवंबर में 58.4 सेवा पीएमआई दर्ज किया, जो पिछले महीने के 58.5 से केवल थोड़ा सा कम है। नवंबर के दौरान, सेवा क्षेत्र में रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 2005 में इस सर्वेक्षण के शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे तेज इजाफा है। भंडारी ने कहा, नौकरी में उछाल से क्षेत्र में कारोबारी आत्मविश्वास में सुधार, नए ऑर्डरों में वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय मांग में मजबूत वृद्धि दिखती है। साथ ही, उच्च खाद्य और श्रम लागतों ने इनपुट और आउटपुट की कीमतों को क्रमशः 15 महीनों और लगभग 12 वर्षों में सबसे तेज दरों पर पहुंचा दिया। सर्वेक्षण के पैनलिस्टों ने अपनी सेवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय मांग में सुधार का संकेत देना जारी रखा, जबकि नए निर्यात ऑर्डरों में तीन महीनों में सबसे तेज वृद्धि हुई, लेकिन यह मध्य वर्ष में देखी गई वृद्धि से काफी कम है। निजी क्षेत्र की कंपनियों ने संकेत दिया कि मांग की मजबूती ने नवंबर में नए कारोबार और उत्पादन में और वृद्धि का समर्थन किया। बिक्री में जारी वृद्धि ने क्षमता दबाव को बढ़ाया, जिसके कारण कंपनियों ने 19 साल पहले तुलना योग्य आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से सबसे तेज गति से कर्मचारियों को नियुक्त किया। बढ़ती इनपुट कीमतों के साथ-साथ, श्रम लागत ने मुद्रास्फीति पर दबाव डाला। कुल मिलाकर, व्यय और आउटपुट शुल्क क्रमशः 15 महीनों और लगभग 12 वर्षों में सबसे तेज दर से बढ़े।

सेंसेक्स 110 अंक चढ़कर 80,956 पर बंद

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सेंसेक्स आज यानी 4 दिसंबर को 110 अंक की बढ़त के साथ 80,956 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 10 अंक की बढ़त रही, ये 24,467 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 30 शेयरों में से 15 में गिरावट और 15 में gh तेजी देखने को मिली है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 30 में गिरावट और 20 में तेजी देखने को मिली है। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स में पीएसयू बैंकिंग और रियल्टी में 2% से ज्यादा की तेजी रही। एचडीएफसी लाइफ 2.59% की बढ़त के साथ निफ्टी का टॉप गेनर रहा। वही एयरटेल 2.33% की गिरावट के साथ टॉप लूजर रहा। एशियाई बाजार में कोरिया के कोस्पी में 1.44% और चीन के शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स में 0.42% की गिरावट रही। वहीं जापान के निक्केई में 0.07% में की बढ़त रही।

1 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मियों व पेंशनभोगियों को बड़ा झटका

आठवें वेतन आयोग को लेकर वित्त मंत्रालय ने दिया ये जवाब

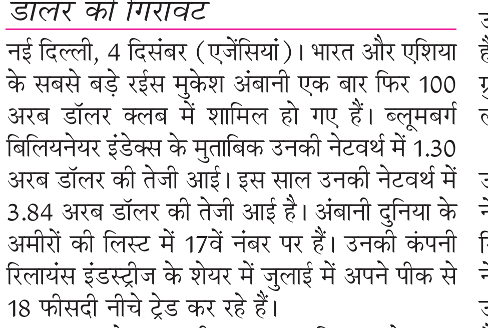

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। 1 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बुरी खबर है। 8वें वेतन आयोग को लेकर आखिरकार बड़ी खबर आ गई है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने पुष्टि कर दी है कि 8वें वेतन आयोग बनाने को लेकर फिलहाल किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है। राज्य सभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि फिलहाल 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को लेकर किसी तरह के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है। 8वें वेतन आयोग को लेकर सांसद जावेद अली खान और रामजी लाल सुमन ने सवाल पूछा था कि आम बजट 2025-26 में केंद्र द्वारा नए पे कमीशन से जुड़ी बड़ी घोषणा करने पर विचार किया जा रहा है? बता दें यूनियन बजट 1 फरवरी 2025 को पेश किया जाएगा। यह प्रश्न भी संसद में उठा कि क्या केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति, पे स्केल को रिवाइज करने में रुकावट बनी थी। इस पर मंत्री ने कहा कि कोई प्रस्ताव अभी विचाराधीन नहीं है, इसलिए इस मसले पर अभी कोई सवाल नहीं उठता। आठवें वेतन आयोग से जुड़ी इस खबर से निश्चित तौर पर करीब 50 लाख मौजूदा केंद्रीय कर्मचारी और करीब 67 लाख पेंशनभोगियों को निराशा होगी। मोदी सरकार द्वारा आने वाले बजट में ये लोग अपने लिए कुछ अच्छी खबर के इंतजार में थे। मीडिया रिपोर्ट्स में इस तरह की खबरें पिछले लगातार कई सप्ताह से सामने आ रही थीं कि फरवरी 2025 में आने वाले बजट में आठवें वेतन आयोग के गठन से जुड़ी घोषणा की जा सकती हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले- 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा गलत

हमको अब तक किसने काटा, ये कहना चाहते हैं कि हमें वोट नहीं दिया, तो काट देंगे

रायपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी और बीजेपी ने 'बटोगे तो कटोगे' के नारे पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि, यह नारा 2024 में क्यों दिया जा रहा है। इतने साल से चुनाव हो रहे हैं। क्या इससे पहले हम सेफ नहीं थे? किसने हमको अब तक काटा है। यह नारा देकर कहना चाहते हैं कि हमको वोट नहीं दिया, तो काट देंगे। धमकी देकर वोट नहीं लिया जा सकता है। आप अपनी नीतियां ठीक करिए। आप धमका क्यों रहे हो। बटोगे तो कटोगे का नारा कैसे दिया जा सकता है। इस पर कोई कुछ नई बोल रहा है। न तो राष्ट्रपति बोल रहे, न ही सुप्रीम कोर्ट बोल रहा है। यह जो नारा है, वो गलत है। ऐसा नारा लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। शंकराचार्य ने यह बयान

छत्तीसगढ़ के रायपुर में दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हम हिंदुओं को इसकी चिंता है। यदि वहां से लोग आ रहे हैं, तो उन्हें भारत में शरण दी जाए। भारत हिंदुओं की मात्र भूमि है। लेकिन पिछले दिन यह घटना हुई की बीएसएफ के जवानों ने उन्हें भगा दिया था। उन्होंने कहा कि, हमने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को पत्र लिखा था कि, उन्हें आने दिया जाए। आज वो विषय बढ़ता चला जा रहा है। हम इतनी बड़ी संख्या में होने के बावजूद कुछ नहीं कर पा रहे हैं। जब आप सत्ता में ही हैं, तो प्रदर्शन की क्या जरूरत है। प्रदर्शन करके आप राजनीतिक लाभ लेना चाह रहे हैं। इनको कहना था एक भी हिन्दू को आपने छुआ तो कई उदाहरण हमने अभी आपको बताए बांग्लादेश हमारे वजह से बना है। इस मसले पर कुछ नहीं हुआ तो यहां भी बहुत बांग्लादेशी है। हम उनको भी एक-एक कर बाहर निकलेंगे। हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, कोई भी पदयात्रा करे उसका हम स्वागत करते हैं। लेकिन अपनी यात्रा पर यह कहते है कि जात पात की करो विदाई यह ठीक नहीं है। वर्ण और आश्रम से हमारी पहचान है, तो कैसे हिन्दू राष्ट्र बन सकता है। ऐसा हिन्दू राष्ट्र जिसमें वर्ण आश्रम नहीं होगा, वो खतरनाक होगा। वहीं, धर्मांतरण को लेकर बस्तर में धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, इस यात्रा से धर्मांतरण को बढ़ावा मिलेगा। हम कह रहे है कि वे यात्रा ना करें। महाराष्ट्र में महायुति की जीत को लेकर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि, महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की सरकार थी, तो उन्होंने हमारी मांग को पूरा किया। गौ-माता को राज्यमाता का दर्जा और उन्हें इतनी बड़ी जीत मिली है। उनकी पर गौ माता का ही आशीर्वाद है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री गौ-माता को राज्य माता घोषित करने के लिए हिचक रहे हैं। आगे चुनाव इनका भी है, कुछ भी हो सकता है।

मईयां सम्मान योजना, 11 दिसंबर तक ट्रांसफर होंगे

53 लाख महिलाओं के खाते में जाएंगे पैसे, 2 साल से पड़े पैसे का सरकार करेगी इस्तेमाल

रांची, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्य भर की 53 लाख लाभुकों के खाते में 11 दिसंबर को पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे। अब लाभुकों को 25 सौ रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। एक आकलन के मुताबिक इस पर करीब 16,000 करोड़ रुपए सालाना खर्च होंगे। लाभुकों को हर माह पैसे मिलते रहें इसके लिए राशि जुटाने में सरकार लग गई है। इसके लिए सरकार के उन खातों के पैसे का इस्तेमाल करने को कहा है जिनका इस्तेमाल पिछले दो साल से नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग काम करती है। सरकार ने दिसंबर से योजना की राशि 1000 से बढ़ाकर 2500 रुपए भुगतान सुनिश्चित करने का संकल्प जारी कर दिया है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के अंत तक इसके लिए विभाग के फंड में रकम नहीं हैं। विभाग ने

इसके लिए अनुपूरक बजट में राशि उपलब्ध कराने के लिए वित्त विभाग को मांग पत्र भेजा है।

वित्त विभाग ने 10 दिसंबर को पेश होनेवाले द्वितीय अनुपूरक बजट में इसके लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। मंईयां सम्मान योजना के लिए मूल बजट में प्रावधान नहीं था।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई विभागीय सचिवों की बैठक में भी इस विषय पर गंभीर मंथन हुआ। विभागीय सचिवों को योजना मद के राज्य शेयर में से 5 से 50% तक राशि सरेंडर करने का निर्देश दिया है। सरेंडर हुई राशि को पुनर्विनियोग द्वारा समाज कल्याण को मंईयां योजना के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

सर्वाधिक पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को योजना राज्यांश का 50% सरेंडर करने को कहा गया है। ज्यादातर विभागों को 20% सरेंडर करने का निर्देश दिया गया है। लाभुकों के खाते में राशि डालने के लिए हर महीने की 15 तारीख तय की गई है। पिछले महीनों में पहले भी भुगतान हुआ है, पर इस बार समाज कल्याण विभाग के पास फंड नहीं होने से कई जिलों में दो-चार दिनों का विलंब भी हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, विभाग ने फंड के लिए प्रथम अनुपूरक बजट में प्रावधान करने का प्रस्ताव दिया है। उम्मीद है कि 9 दिसंबर से शुरू हो रहे विशेष सत्र में मंईयां योजना के लिए अनुपूरक बजट में राशि का प्रावधान हो जाएगा। 27 नवंबर को राज्य के वित्त सचिव ने विभिन्न विभागों के पीएल खातों में पड़े पैसों को लेकर समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने दो वर्ष से कोषागार से पड़े पैसों को राजकोष में जमा करने का निर्देश दिया था।

छत्तीसगढ़ में भूकंप से कांपी धरती

3 जिलों में सुबह 7 .36 बजे लगे झटके घरों से निकले लोग, 5 .3 मापी गई तीव्रता

बस्तर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में बुधवार सुबह 7.36 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र तेलंगाना में था, लेकिन झटके महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी महसूस किए गए। जिसके बाद लोग घरों से बाहर निकल गए। फिलहाल किसी के नुकसान की खबर नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, सुबह तेलंगाना के मुलुगु जिले में 5.3 की तीव्रता का भूकंप आया। हैदराबाद में भी झटके महसूस किए गए। यहां भूकंप सुबह 7:27 बजे आया। इसका केंद्र ज़मीन से 40 किलोमीटर की गहराई पर था। जगदलपुर में 7 महीने पहले भी 12 मिनट के अंतराल में भूकंप के 2 झटके महसूस किए गए। शहर के आमागुड़ा, कुम्हारपारा, पथरागुड़ा के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों आड़ावाल, सेमरा, करकापाल में भूकंप के झटके लगे हैं। भूकंप रात 7.53 बजे और 8 बजकर 5 मिनट पर आया था।

दरअसल, पृथ्वी की चार प्रमुख परतें हैं, जिसे इनर कोर, आउटर कोर, मेंटल और क्रस्ट कहते हैं। पृथ्वी के नीचे मौजूद प्लेट्स घूमती रहती हैं, जिसके आपस में टकराने पर पृथ्वी की सतह के नीचे कंपन शुरू होता है। जब ये प्लेट्स अपनी जगह से खिसकती हैं तो भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस जगह पर सबसे ज्यादा भूकंप का असर रहता है।

उधार की कार में हादसे के बाद लगा दी आग

महिला-बच्चों को जलाने की कोशिश रिपेयर कराने को लेकर हुआ था विवाद

दुर्ग, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में उधार की कार को हादसे के बाद आग लगाने की घटना सामने आई है। दरअसल एक युवक पहचान वाले से कार मांग कर ले गया था, रास्ते में गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। जिसे बनवाने को लेकर विवाद हो गया। थाने में शिकायत करने पर आरोपी ने कार में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पीड़ित महिला का आरोप है कि उसे और उसके बच्चों से मारपीट कर उन्हें जलाने की कोशिश की गई। घटना जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र के देवार मोहल्ले की है। शिकायतकर्ता सुभद्रा गोस्वामी का आरोप है कि, पुलिस ने कार में तोड़फोड़ की घटना पर कोई एक्शन नहीं लिया। इसलिए मनोज यादव ने गुंडागर्दी। पुलिस ने अब दोनों पक्ष के खिलाफ काउंटर केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि, दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, मनोज यादव ने 30 नवंबर को सुभद्रा गोस्वामी की कार ली थी। वो नशे में कार चलाते समय कहीं हादसे का शिकार हो गया। जब मनोज घर छोड़ने आया, तो सुभद्रा गोस्वामी उस पर चिल्लाने लगी। कार की मरम्मत करवाने के लिए कहने लगी। इस पर मनोज यादव भड़क गया। उसने कहा कि, वो कार नहीं बनवाएगा। दोनों ने एक-दूसरे से गाली-गलौज की। अगले दिन मनोज यादव का बेटा सुभद्रा गोस्वामी के घर गया और अपने पिता की ओर से माफी मांगकर मामला शांत करवा दिया। लेकिन 3 नवंबर को दोबारा विवाद हो गया। दोपहर के समय मनोज अपने दोस्तों के साथ पहुंचकर कार और बाइक में तोड़फोड़ कर दी। जिसके बाद सुभद्रा गोस्वामी और उसका परिवार जेवरा सिरसा चौकी शिकायत दर्ज कराने पहुंचा। परिजनों का आरोप है कि, पुलिस ने न तो शिकायत दर्ज की न कोई कार्रवाई की। जिसके बाद रात 8 बजे मनोज यादव फिर नशे में अपने दोस्तों के साथ गोस्वामी के घर पहुंच गया। बाहर खड़ी कार में डीजल डालकर आग लगा दी। जब सुभद्रा गोस्वामी चिल्लाने लगी, तो बच्चों और उसके साथ मारपीट की गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने पाइप से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी, कार पूरी तरह से जल चुकी थी।

लालजी हीरजी रोड में लगी आग

12 से अधिक दुकानें हुई राख शॉर्ट सर्किट की संभावना, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

रांची, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची के मेन रोड स्थित लालजी हीरजी रोड में भीषण आग लग गई। आग एक कॉमर्शियल भवन में लगी। आगजनी की वजह से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लालजी हीरजी रोड घनी आबादी क्षेत्र है। ऐसे में जब तक आग पर काबू नहीं पाया गया तब तक भय का माहौल बना रहा। हालांकि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड पहुंची और घंटे भर से अधिक की मशक्कत के बाद स्थिति नियंत्रण में ले लाया। इस आगजनी में विभिन्न तरह की 12 से अधिक दुकानें जल कर राख हो गई हैं। जिस बिल्डिंग में आग लगी वहीं पास में बिजली का पोल भी है। ऐसे में आशंका है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और तेजी से फैल गई। इलाके में प्लाईवुड की दुकानें ज्यादा हैं इस वजह से लोगों की सांसें घंटे भर अटकी रही।

चंपाई सोरेन का बड़ा खुलासा!

जेएमएम में वापसी को लेकर किया चौंकाने वाला दावा

रांची, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) में वापसी की संभावना से इनकार किया है। जेएमएम से त्यागपत्र देने के बाद बीजेपी उम्मीदवार के रूप में सरायकेला विधानसभा सीट से चुनाव जीतने वाले चंपाई सोरेन के कई पुराने वीडियो को वायरल किया जा रहा है। इस वायरल मीडिया में चंपाई सोरेन की ओर से हेमंत सोरेन की तारीफ की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने बुधवार को सोशल मीडिया 'एक्स' के माध्यम से इस संबंध में अपनी स्थिति साफ की है। चंपाई सोरेन ने लिखा- 'कभी अफवाहों तो कभी पुराने वीडियो के जरिये भ्रम फैलाने वालों के लिए सीधा संदेश है। पुराने दल में अपमान होने के बाद भाजपा में शामिल होने का मेरा फैसला कोई गलती नहीं, बल्कि पूरी तरह से सोच-समझ कर लिया गया निर्णय है। चंपाई सोरेन ने यह भी लिखा- 'आप हजार साजिशें कर लो, लाख अफवाहें फैला लो, लेकिन एक बार जिस राह को छोड़ दिया, उस पर वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है।' चंपाई सोरेन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वो कोई छोटा बच्चा नहीं है, जो कोई गलती कर दे और फिर गलती को स्वीकार करते हुए पार्टी में वापस शामिल हो जाए। उन्होंने कहा कि जेएमएम को खड़ा करने में उनकी भी अहम भूमिका रही। लेकिन सारा कुछ देखने के बाद वो खुद को काफी अपमानित महसूस किए, इसलिए जेएमएम छोड़ने का फैसला लिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हांने जेएमएम से निकलने के पहले ही यह साफ कहा था कि वो एक ईंट भी लेकर नहीं जाएंगे, वो सिद्धांतवादी और आंदोलनकारी हैं। आंदोलन के समय में जो साथी नहीं रहे, वो उनके बारे में कुछ व्याख्या करें, इसका कोई मतलब नहीं है। चंपाई सोरेन ने कहा कि उन्होंने कभी पीछे मूड़ कर नहीं देखा, जहां आये है, उस दल को काफी सोच-समझ कर चुना।

झारखंड हाईकोर्ट से सीएम हेमंत को मिली राहत

एमपी-एमएलए कोर्ट ने सशरीर पेश होने के आदेश लगाई रोक, 16 दिसंबर को फिर होगी सुनवाई

रांची, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने सीएम हेमंत सोरेन को बड़ी राहत दी है। उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट में सशरीर पेश नहीं होना होगा। आज उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित होने को कहा गया था। एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें ईडी के समन की अवहेलना मामले में हाजिर होने का आदेश दिया था। जिसके बाद उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट की शरण ली थी। जहां उन्होंने क्रिमिनल मिसलिनियस पिटीशन दाखिल की।

आज इस मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने राहत दी और एमपी-एमएलए की विशेष अदालत के आदेश पर रोक लगा दी। सीएम हेमंत की ओर से अधिवक्ता पियूष चित्रेश, दीपांकर रॉय और श्रेय मिश्रा ने पक्ष रखा। अब इस याचिका पर अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी। एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें ईडी के समन की अवहेलना मामले में अदालत में पेश होने को कहा है। उन्होंने इस मामले में व्यक्तिगत पेशी से छूट का आग्रह करते हुए याचिका दायर की थी, जिसे 26 नवंबर को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। साथ ही उन्हें चार दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया था।

ईडी के समन की अवहेलना मामले की सुनवाई पहले सीजेएम कोर्ट में चल रही थी। तीन जून को सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। जहां सुनवाई के बाद 11 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिसका आदेश 26 नवंबर को जारी किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 19 फरवरी को हेमंत सोरेन के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराया था। कोर्ट ने चार मार्च को इस पर संज्ञान लेते हुए मुकदमा चलाने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट को पूरी बात बताई थी। ईडी ने बताया था कि जमीन की खरीद- बिक्री मामले में जांच एजेंसी ने हेमंत सोरेन को 10 बार समन जारी किया था। आठवें समन पर वे 20 जनवरी और 10वें समन पर 31 जनवरी को ईडी के सामने पेश हुए। जांच एजेंसी ने कहा कि आठ समन पर उपस्थित नहीं होना समन की अवहेलना है।

शादी में रसगुल्ला नहीं देने पर दोस्त को मार-डाला

नाबालिग ने थाने के पास 9 बार घोंपा चाकू, पुलिस से बोला-मार दिया हूं

दुर्ग, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में शादी पार्टी में रसगुल्ला नहीं देने पर नाबालिग ने चाकू मारकर दोस्त की हत्या कर दी। दोस्त की गर्दन पर एक बार और पेट पर 8 बार चाकू घोंपा। वारदात के बाद नाबालिग बदमाश ने थाने में जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस से कहा कि मार दिया हूं। मामला जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना पुलिस थाने से 100 मीटर की दूरी पर हुई है। मंगलवार की शाम जेवरा गांव के सामाजिक भवन में सुनीत साहू के बेटे की शादी का रिसेप्शन था। बताया जा रहा है कि, शादी में ज्यादा रसगुल्ला बांटने से मना किया गया था, इसलिए युवक ने देने से इनकार कर दिया था। बताया जा रहा है कि इसी बात से नाराज नाबालिग बदमाश का वेल्डिंग का काम करने वाले सागर ठाकुर (20) से विवाद हो गया। किसी तरह लोगों ने वहां मामला शांत कराया, तो दोनों बाहर निकलकर चले गए। इसके बाद चौकी के पास दोनों फिर लड़ने लगे, तभी नाबालिग ने अपने दोस्त के पेट और शरीर पर चाकू घोंप दिया।

स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक सागर ठाकुर 3 भाई में सबसे छोटा था। वारदात के बाद नाबालिग वहां से भाग गया। हालांकि बाद में उसने थाने जाकर खुद को सरेंडर किया और चाकू से मारने की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि, नाबालिग आरोपी बदमाश है, उसकी मां निगरानी बदमाश है। पिता भी आपराधिक घटना में शामिल रहा है। अभी बीमार रहता है। घटना के बाद माता-पिता घर छोड़कर कहीं भाग गए हैं। मृतक के परिजनों का कहना है कि, आरोपी का पूरा परिवार अपराधी है।

ऑनलाइन गेमिंग के तनाव में छात्रा ने की आत्महत्या

ब्रिज से कूदकर दी जान, पुल पर भीड़ लगने पर पिता को घटना का चला पता

जमशेदपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में बीबीए की एक छात्रा ने ऑनलाइन गेमिंग के तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। 19 साल की छात्रा ने टोल ब्रिज से कूदकर अपनी जान दे दी। घटना जमशेदपुर के कदमा थाना क्षेत्र की है। मंगलवार को उसका शव कदमा टोल ब्रिज के बीच खरकई नदी में मिला। उसका मोबाइल व बैग गायब था। छात्रा के पिता टोल ब्रिज पर भीड़ लगने की सूचना मिलने पर वहां पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। मृतका सोमा साव कदमा भाटिया बस्ती मंदिर पथ की रहने वाली थी। उसने पिछले साल नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। इधर, घटना की सूचना पाकर पुलिस भी पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कदमा पुलिस को छानबीन में पता चला है कि सोमा को ऑनलाइन गेम बैटल ग्राउंड्स मोबाइल इंडिया (बीजीएमआई) खेलने का शौक था। इसी गेम के दौरान उसकी छत्तीसगढ़ के एक युवक से दोस्ती हुई थी, जिसके बाद से वह काफी डिप्रेशन में रहने लगी। यही उसकी मौत का कारण बन गया। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है। परिजनों से मिले बयान और मोबाइल कॉल डिटेल्स के आधार पर पुलिस छत्तीसगढ़ के उस युवक से संपर्क साधने का प्रयास कर रही है, जिससे ऑनलाइन गेम के जरिए दोस्ती हुई थी। सोमा तीन बहनों में सबसे छोटी थी। दो बहन की शादी हो चुकी है।

सोमा के पिता प्रवीर साव ने बताया कि सोमा उनकी सबसे छोटी व लाडली बेटी थी। वे बिष्टुपुर में ठेला पर एगरोल बेचते हैं। उन्होंने अपनी बेटी की इच्छा पूरी करने के लिए पिछले साल नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी में बीबीए में दाखिला कराया था। दो दिनों पहले कॉलेज में 45 हजार रुपए फीस जमा कराई थी। सोमवार सुबह 7 बजे घर से कॉलेज जाने के लिए निकली। शाम सात बजे तक उसके घर नहीं लौटने पर मोबाइल पर कॉल किया गया तो सोमा ने बताया कि वह मानगो ट्रैफिक में फंसी है। इसके कुछ देर बाद उसका फोन बंद हो गया। इसके बाद परिजनों ने खोजबीन की तो सोमा के दोस्तों ने बताया कि वह सोमवार को कॉलेज नहीं आई। फिर कदमा थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मंगलवार सुबह कदमा पुलिस ने सूचना दी कि टोल ब्रिज के नीचे एक युवती का शव मिला है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान सोमा के रूप में की। फिलहाल मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

झारखंड में फेंगल तूफान का असर खत्म

कल से पांच डिग्री तक गिर सकता है तापमान उत्तर की सर्द हवाओं का पड़ेगा सीधा असर

रांची, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में चक्रवाती तूफान फेंगल का असर पूरी तरह खत्म हो चुका है। पूरे राज्य में सुबह-सुबह कुहासा और धुंध रहता है पर दिन चढ़ते ही आसमान साफ हो जाता है। ऐसे में अब कल से मौसम के और ठंड होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने कहा है कि कल से न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि फेंगल के प्रभाव के बाद गुरुवार से उत्तर की सर्द हवा का रूख झारखंड की ओर होगा। पांच दिसंबर से झारखंड में कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना है। पांच दिसंबर से राज्य के तापमान में चार से पांच डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। मौसम विभाग के रिपोर्ट के मुताबिक अगले 48 घंटे के दौरान पश्चिम उत्तर की शुष्क हवा चलते ही ठंड बढ़ जाएगी।

इस हवा की वजह से धूप के बावजूद सुबह के न्यूनतम तापमान में चार से पांच डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। वहीं, दिन के अधिकतम तापमान में भी कमी आ सकती है। चूंकि हवा चलेगी इसलिए दिन में भी ठंड का एहसास होता रहेगा।

बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो मंगलवार को भी मौसम सामान्य रहा। अच्छी धूप खिलने से दिन के तापमान में वृद्धि हुई।

राजधानी का तापमान 28.1 डिग्री तक बढ़ गया। यह एक दिन पूर्व के अधिकतम तापमान 23.1 डिग्री से करीब पांच डिग्री अधिक है। वहीं, रांची का न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री रहा, जो कि सामान्य से करीब चार डिग्री ऊपर है। रांची में दिसंबर माह में बारिश का रिकॉर्ड भी है।

बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम बना और पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखा तो इस बार भी बारिश हो सकती है। पिछले पांच सालों में सबसे अधिक बारिश 2019 में 25.1 एमएम हुई थी। 2020 में मात्र 0.9 एमएम, 2021 में 19.1 एमएम और 2022 में दिसंबर माह में बारिश नहीं हुई थी। इस माह बारिश हुई तो न्यूनतम तापमान काफी नीचे जा सकता है। हालांकि, जिस वर्ष नवंबर दिसंबर में बारिश नहीं होती है उस वर्ष न्यूनतम तापमान बहुत अधिक नीचे नहीं जाता है।

मछुआरों के जाल में फंसी 65केजी की मछली

छत्तीसगढ़ के सरोदा-जलाशय से निकाली गई 6 फीट की ब्लैक-कार्प, यहीं मिली थी 80केजी की बीटकार

कवर्धा, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के सरोदा जलाशय में 6 फीट लंबी और 65 किलो वजनी मछली मिली है। यह ब्लैक कार्प प्रजाति की मछली है। हालांकि बाद में मछुआरों ने उसे स्थानीय बाजार में बेच दिया। इससे 9 महीने पहले इसी जलाशय में 80 किलो की मछली (बीटकार) मिली थी। जानकारी के मुताबिक, मछुआरे ने सोमवार को सुबह मछली पकड़ने के लिए जाल डाला था। अचानक जाल भारी हो गया। मछुआरे को लगा कि जाल में कोई बड़ा पत्थर या भारी चीज फंस गया है। उसने जाल खींचने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा। इसके बाद बाकी मछुआरों को बुलाया गया। तीन साथियों की मदद से जाल को बाहर निकाला गया। जैसे ही मछुआरों ने उसे बाहर निकाला, तो देखा कि उसमें एक विशाल मछली फंसी हुई है। यह

ब्लैक कार्प प्रजाति की मछली है, जिसका शरीर फ्यूसीफॉर्म होता है। वे गहरे भूरे, भूरे या नीले काले रंग के दिखाई देते हैं। उनके पंख गहरे रंग के होते हैं। मछुआरों का कहना है कि सरोदा जलाशय बड़ी मछलियों का ठिकाना है। यहां 80 किलो वजन की मछली भी पकड़ी गई थी। इस बार 65 किलो की मछली भी बड़ी उपलब्धि है। इस बड़ी मछली को पकड़ने में मछुआरा समिति के सदस्य हीरालाल मल्लाह, सुखदेवराम मल्लाह और राजेंद्र मल्लाह की अहम भूमिका रही। नेताजी मछुआरा समिति के सदस्य दीना मल्लाह ने कहा कि, वर्तमान सरकार की योजनाओं ने मछुआरों को मछली पालन के क्षेत्र में प्रोत्साहन दिया है। मछली पालन से न सिर्फ उनकी आय बढ़ रही है, बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी सहायक है। मछलियों को स्थानीय बाजार में बेच दिया है। मछली पालन विभाग के सहायक संचालक आरडी सिंह ने बताया कि, सरोदा जलाशय को मछली पालन के लिए स्थानीय स्तर पर तीन समिति नेताजी मछुआरा समिति, श्रीराम मछुआ सहकारी समिति और केवट मछुआरा समिति को पट्टे पर दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रही है।

छत्तीसगढ़ के 54 नेताओं के केस होंगे वापस

रायपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भाजपा नेताओं के खिलाफ दर्ज राजनीतिक प्रकरण को साय सरकार खत्म करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस कार्यकाल में भाजपा नेताओं पर दंगा भड़काने, शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, तोड़फोड़ करने और अफसरों से विवाद करने का आरोप लगाकर अलग-अलग जिलों में 134 से ज्यादा केस दर्ज किए गए थे, इनमें 54 केस खत्म किए जाएंगे। साय कैबिनेट की बैठक में मंत्रिपरिषद की उप समिति ने प्रकरणों को खत्म करने की सिफारिश की थी। बीजेपी के जिन नेताओं के केस वापस लिए जाएंगे उनमें मंत्री, विधायक से लेकर राज्य स्तर और जिला स्तर के नेता शामिल हैं। वहीं कांग्रेस ने कहा है कि सिर्फ बड़े नेताओं के केस वापस लिए जा रहे हैं, कार्यकर्ताओं के केस भी खत्म करें। गृह विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिन नेताओं के केस खत्मा किए जाएंगे उनमें मंत्री दयालदास बघेल, शकुंतला पोर्ते, उद्धेश्वरी पैकरा, सुशांत शुक्ला, कृष्णकांत चंद्र, योगेश्वर राजू सिन्हा, गजेंद्र यादव, रिकेश सेन और सौरभ सिंह जैसे सीनियर लीडर समेत प्रदेश और जिला स्तर के 54 नेता शामिल हैं। मंत्री परिषद की ओर से गठित उपसमिति के सामने राजनीतिक प्रकरण आने से पहले गृहमंत्री कार्यालय में इन प्रकरणों की समीक्षा हुई थी।

समीक्षा बैठक में मंत्री राम विचार नेताम और मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शामिल होकर अधिकारियों से चर्चा की थी। पहले 54 प्रकरणों का खत्म कराए जाएंगे। बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा, कि भूपेश सरकार में भ्रष्टाचार और प्रदेश की जनता के साथ धोखाधड़ी हो रही थी।

ब्रिटिश सांसद बोले-बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया करने की कोशिश

वहां घर जलाए, दुकानें तोड़ीं, पुजारियों को जेल भेजा अमेरिका ने कहा- अल्पसंख्यकों की हिफाजत करें

ब्रिटेश संसद में बांग्लादेश मामले पर चर्चा करते बॉब ब्लैकमैन और कैथरीन वेस्ट

लंदन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमले को लेकर ब्रिटिश सांसदों ने चिंता जताई है। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद हिंदुओं का सफाया (एथनिक क्लींजिग) करने की कोशिश हो रही है।

हाउस ऑफ कॉमन्स में एक बहस के दौरान ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर जला दिए गए हैं। उनके दुकानों और घरों में तोड़फोड़ की जा रही है। पुजारियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। ब्लैकमैन ने कहा कि इस मामले पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी ब्रिटेन की है क्योंकि उन्होंने ही बांग्लादेश को आजाद कराया था। विदेश कार्यालय मंत्री कैथरीन वेस्ट ने कहा कि हम भारत सरकार की चिंता से वाकिफ हैं। वेस्ट ने कहा कि पिछले महीने वह बांग्लादेश गई थी। इस दौरान यूनुस सरकार ने उन्हें यकीन दिलाया था कि वे अल्पसंख्यकों के हितों की हिफाजत करेंगे। कंजर्वेटिव सांसद प्रीति पटेल ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा हो रही है जिसे सरकार रोक नहीं पा रही है। हम इससे बहुत परेशान हैं। हमारी संवेदना बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ है। वहीं, लेबर पार्टी के सांसद बैरी गार्डिनर ने कहा कि ब्रिटिश सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रख रही है। अमेरिका ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि सरकार को बोलने की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का सम्मान करने की जरूरत है। पटेल ने कहा कि अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों को उनकी बात रखने का मौका मिलना चाहिए। उनसे मानवाधिकारों के मुताबिक ही व्यवहार किया जाना चाहिए। बांग्लादेश में हिंदुओं के नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद से तनाव बढ़ा हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले और उनकी हत्याओं का जिम्मेदार अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को बताया है। मंगलवार को न्यूयॉर्क के एक सेमिनार को वर्चुअली संबोधित करते हुए हसीना ने कहा-"बांग्लादेश में सामूहिक हत्याओं का जिम्मेदार मुझे बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत में मोहम्मद यूनुस हैं जो छात्र नेताओं के साथ मिले हुए हैं और सामूहिक हत्याओं में शामिल हैं। दूसरी तरफ बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को समन जारी किया है। दरअसल, सोमवार को अगरतला में बांग्लादेश मिशन पर हमला हुआ था, इस पर बांग्लादेश ने नाराजगी जताई थी। इस मामले पर आज शाम 4 बजे बांग्लादेश के विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लाह ने प्रणय वर्मा से मुलाकात की।

अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस बोले- शेख हसीना ने सब कुछ तबाह कर दिया

सुधार के बाद चुनाव कराएंगे

ढाका, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने आरोप लगाया कि शेख हसीन के शासनकाल ने सब कुछ तबाह कर दिया। यूनुस ने आश्वासन दिया कि संविधान और न्यायापालिका में सुधार के बाद ही आम चुनाव कराए जाएंगे। एक जापानी अखबार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा, चुनावों से पहले हमें अर्थव्यवस्था, शासन-प्रशासन और न्यायपालिका में सुधार की जरूरत है। यूनुस ने यह भी कहा कि भारत को शेख हसीना को तब तक प्रत्यर्पित नहीं करना चाहिए, जब तक बांग्लादेश का अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुकदमा पूरी तरह से निपट न जाए। उन्होंने कहा, 'जब मुकदमा खत्म होगा और फैसला आ जाएगा, तो हम औपचारिक रूप से भारत से उन्हें सौंपने का अनुरोध करेंगे।'

नामीबिया को 64 साल बाद मिली पहली महिला राष्ट्रपति

विंडहोक, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश नामीबिया के इतिहास में पहली बार कोई महिला राष्ट्रपति बनी है। नेतुम्बो नंदी-नदैतवाह, जो पहले देश की उपराष्ट्रपति थीं उन्हें पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है। वो स्वैपो पार्टी से हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बीते मंगलवार (3 दिसंबर) को आधिकारिक नतीजे पेश किए गए, जिसके मुताबिक स्वैपो पार्टी को 57 प्रतिशत वैध वोट मिले, जो राष्ट्रपति बनने के लिए जरूरी 50 प्रतिशत वोट बैरियर को पार कर गया। नंदी-नदैतवाह ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी पैट्रियट्स फॉर चेंज (आईपीसी) के पांडुलेनी इटुला को हराकर शानदार जीत हासिल की है, जहां इटुला को महज 26 फीसदी ही वोट मिले।

साल 1990 में नामीबिया को दक्षिण अफ्रीका से आजादी मिली थी। उस समय से नंदी-नदैतवाह लगातार राजनीति में सक्रिय रही हैं। हालांकि, इस बार उन्होंने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के बाद पार्टी को और ज्यादा मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। वहीं चुनाव में मिली हार के बाद नदैतवाह की विपक्षी पार्टी आईपीसी ने चुनावी प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाया है। उन्होंने मतपत्र की कमी और अन्य तकनीकी खराबी का आरोप लगाया, जिसके लिए लिए मतदान को तीन दिन के लिए आगे बढ़ाना पड़ा। इसको लेकर उन्होंने कोर्ट में जाने की बात कही है।

राजनीतिक विश्लेषक रक्केल एंड्रियास का बयान

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक 72 वर्षीय नंदी-नदैतवाह काफी वक्त से राजनीति में सक्रिय हैं। उन्होंने 1960 के दशक में स्वैपो पार्टी ज्वाइन की थी। इसके बाद उन्होंने विदेश मंत्री सहित कई वरिष्ठ भूमिकाएं निभाई हैं। इसको लेकर राजनीतिक विश्लेषक रक्केल एंड्रियास ने उन्हें स्वैपो का महत्वपूर्ण नेता बताया है। उन्होंने कहा कि हमें आजादी मिलने के बाद से वह किसी न किसी रूप में नेतृत्व कर रही हैं। अपनी पार्टी के कुछ सहयोगियों के विपरीत, नंदी-नदैतवाह की प्रतिष्ठा भ्रष्टाचार के आरोपों से अछूती रही है। वहीं अपनी जीत के बाद, नंदी-नदैतवाह ने कहा, नामीबियाई राष्ट्र ने शांति और स्थिरता के लिए मतदान किया है।

डीईए के लिए चुने गए क्रोनिस्टर ने अपना नाम लिया वापस

कहा- फ्लोरिडा के लोगों के लिए काफी कुछ करना है

वॉशिंगटन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) का नेतृत्व करने के लिए चुने गए चाड क्रोनिस्टर ने अपना नाम वापस ले लिया है। बता दें, क्रोनिस्टर ट्रंप के दूसरे ऐसे उम्मीदवार हैं, जिन्होंने नामांकन वापस लिया है। इससे पहले फ्लोरिडा के पूर्व प्रतिनिधि मैट गेट्ज ने अटॉर्नी जनरल के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। क्रोनिस्टर फिलहाल फ्लोरिडा के हिल्सबोरो काउंटी में बतौर शेरिफ कार्यरत हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यहां रहने वालों के लिए और काम किया जाना है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'पिछले कई दिनों में, इस बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की गंभीरता को देखते हुए मैं इस फैसले पर पहुंचा हूं कि मुझे सम्मानपूर्वक इससे पीछे हट जाना चाहिए। मैं सच में नामांकन और अमेरिकी लोगों से मिले भरपूर समर्थन की सराहना करता हूं तथा हिल्सबोरो काउंटी के शेरिफ के रूप में अपनी सेवा जारी रखने की आशा करता हूं।' फिलहाल इस पर डोनाल्ड ट्रंप की ट्रांजिशन टीम का बयान सामने नहीं आया है। बता दें, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने रविवार को डीईए का नेतृत्व करने के लिए क्रोनिस्टर के नाम का एलान किया था। उन्होंने कहा था कि वह मेक्सिको के साथ अमेरिकी सीमा पर ड्रग की तस्करी को रोकने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। डीईए न्याय विभाग का हिस्सा है और अमेरिकी ड्रग कानूनों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, क्रोनिस्टर के नामांकन को ट्रंप के समर्थकों द्वारा आलोचनात्मक नजरिए से देखा गया था, जिन्होंने 2020 में कोविड महामारी के कारण लगे लॉकडाउन का उल्लंघन करने के लिए फ्लोरिडा के एक पादरी की शेरिफ की गिरफ्तारी का हवाला दिया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, क्रोनिस्टर ने कानून प्रवर्तन में काम करते हुए तीन दशकों से अधिक समय बिताया है।

ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही देश छोड़ेंगे लिंक्डइन फाउंडर

वाशिंगटन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद की शपथ बाद लिंक्डइन के को-फाउंडर रीड हॉफमैन अमेरिका छोड़ सकते हैं। हॉफमैन को डर है कि राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बना सकते हैं। दरअसल राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हॉफमैन ने कमला हैरिस का समर्थन किया था। उन्होंने प्रचार के लिए कमला की डेमोक्रेटिक पार्टी को 10 मिलियन डॉलर (करीब 85 करोड़ रुपए) की मदद दी थी। हॉफमैन ने यहां तक कह दिया था कि वे चाहते थे कि जब ट्रम्प की हत्या की कोशिश हुई तो उन्हें मर जाना चाहिए था। ट्रम्प के खिलाफ न्यूयॉर्क मैगजीन की लेखिका ई. जीन कैरोल ने 2019 में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इस केस में भी हॉफमैन ने ट्रम्प के खिलाफ कैरोल की आर्थिक मदद की थी।

साउथ कोरिया में 6 घंटे बाद ही मार्शल लॉ खत्म

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव, शुक्रवार को वोटिंग होगी

सियोल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने देश में मार्शल लॉ लगाने का आदेश वापस ले लिया है। राष्ट्रपति ने 3 दिसंबर की शाम 7 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी, जिसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन होने लगे थे और अराजकता की स्थिति पैदा हो गई थी। इसी बीच देश की नेशनल असेंबली में मौजूद 190 सांसदों ने सर्वसम्मति से इस फैसले पलट दिया, जिसके बाद राष्ट्रपति मार्शल लॉ को हटाने का वादा किया था। 6 घंटे बाद (रात 1 बजे) ही दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ हटा दिया गया।

मार्शल लॉ के आदेश को हटाने के कुछ घंटों बाद ही दक्षिण कोरिया में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति यून सुक योल के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। साउथ कोरिया के 6 विपक्षी पार्टियों ने मिलकर बुधवार को राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया है। विपक्षी पार्टी डीपीके ने कहा कि शुक्रवार या फिर शनिवार को इस पर वोटिंग होगी।

दक्षिण कोरिया की संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए दो-तिहाई यानी कि 200 वोटों की जरूरत होती है। सत्ताधारी पार्टी के पास 108 सीटें हैं। ऐसे में जब तक सत्ताधारी पार्टी के कुछ सांसद राष्ट्रपति के खिलाफ वोटिंग नहीं करते, महाभियोग चलाना मुश्किल है। महाभियोग चलाने के बाद इस प्रस्ताव को कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा। अगर 9 में से 6 जज राष्ट्रपति के खिलाफ फैसला सुनाते हैं तभी आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। महाभियोग होने के 60 दिनों के भीतर चुनाव कराने होते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री के हाथ में राष्ट्रपति की शक्तियां होती हैं।

राष्ट्रपति योल को मार्शल लॉ लगाने की जरूरत क्यों पड़ी?

दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं। बहुमत में होने की वजह से विपक्षी डीपीके, राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में ज्यादा दखल दे रही थी, और वे अपने एजेंडे के मुताबिक काम नहीं कर पा रहे थे।

राष्ट्रपति योल ने 2022 में मामूली अंतर से चुनाव जीता था। इसके बाद से उनकी लोकप्रियता घटती चली गई। उनकी पत्नी के कई विवादों में फंसने की वजह से भी उनकी इमेज पर असर पड़ा। फिलहाल राष्ट्रपति की लोकप्रियता 17% के करीब है, जो कि देश के तमाम राष्ट्रपतियों में सबसे कम है। इन सबसे निपटने के लिए राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगा दिया। उन्होंने डीपीके पर उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति योल के मार्शल लॉ के ऐलान के बाद पूरा विपक्ष थोड़ी ही देर में संसद पहुंच गया। मार्शल लॉ कानून को हटाने के लिए संसद में 150 से ज्यादा सांसद होने चाहिए। जब तक सेना संसद पर कब्जे के लिए पहुंची पर्याप्त सांसद संसद पहुंच चुके थे और कार्यवाही शुरू हो गई थी।

हालांकि, सेना ने कार्यवाही रोकने की कोशिश की। सांसद में वोटिंग के लिए जा रहे कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। अंदर घुसने के लिए संसद की खिड़कियां तोड़नी शुरू कीं। लेकिन, जब तक जवान भीतर पहुंचते, नेशनल असेंबली के 300 में से 190 सांसदों ने राष्ट्रपति के मार्शल लॉ वाले प्रस्ताव को मतदान कर गिरा दिया। दक्षिण कोरिया के संविधान के मुताबिक अगर संसद में सांसदों का बहुमत देश में मार्शल लॉ हटाने की मांग करता है तो सरकार को इसे मानना होगा। संविधान के इसी प्रावधान का विपक्षी नेताओं को फायदा मिला और सेना को अपनी कार्यवाही रोकनी पड़ी। सेना ने तुरंत संसद को खाली कर दिया और वापस लौट गए। संसद के ऊपर हेलिकॉप्टर और सड़क पर मिलिट्री टैंक तैनात थे, उन्हें वापस जाना पड़ा।

सऊदी अरब ने किया कमाल

दुनिया में पहली बार पेश किया खजूर से बना कोला

रियाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने सॉफ्ट ड्रिंक्स की दुनिया में कमाल किया है। इस्लामिक देश में दुनिया के सामने पहली बार खजूर से बनी पहली कोल्ड ड्रिंक्स को लॉन्च किया गया है। मिलफ कोला नाम के इस शीतल पेय रियाद खजूर महोत्सव में पहली बार पेश किया गया। खजूर से बनी इस ड्रिंक्स को थुरथ-अल-मदीना नाम की कंपनी ने विकसित किया है। इस पेय को बनाने का उद्येश्य फ्रेशनेस को स्वास्थ्य से जोड़ना है। यह कोल्ड ड्रिंक्स इंडस्ट्री में स्वस्थ और अधिक टिकाऊ पेय विकल्पों की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। मिलफ कोला में मुख्य घटक उच्च गुणवत्ता वाले खजूर हैं, जो अपनी नेचुरल शुगर, फाइबर और आवश्यक खनिजों के लिए जाना जाता है। यह पेय को पारंपरिक सोडा ड्रिंक्स के सामने एक स्वस्थ विकल्प बनाता है, जिसमें अक्सर हाई शुगर कंटेंट और कम पोषण होता है। यह शीतल पेय अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करता है। पर्यावरण पर विशेष ध्यान देते हुए इसे स्थानीय रूप से खजूर को प्राप्त करके बनाया जाता है। मिलाफ कोला ने सऊदी अरब की नई आर्थिक नीति की झलक को दिखाता है, जिसमें इस्लामिक देश तेल आधारित अर्थव्यवस्था के विविधीकरण का प्रयास कर रहा है। इसमें स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना भी शामिल है। इस पेय को रियाद फेस्टिवल में उपस्थित लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल चुकी है। लोगों ने इसके प्राकृतिक मिठास और ताजा स्वाद की तारीफ की है। ड्रिंक को बनाने वाली कंपनी थुरथ-अल-मदीना अपनी प्रोडक्शन लाइन का विस्तार करने की योजना बना रही है। इसमें एनर्जी ड्रिंक्स और इनफ्यूज्ड ड्रिंक्स जैसे खजूर आधारित उत्पाद शामिल किए जाएंगे।

रूस और यूक्रेन का युद्ध पूरे यूरोप में फैल सकता है

रूस से लड़ने के लिए चुपके से ताकत बढ़ा रहा नाटो

मॉस्को, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन का युद्ध पूरे यूरोप में फैल सकता है। नाटो और उसके सदस्य देश रूस के साथ युद्ध की तैयारी कर रहे हैं। यह तीसरे विश्वयुद्ध के खतरे को बढ़ाने वाला है। रूसी सेना की ओर से आने वाले भविष्य में उसकी सीमा के करीब के देशों पर हमले की चेतावनी दी जा रही है। इस कारण यूरोप के देशों में रक्षा से जुड़े उपायों की झड़ी लग गई है। जर्मनी की विदेशी खुफिया सेवा के प्रमुख ब्रूनो कहल ने नवंबर के अंत में कहा, 'रूस पश्चिमी देशों के साथ युद्ध की तैयारी कर रहा है।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि नाटो के कारण यह एक बड़ा हमला नहीं करेगा।

नाटो पूर्ण युद्ध और गठबंधन के सदस्यों को कमजोर करने के लिए उठाए गए कदम के लिए तैयारी में जुटा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक नाटो एकजुट है या नहीं, इसका टेस्ट करने के लिए रूस के पास कई स्पष्ट तकनीकें हैं। इसमें रूस की सीमित भूमि पर कब्जा भी शामिल है। यूरोपीय संघ के रक्षा आयुक्त एंड्रियस कुबिलियस ने सितंबर में कहा था कि रक्षा मंत्री और नाटो कमांडर इस बात पर सहमत है कि पुतिन छह से आठ वर्षों में नाटो और यूरोपीय संघ के साथ टकराव के लिए तैयार हो सकते हैं।

रूस से बचने की तैयारी

नाटो के पूर्वी सदस्य, जैसे पोलैंड और बाल्टिक देश अपनी सुरक्षा को बढ़ा रहे हैं। एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया ने रूस और उसके सहयोगी बेलारूस से संभावित घुसपैठ के खिलाफ सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा जर्मनी दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान के अपने बंकरों को फिर से बेहतर बनाने में लगा है।

वह ऐसे एप तैयार कर रहा है, जिससे लोगों को हमले के दौरान करीबी बंकर के बारे में पता लग सकें। बेलारूस और रूस के कलिनिनग्राद एक्सक्लेव के साथ सीमा साझा करने वाला पोलैंड अपनी 'ईस्ट शील्ड' परियोजना में भारी निवेश कर रहा है।

यूरोपीय देश सैन्य ही नहीं नागरिक सुरक्षा प्रयासों में भी तेजी ला रहे हैं। नाटो के सबसे नए सदस्य स्वीडन और फिनलैंड ने नागरिकों की संकट की तैयारियों और युद्ध के समय जिम्मेदारी बताने के लिए पर्चे छापे हैं। लिथुआनिया में, निकासी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। नाटो के लिए एयर डिफेंस एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बनी हुई है। बाल्टिक देशों और हंगरी ने संभावित हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए नई फैसिलिटी की घोषणा की है। हालांकि इन तैयारियों में भी फूट देखी जा रही है। पूर्वी यूरोप के देश जो रूस के करीब हैं वह जितनी तेजी से तैयारी कर रहे हैं, पश्चिमी यूरोप के देश उनसे काफी पीछे हैं।

शख्स ने पत्नी के लापता होने पर गूगल पर किया कुछ ऐसा सर्च

पुलिस ने किया गिरफ्तार, राज खुला तो दंग रह गए सब

वॉशिंगटन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को अपनी लापता पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। वर्जीनिया पुलिस ने यह गिरफ्तारी उन गूगल सर्च के आधार पर की है, जो कथित हत्यारोपी पति ने की थी। दरअसल, पति ने गूगल पर सर्च किया था कि पत्नी के मरने के बाद आप कितनी जल्दी फिर से शादी कर सकते हैं। इसके अलावा, उन पर पत्नी के लापता होने पर कुछ ऐसे सामानों की खरीदारी करने का भी आरोप है, जो उन्हें संदेह के घेरे में डालते हैं। मामले में आगे जांच की जा रही है। फिलहाल, महिला का शव खोजने की कोशिश की जा रही है। वर्जीनिया में रहने वाले भारतीय मूल के 37 वर्षीय नरेश भट्ट की 28 वर्षीय पत्नी ममता काफले भट्ट पिछले करीब चार महीनों से लापता हैं। ममता नेपाल की रहने वाली थी, जिन्हें आखिरी बार 29 जुलाई को देखा गया था। इसके बाद से वे लापता हैं। अदालती दस्तावेजों के अनुसार वर्जीनिया पुलिस ने नरेश भट्ट को पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। भट्ट पर प्रिंस विलियम कंट्री सर्किट क्रिमिनल डिविजन ने दो आरोप लगाए गए हैं। वर्जीनिया ग्रैंड ज्यूरी ने मानासस पार्क इलाका निवासी भट्ट के खिलाफ उनकी पत्नी की हत्या और शव को गायब करने के आरोप तय किए हैं। ये आरोप अधिकारियों द्वारा ममता के लापता होने से कुछ सप्ताह पहले भट्ट की गूगल सर्च हिस्ट्री में संदिग्ध सर्च किए जाने और संदिग्ध सामानों की खरीदारी करने को सबूत के तौर पर पेश किया है। बता दें, दंपती के मानसस स्थित घर में मिला खून भी महिला का ही है,जिसकी पुलिस ने पुष्टि की है। ममता के लापता होने की खबर भट्ट ने प्रशासन को नहीं दी थी। ममता को आखिरी बार 29 जुलाई को देखा गया था, लेकिन उन्हें पांच अगस्त को तब लापता घोषित किया गया।

भारतीय नौसेना ने 4 दिसंबर के दिन छुड़ा दिए थे पाकिस्तान के छक्के

कई दिनों तक जलता रहा था कराची

इस्लामाबाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। आज 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना 'नेवी डे' पर अपने गर्वीले इतिहास को याद कर रही है। वहीं, पड़ोसी पाकिस्तान के लिए हर साल यह दिन उस घटना की याद दिलाता है जो उसके लिए शर्मिंदगी की वजह बनी थी। 1971 में आज ही दिन भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर हमला करके उसे बर्बाद कर दिया था। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में मुक्ति संग्राम के दौरान भारतीय नौसेना एक महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभरी थी। भारत की नौसेना ने दो थियेटरों (पूर्वी और पश्चिमी) में काम किया और पूर्वी व पश्चिमी पाकिस्तान की कड़ी को तोड़ दिया। आइए वो कहानी जानते हैं।

साल 1971 की 3 दिसम्बर को पाकिस्तान की वायु सेना ने भारतीय वायु सेना के 9 ठिकानों पर हमले किए। तत्कालीनी प्रधानमंत्री इंदिरया गांधी ने इन हमलों को सीधे युद्ध की घोषणा कहा। उसी रात भारतीय वायु सेना ने जवाबी हमलों के साथ पाकिस्तान को जवाब दिया। लेकिन असली कहानी अभी बाकी थी, जिसकी पटकथा भारतीय नौसेना लिख रही थी और वर्षों से इसकी तैयारी कर रही थी।

पाकिस्तान द्वारा हवाई हमलों के बाद भारत की पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) को 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के लिए आदेश भेजे गए। वाइस एडमिरल एसएन कोहली (बाद में एडमिरल) पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर सी-इन-सी थे। मुंबई और ओखा में नौसेना के बेड़े को भेजने के आदेश दिए गए थे। भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर हमला करने की योजना बनाई, जिसमें ऑपरेशन ट्राइटेंड नाम दिया गया। हमले के लिए 'कराची स्ट्राइक ग्रुप' बनाया गया, जिसे 'किलर स्क्वॉड्रन' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें दो पेट्या-क्लास जहाज कटचल और किल्टन, तीन मिसाइल बोट आईएएनएस निर्घात, निपात और वीर शामिल थे। कवर प्रदान करने के लिए द्वारका बंदरगाह पर एक मिसाइल बोट तैयार की गई थी। मिसाइल बोट में चार रूसी स्टाइक्स सरफेस-टू-सरफेस मिसाइलें लगी हुई थीं। कराची पोर्ट पर हमले की योजना 3 दिसम्बर को ही थी, लेकिन पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद उसी दिन ऑपरेशन लॉन्च करना मुश्किल भरा था।

जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर 20 साल बाद आया सामने

भारत के खिलाफ उगला जहर, पाकिस्तान में बना रहा आतंकी सेना

इस्लामाबाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में आतंकी हमलों में वांटेड चल रहा आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर दो दशक में पहली बार सामने आया है। अजहर ने जैश-ए-मोहम्मद के कैडर को संबोधित किया है। आतंकी संगठन से जुड़े एक डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसकी जानकारी दी। मसूद अजहर ने पाकिस्तान के अंदर दिए गए अपने ताजा संबोधन में भारत और इजरायल के खिलाफ नए सिरे से जिहादी अभियान शुरू करने की बात कही है। द प्रिंट की रिपोर्ट के अनुसार, अजहर ने आतंकी संगठन के कैडर को दुनिया में इस्लाम का शासन लाने के लिए जिहाद में साथ देने को कहा। जैश-ए-मोहम्मद ने यह नहीं बताया कि आतंकी सरगना ने अपना भाषण किस तारीख और कहां पर दिया था। हालांकि जैश से जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने समय-समय पर मसूद अजहar के पुराने भाषण जारी किए हैं, लेकिन यह पहला ऐसा भाषण है जो निश्चित रूप से नया है, क्योंकि इसमें गाजा युद्ध का जिक्र किया गया है। भारत के खुफिया अधिकारी के हवाले से द प्रिंट से बताया कि आतंकी सरगना का यह संबोधन संभवतछ पिछले महीने के आखिर में पाकिस्तान के बहावलपुर के बाहर 1000 एकड़ में फैले उम्म-उल-कुरा मदरसा और मस्जिद परिसर में हुआ था। इमारत में प्रशासनिक ब्लॉक और कई आवासीय ब्लॉक शामिल हैं। अपने भाषण में अजहर पर आतंकवादी समूह में शामिल होने के लिए अपील करता है तो बार-बार तालियां बजती हैं। मसूद अजहर अपने संबोधन में बार-बार चिल्लाता है कि 'भारत, तुम्हारी मौत आ रही है।' साल 2022 में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने घोषणा की थी कि मसूद अजहर अफगानिस्तान भाग गया है। यह घोषणा तब की गई थी, जब पाकिस्तान एफएटीएफ की आतंकी वित्त निगरानी सूची से अपना नाम निकालने में सफल हुआ था। साल 2003 में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकी समूह ने पाकिस्तान के पूर्व सैन्य शासक जनरल परवेज मुशर्रफ की हत्या की कोशिश की थी।

किरोड़ी-सरकार आमने-सामने

राइजिंग राजस्थान में गड़बड़ी के आरोप पर गुस्साए मीणा, पहुंचे गृह राज्य मंत्री के घर

जयपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट से पहले बड़ा घमसान छिड़ गया है। मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी ही सरकार पर जासूसी का आरोप लगा दिया। उन्होंने ये आरोप गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम के सरकारी आवास पर पहुंचकर एक प्रेस कांफ्रेंस कर लगाए हैं।

मंत्री किरोड़ी मीणा ने आज सुबह प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि इंटेलीजेंस की तरफ से सरकार को यह रिपोर्ट भेजी गई है कि मैं राजस्थान की इनवेस्टमेंट समिट में विघ्न डालना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि यह बड़ा शर्मनाक है। किरोड़ी बोले कि क्या एक मंत्री होकर मैं ऐसा करूंगा।

उन्होंने आगे कहा कि मैं बीजपी का समर्पित कार्यकर्ता हूं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मैंने एक 92 वर्षीय बुजुर्ग एनआरआई निवेशक को एसीबी लेकर गया था। उनके एसीबी में तीन प्रकरण दर्ज हैं और हाईकोर्ट ने भी कहा था कि इस पर कार्रवाई करो, लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही। किरोड़ी ने कहा कि मैं उन्हें एसीबी दफ्तर जरूर लेकर गया था, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं मानी और वहां धरने पर बैठ गए।

इन सबको लेकर सरकार के पास यह फीडबैक पहुंचा है कि यह सब किरोड़ी लाल मीणा करवा रहे हैं। यह भी कहा गया है कि डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के भाई चुनाव हार गए, इसलिए फ्रस्टेशन में हैं, लेकिन मैं चुनाव हारा जादा हूं, जीता कम हूं, इन सबसे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

दरअसल हुआ यूं था कि राजस्थान में सब इंस्पेक्टर भर्ती को रद्द करने की मांग कर रहे छात्रों को देर रात जयपुर में महेश नगर थाना पुलिस ने घर जाकर उठा लिया। पुलिस उन छात्रों को थाने ले जाने देर रात उनके घर पहुंच गई, जो लंबे समय से एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करवाने की मांग कर रहे हैं। जब सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ लाल मीणा को इसकी जानकारी मिली तो वे मौके पर ही पहुंचकर पुलिस से भिड़ गए। इसी सिलसिले में वो सुबह गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम के सरकारी आवास पर पहुंचे थे।

इधर राजस्थान हाईकोर्ट ने भी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार से पूछा है कि एसआई भर्ती पर सरकार का स्टैंड क्या है। सरकार ने कोर्ट से जवाब देने के लिए 4 सप्ताह का समय मांगा था, लेकिन कोर्ट ने इस मामले में यथास्थिति का आदेश पारित करते हुए 10 दिसंबर का समय दिया है। एसआई भर्ती परीक्षा के मामले में जांच एजेंसी एसओजी अब तक 50 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और नकल गिरोह के 30 अन्य लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

2 हैंडपंपों' के बाद अब 'पशु चिकित्सालय'

क्या रविंद्र सिंह को फिर चिढ़ा रहे बाड़मेर बीजेपी अध्यक्ष?

बाड़मेर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा में 'दो हैंडपंप' के विवाद के बाद एक नया विवाद उपजा है। 'पशु चिकित्सालय' के क्रमोन्नत को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष स्वरूप सिंह खारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि शिव में मेरी अनुशंसा पर पशु उपकेंद्र और पशु चिकित्सालय को क्रमोन्नत किया गया है। जबकि यहां से विधायक रविंद्र सिंह भाटी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि स्वरूप सिंह खारा कहीं न कहीं निर्दलीय विधायक को भाजपा सरकार होने का एहसास करवाया है। इससे पहले भी भजनलाल सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले भाटी के कोटे से 2 और स्वरूप सिंह के कोटे से 20 हैंडपंप आवंटित किए थे।

2 हैंडपंप की कहानी

बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले 14 मार्च को जलदाय विभाग ने स्वीकृत हैंडपंपों की एक लिस्ट जारी की थी। जिसमें निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी को 2 तो वहीं भाजपा प्रत्याशी रहे स्वरूप सिंह खारा को 22 हैंडपंप स्वीकृत किए गए थे। जिसके बाद रविंद्र सिंह भाटी ने बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा। हालांकि कांग्रेस के उम्मेदाराम बेनीवाल ने जीत दर्ज की। भाजपा के प्रत्याशी रहे कैलाश चौधरी चुनाव हार गए।

भागवत के 3 बच्चे वाले बयान से इतर यूडीएच मंत्री ने दिया विवादित बयान

निकाय चुनाव पर भी कही बड़ी बात

सीकर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चे पैदा करने के बयान से इतर प्रदेश के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने विवादित बयान दिया है। निजी कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री ने प्रेसवार्ता में दो बच्चों की ही वकालत करते हुए इससे ज्यादा बच्चे होने पर माता-पिता की सरकारी सुविधाएं बंद करने की बात कही है।

भजनलाल सरकार के मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि उनका मानना है दो से ज्यादा बच्चे किसी के हैं तो उसकी सभी सरकारी सुविधाएं बन्द करनी चाहिए। संघ प्रमुख के बयान को लेकर सवाल पूछा तो भी उन्होंने कहा कि उनके बयान का अर्थ एक समाज की जनसंख्या कम होने से देश में असंतुलन की स्थिति पैदा होना है।

निकाय चुनाव पर कहीं ये बड़ी बात

निकाय चुनाव के सवाल पर मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हमारा प्रयास एक साथ चुनाव करवाने का है। इसके लिए प्रयास कर रहे है।

कार्यक्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री व किसान आयोग के अध्यक्ष रहे महादेव सिंह खण्डेला ने कहा कि हमे एक दूसरे सहायता करनी चाहिए। चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक नवाचार किए गए थे। इस दौरान मंच पर कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

भीषण सड़क हादसा, दो कारों की भिड़ंत में 5 लोगों की मौत, 2 घायल

चूरू, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सरदारशहर। राजस्थान के चूरू जिले में बुकनसर के पास मेगा हाइवे पर देर रात करीब ढाई बजे कैंटर और एक कार की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। दर्दनाक सड़क हादसे में टाटा सफारी गाड़ी में सवार 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, टाटा सफारी गाड़ी में सवार 1 और एक कैंटर चालक सहित 2 घायलों का उपचार जारी है। सूचना मिलते ही सरदारशहर पुलिस थाना के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे ओर घायलों को पुलिस की गाड़ियों में डालकर राजकीय अस्पताल लेकर पहुंचे।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टाटा सफारी गाड़ी में सवार दो जने गाड़ी में फंस गए, जिन्हें निकालने के लिए करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सड़क हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर क्रेन को बुलवाकर कैंटर को अलग करवाया, लेकिन टाटा सफारी गाड़ी इतनी क्षतिग्रस्त हो गई कि गाड़ी सवार दो जनों को निकालने के लिए पुलिस कर्मियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

उपचार के लिए ले जाते समय एक युवक ने तोड़ा दम

वही, कुछ पुलिसकर्मी राजकीय अस्पताल पहुंचे और गंभीर रूप से घायल टाटा सफारी गाड़ी में सवार दो जनों का राजकीय अस्पताल में उपचार करवा कर हायर सेंटर बीकानेर के लिए रेफर करवाया। जहां बीच रास्ते में एक की मौत हो गई। वहीं, घायल कैंटर चालक का राजकीय अस्पताल में उपचार जारी है। टाटा सफारी गाड़ी में सवार सभी लोग अलग-अलग जगह के हैं और एक ही जाति के हैं।

दोनों वाहनों में आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर

टाटा सफारी गाड़ी में सवार सभी लोग सरदारशहर से हनुमानगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बुकनसर फांटा के पास हनुमानगढ़ के ओर से आ रहे केंटर से आमने-सामने से जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर थानाधिकारी अरविंद कुमार भारद्वाज और डीएसपी रामेश्वर लाल भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

इन लोगों की मौत

टाटा सफारी गाड़ी में सवार राणासर बिकान निवासी 26 वर्षीय कमलेश पुत्र भंवरलाल भार्गव, डूंगरगढ़ के रीड़ी निवासी 23 वर्षीय नंदलाल पुत्र किशन लाल भार्गव, 25 वर्षीय राकेश पुत्र लालाराम भार्गव, राजासर बिकान निवासी 33 वर्षीय पवन पुत्र रतनलाल भार्गव, ओर सीकर निवासी धनराज की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल डूंगरगढ़ के रिड़ी निवासी रामलाल पुत्र गिरधारी लाल भार्गव का बीकानेर में उपचार जारी है। चार मृतको के शवों को सरदारशहर के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है वहीं, धनराज के शव को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

रेप पीड़िता को जान को खतरा, गर्भपात की अनुमति नहीं

हाईकोर्ट ने कहा-पीड़िताओं को अधिकार नहीं बताएं जाते, मजबूरी में बच्चे को जन्म देना पड़ता है

जयपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने रेप पीड़िताओं के मामले में कहा है कि उन्हें उनके अधिकारों के बारे में नहीं बताया जाता हैं। इसके चलते उन्हें मजबूरी में बच्चे को जन्म देना पड़ता है। ऐसे में अब अदालत इस मामले में विस्तृत दिशा निर्देश जारी करेगी।

यह टिप्पणी एक नाबालिग रेप पीड़िता के गर्भपात की अपील पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने की। अदालत ने कहा कि इस मामले में नाबालिग पीड़िता 31 सप्ताह की गर्भवती है। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार अगर उसे गर्भपात की अनुमति दी जाती है तो उसे और बच्चे को जान खतरा है।

ऐसे में उसकी अपील को खारिज किया जाता है लेकिन अदालत इस तरह के मामलों में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करना चाहती है। इसलिए गर्भपात के मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेकर अदालत इस मुद्दे पर सुनवाई करेगी।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अदालत में गर्भपात की अनुमति के लिए बड़ी संख्या में याचिकाएं दायर होती हैं। चाहे वह बालिग हो या नाबालिग। अधिकतर महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है। खासतौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार नाबालिग बच्चियों को पुलिस और संबंधित एजेंसी उनके अधिकार के बारे में नहीं बताती हैं। जिसके चलते उन्हें ना चाहते हुए भी मजबूरी में बच्चे को जन्म देना पड़ता हैं।

अदालत ने कहा कि दी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971 में साफ कहा गया है कि 24 हफ्ते की प्रेग्नेंसी से पहले गर्भपात के लिए अदालत की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

सांवलियाजी के खजाने को देख हर कोई हैरान

इस बार टूटे सभी रिकॉर्ड

चित्तौड़गढ़, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के प्रख्यात कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंदिर में खोले गए भंडार से चढ़ावा राशि का एक नया रिकॉर्ड बना है। इस बार दो महीने में खोले भंडार के तीन चरण की गणना पूरी हो चुकी है और 19 करोड़ 22 लाख रुपये गिने जा चुके हैं।

सांवलिया सेठ मंदिर में गिनती करते हुए - फोटो : अमर उजाला

वहीं, गत वर्ष इसी अमावस्या पर करीब 13 करोड़ 86 लाख रुपये का चढ़ावा राशि निकली थी। इस बार तीन दिन और चढ़ावा राशि की गणना की जानी है। ऐसे में अब तक का हाईएस्ट रिकॉर्ड बन जाएगा। श्री सांवलियाजी मंदिर में अब चढ़ावा राशि की गणना का चौथा चरण बुधवार सुबह से होगा।

जानकारी में सामने आया कि श्री सांवलियाजी मंदिर में दीपावली वाली अमावस्या पर भंडार नहीं खोला जाता है। ऐसे में अगली अमावस्या पर दो महीने का भंडार खुलता है। श्री सांवलियाजी मंदिर में 30 नवंबर को चतुर्दशी के अवसर पर भंडार खोला गया था। इसमें पहले दिन 11 करोड़ 34 लाख 75 हजार रुपये की गणना हुई। इसके बाद अमावस्या पर आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण चढ़ावा राशि की गणना नहीं की गई थी।

वहीं, दूसरे चरण में सोमवार को तीन करोड़ 60 लाख रुपये की गणना हुई। इसी प्रकार शेष रही चढ़ावे राशि की गणना तीसरे चरण में हुई। इसमें चार करोड़ 27 लाख 80 हजार रुपये की गणना की गई। शाम होने के बाद चढ़ावा राशि की गणना को रोक दिया गया। ऐसे में तीन चरण में हुई गणना में अब तक 19 करोड़ 22 लाख 55 हजार रुपये प्राप्त हुए हैं। मंदिर प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, गत वर्ष दीपावली के बाद वाली इसी अमावस्या पर जो भंडार खोला गया था। उसमें करीब 13 करोड़ 86 लाख रुपये की चढ़ावा राशि ही प्राप्त हुई थी। भंडार से नकद चढ़ावे की बात की जाए तो सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड करीब 15 करोड़ का है।

कॉलेज और यूनिवर्सिटी के पास नशा बेचने आई युवती

एनसीबी की टीम ने पकड़ा, छह लाख कीमत की एमटी ड्रग बरामद

जयपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। नार्को-फ्री कैंपस पहल और नशे के खिलाफ चल रही निर्णायक लड़ाई के तहत, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), जयपुर ज़ोनल यूनिट ने हाल में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में ड्रग्स की सप्लाई करने वाली एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। एनसीबी के ज़ोनल निदेशक घनश्याम सोनी ने बताया कि यह एक सटीक जानकारी के आधार पर पिछले दिनों यह कार्रवाई की गई। इसमें महिला तस्कर को 123.8 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) के साथ हिरासत में लिया गया।

यह कार्रवाई मणिपाल यूनिवर्सिटी, दहमी कलां के आसपास के क्षेत्र में की गई, जो हाल के समय में अवैध नशीले पदार्थों की गतिविधियों का केंद्र बन गया था। गिरफ्तार महिला कविता गुर्जर को छोटे-छोटे पाउच में पैक किए गए मेफेड्रोन (एमडी) के साथ पकड़ा गया, जिसे यूनिवर्सिटी कैंपस के आसपास वितरित करने की योजना थी। जब्त नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग छह लाख रुपये है।

एनसीबी ने खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की, जिसमें मणिपाल यूनिवर्सिटी और उसके आसपास मेफेड्रोन (एमडी) की तस्करी और बिक्री की सूचना मिली थी। संदिग्ध महिला की गतिविधियों पर कई दिनों तक पैनी निगरानी रखी गई। इस खुफिया जानकारी के आधार पर, एक दिसंबर 2024 की मध्यरात्रि को एक योजनाबद्ध और सटीक ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। छापेमारी के दौरान, संदिग्ध महिला को पकड़ा गया और उसके पास से प्रतिबंधित पदार्थ की जब्ती की गई। इस ऑपरेशन में बगरू पुलिस थाने के स्थानीय पुलिसकर्मियों ने भी सहयोग किया और छापेमारी के दौरान सुरक्षा और लॉजिस्टिक प्रदान किया।

एनसीबी जयपुर ज़ोनल यूनिट ने अपराध संख्या 09/2024 दिनांक 30 नवंबर 2024 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी महिला के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की गहन जांच जारी है, जिसमें ड्रग सप्लाई चेन का पता लगाना और इस नेटवर्क में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करना शामिल हैं। गिरफ्तार महिला तस्कर का नाम कविता गुर्जर है, जो गुर्जरों के मोहल्ला, दहमी कलां जयपुर की रहने वाली है।

'मैं मजबूरन फांसी लगा रहा', धमकियों के डर से की आत्महत्या, सुसाइड नोट में खुले राज

जयपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। झालवाड़ में एक पत्नी ने अपने पति को फंसाने के लिए पहले अपने बच्चे को मारा, फिर खुद ने फांसी लगा ली। इसके बाद पति ने अपने ससुराल वालों के डर से अपने बड़े बेटे सहित खुद को भी फांसी के फंदे पर लटका लिया। यह दिल दहलाने वाली घटना झालवाड़ में सामने आई। एक परिवार के चार लोगों की मौत से गांव में मातम पसर गया। हालांकि घटनास्थल से बरामद सुसाइड नोट ने एक राज खोला है। ये नोट मृतक नागूसिंह ने फांसी लगाने से ठीक पहले लिखा।

पत्र में क्या लिखा

इसमें उन्होंने लिखा...जब मैं उठा तो देखा मेरी पत्नी ने छोटे बेटे को मार कर फांसी लगा ली। मैं भी फांसी लगाने को मजबूर हूं, क्योंकि मेरे बीच इस बारे में बात हुई थी। उसके माता-पिता और बेडला के गोवर्धन सिंह ने यह बात कही थी कि हमारी लड़की को कुछ हो गया तो तुम दोनों बाप-बेटे को जिंदा जला देंगे। इसकी गवाही रामसिंह पदमाखेड़ी और गोवर्धन सिंह बेडला और मेरे गांव का दशरथ सिंह, भैरूसिंह देगा। इसी बात का डर था।

फांसी के फंदे पर तीन शव मिले और सात साल के बच्चे का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि सबसे पहले अपने 2 वर्षीय बालक का गला घोंटा, उसके बाद दंपती नागु सिंह एवं उसकी पत्नी संतोष और एक 7 वर्षीय बालक युवराज ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

मामला पारिवारिक विवाद का ही माना जा रहा था। अब सुसाइड नोट में इसका खुलासा भी हो गया। पुलिस अधीक्षक रिचा तोमर ने बताया कि गंगधार थाना क्षेत्र के जेताखेड़ी गांव निवासी नाथू सिंह पुत्र शिव सिंह उसकी पत्नी संतोष और एक 7 वर्षीय बालक युवराज एवं 2 वर्षीय बालक, एक साथ रहते थे।

इनकी पैतृक जमीन को लेकर परिवार में ही विवाद चल रहा था। इसी गृह क्लेश के चलते नाथू सिंह उसकी पत्नी संतोष एवं 7 वर्षीय बालक युवराज ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मरने पहले इन्होंने दो वर्षीय बालक का भी गला घोंट कर मौत के घाट उतार दिया।

भैंस किसकी, सबूत के लिए उसके बच्चों को थाने बुलाया

जोधपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर थाने में तीन दिन तक 3 भैंस बंधी रही। जब एक व्यक्ति ने ये दावा किया कि ये भैंस उसकी है तो पुलिस ने भैंस के बच्चों को थाने में लाने का कहा। मालिक ने ये शर्त भी पुलिस की मान ली और भैंस के बच्चों को लेकर थाने पहुंचा। जब इन्होंने भैंस का दूध पीना शुरू किया तो पुलिस को विश्वास हो गया कि ये भैंस दावा करने वाले व्यक्ति की है। ये अनूठा मामला है जोधपुर कमिश्नरेट के बनाड़ थाने का। मामला 30 नवंबर का है। पुलिस ने देर रात उदयमंदिर निवासी मोहम्मद शरीफ की गाड़ी से तीन भैंसों को पकड़ा था। हालांकि इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई है लेकिन पुलिस ने भैंस मालिक को पाबंद कर भैंसों को सौंप दिया है।

बनाड़ थाना एएसआई सुभाष विश्नोई ने बताया कि 30 नवंबर को वे बनाड़ हाईवे पर रात को टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान मोहम्मद शरीफ तीन भैंसों को गाड़ी में ले जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को शक होने पर उसे रोककर इन भैंसों के बारे में पूछा लेकिन वह जवाब नहीं दे पाया। इस पर टीम तीनों भैंसों को थाने लेकर आ गई और वहां बांध दिया। मोहम्मद शरीफ को अगले दिन नाम, पते और अन्य डॉक्युमेंट लेकर अगले दिन थाने में बुलाया। दोपहर तक जब कोई नहीं आया तो पुलिस ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस वीडियो में पुलिस ने बताया कि थाने में ये तीन भैंस बंधी हुई है, जिसकी भी है वह इसे ले जाए। लेकिन, रविवार को पूरे दिन कोई भी इन भैंसों को लेने कोई नहीं आया। 2 दिसंबर सोमवार को मोहम्मद शरीफ थाने पहुंचा और खुद की भैंस होने का दावा करने लगा। इस पर पुलिस को ही थोड़ा शक हुआ कि जिसकी गाड़ी से भैंस पकड़ी वह अब कैसे मालिकाना हक जता रहा है।

बनाड़ थाने के सीआई प्रेमदान रतनू ने बताया कि मोहम्मद शरीफ का कहना था- उसका उदयमंदिर के गुजरावास में बाड़ा बना हुआ है। उसकी भैंस के बच्चे उसके घर पर बंधे हुए है।

4 करोड़ का गांजा तस्कर पकड़ा: आईआईटी-लॉ यूनिवर्सिटी में सप्लाई करता था

जोधपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। एनसीबी ने राजस्थान में 4.30 करोड़ की गांजे की खेप मंगाने वाले तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। इस खेप को ओडिशा से जोधपुर पहुंचाने के लिए तस्कर ने 3 आरोपियों से 8 लाख में डील की थी। ओडिशा से नशे की खेप लेकर आ रही पिकअप को काले रंग की स्कॉर्पियो एस्कॉर्ट करते हुए चलती थी। वह इस नशे को जोधपुर के बड़े कॉलेजों और युवाओं को सप्लाई करने वाला था।

एनसीबी के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया-एनसीबीइस मामले में पहले 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। 3 दिसंबर की रात एनसीबी के हाथ लगा सरगना मेहाराम बिश्नोई करवड़ थाना क्षेत्र, विनायपुरा का निवासी है। जांच में जोधपुर में ओडिशा से आ रही नशे की खेप को लेकर बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

NCB के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया- प्रारंभिक पूछताछ में मालूम चला है कि मेहाराम 2004 से गांजे की तस्करी में लिप्त है। इसी ने ओडिशा से गांजे की खेप मंगाने के लिए लाखों रुपयों का बंदोबस्त किया था।

मेहाराम ने इसे लाने के लिए 8 लाख से अधिक की राशि गांजे की सप्लाई के लिए लगाई थी। उसने तस्कर राकेश साई और बलदेव को पैसा दिया था। राकेश साई और बलदेव ओडिसा से गांजा लेकर जोधपुर आए थे।

यह दोनों पहले से ही एनसीबी की गिरफ्त में हैं। मेहाराम इस नशे की खेप को जोधपुर में नागौर रोड पर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी , इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी , फुटवियर डिजाइन और विकास संस्थान जोधपुर में स्टूडेंट्स को बेचता था।

पिकअप में मिली थी करोड़ों की ड्रग्स

एनसीबी जोधपुर की टीम ने इसी साल 24 मई को फिटकासनी (जोधपुर) स्थित गोरा होटल के पास एक महिंद्रा पिकअप वाहन को रोका। तलाशी के दौरान वाहन से 71 पैकेट गांजा बरामद किया था। इसके बाद की कार्रवाई में 99 अतिरिक्त पैकेट भी जब्त किए गए। इस प्रकार कुल 865 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 4.30 करोड़ आंकी गई। इस कार्रवाई में पिकअप ड्राइवर अनिल कुमार निवासी बिश्नोइयों की ढाणी मोगड़ा कला जोधपुर को गिरफ्तार किया था।

स्कॉर्पियो एस्कॉर्ट करती थी

ड्राइवर ने पूछताछ में बताया- उसके आगे एस्कॉर्ट करने के लिए एक स्कॉर्पियो भी चलती थी। इसके बाद एनसीबी की टीम ने 100 से अधिक चेक पॉइंट्स पर इस काले रंग की स्कॉर्पियो को सीसीटीवी फुटेज से इसकी नंबर प्लेट (आरजे-19-यूसी-2642) के आधार पर जोधपुर से गुमान सिंह (33) पुत्र अशोक गहलोत, निवासी हनुमान बास चौखा व नरेंद्र सिंह (34) पुत्र सुमेर सिंह निवासी बासनी सेजा को गिरफ्तार किया।

सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार करने वालों का भविष्य अंधकारमय : रेवंत रेड्डी

सीएम ने ग्रुप-4 में चयनित 8,084 लोगों नियुक्ति पत्र दिया

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली युवा विकासम सभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हमें ग्रुप-4 में चयनित 8,084 लोगों को युवा विकासम मंच पर नियुक्ति पत्र जारी करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि जब भी आप करीमनगर की धरती पर कदम रखेंगे, आपको सोनियाम्मा याद आएंगी, जिन्होंने आपको विश्वास दिलाया कि यदि आप एक शब्द देंगे, तो आप उसे निभाएंगे। तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए सोनियाम्मा ने तेलंगाना के सपने को साकार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केसीआर ने हमारे नेताओं को जेल में डाल दिया अगर उन्होंने पेददापल्ली किसानों के लिए लड़ाई लड़ी। हमें उन परियोजनाओं को पूरा करने का मौका मिला जिनके लिए हमने उस दिन संघर्ष किया था। यदि 1035 करोड़ रुपये में परियोजनाएं पूरी हो रही हैं तो यह लोक प्रशासन के कारण हैअगर हम राज्य के विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कुछ लोग सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं कि उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। आइए इन दस दिनों में हमारे दस महीने के शासन के खिलाफ वे जो जहरीला अभियान चला रहे हैं उसे पलट दे। उन्होंने कहा कि 33 जिलों में से पेद्दापल्ली जिले को 2 लाख एकड़ में लघु धान उगाने का गौरव प्राप्त है। 95 प्रतिशत किसानों को उनके खाते में बोनस का पैसा मिल चुका है। नौकरियों के लिए तेलंगाना आंदोलन शुरू हुआ था। तेलंगाना सरकार ने एक साल में बेरोजगारों को 55,143 नौकरियां देकर देश में रिकॉर्ड बनाया है। किशन रेड्डी, बंडी संजय को चुनौती देते हुए कहा कि 25 साल में क्या मोदी ने पहले साल में गुजरात में 55 हजार नौकरियाँ दीं...?

हम चर्चा के लिए तैयार हैं ठेकेदारों के 1 लाख दो हजार करोड़ के पत्र मंजूर हुए। कांग्रेस द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट कैसे हैं.. आपके द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट कैसे हैं आइए हिसाब लगाएं। कालेश्वरम से पानी की एक बूंद भी नहीं गिरने पर भी तेलंगाना ने 1 करोड़ 50 लाख मीट्रिक टन धान उगाकर देश में रिकॉर्ड बनाया है। 25 लाख किसानों की कर्जमाफी के लिए 21 हजार करोड़ रुपये जारी करने का हमारा इतिहास है। इंदिराम्मा राज्य में स्वयं सहायता समितियों को पुनर्जीवित किया गया है। हम करोड़ों लड़कियों को करोड़पति बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जब तक बच्चियां करोड़पति न बन जाएं, चैन नहीं है। केसीआर के शासनकाल में विश्वविद्यालयों को कमजोर किया गया।

जब हम सत्ता में आए तो हमने विश्वविद्यालयों को मजबूत किया। सातवाहन विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग और लॉ कॉलेज की मांग पर सरकार कदम उठाएगी। कम से कम तेलंगाना दस साल से बंदिशों के बीच फंसा हुआ है जो मुद्दों पर बैठ नहीं सका। उन्होंने कहा कि जब हम सत्ता में आए तो हमने इंदिरा पार्क में धरना चौक पर धरना देना संभव बनाया। हमारे पीसीसी अध्यक्ष उनकी समस्याओं से अवगत हैं और उन्हें सरकार के ध्यान में ला रहे हैं। दस साल में छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए आहार और कॉस्मेटिक शुल्क नहीं बढ़ाया गया है। लेकिन हमारी सरकार आते ही हमने छात्रों की डाइट और फीस बढ़ा दी।हमने एक साल के भीतर 55,000 नौकरियाँ पूरी कीं और बेरोज़गारी आत्महत्याएँ दोबारा नहीं हुईं। कोई एक दिन में चमत्कार नहीं करता है लोगों ने हमें पांच साल दिये। दस महीने से भी वो कह रहे हैं कि वो परेशान हो रहे हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वो दुखी क्यों हैं। दस साल तक सीएम और केंद्रीय मंत्री के रूप में काम करने के अनुभव के साथ केसीआर को आगे आकर सुझाव देना चाहिए। विधानसभा में आएं और सुझाव दें।

प्रति एकड़ करोड़ों कमाने का अपना अनुभव लोगों को बताएं। केसीआर, केटीआर, हरीश, संतोष जाति जनगणना में भाग क्यों नहीं ले रहे हैं? क्या आप बीसी विरोधी हैं। बीसी को उनका उचित हिस्सा नहीं देना चाहते? बीसी समुदाय सोचते हैं। जाति जनगणना में भाग न लेने वालों का सामाजिक बहिष्कार करें।

तेलुगु तल्ली प्रतिमा के डिजाइन में बदलाव के खिलाफ केटीआर ने दी चेतावनी

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने 9 दिसंबर को राज्य सचिवालय में स्थापित की जाने वाली तेलुगु तल्ली प्रतिमा के डिजाइन में बदलाव के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को डिजाइन में कोई भी बदलाव करने के खिलाफ चेतावनी दी, जो तेलंगाना के लोगों के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक मूल्य रखता है।

बुधवार को तेलंगाना भवन में दीक्षा दिवस समारोह के तहत एक पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए , रामा राव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भाजपा को सत्ता में लाने के बावजूद इंदिरा गांधी द्वारा अनावरण किए गए भारत मठ के डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया। इसी तरह, तेलुगु तल्ली और कन्नड़ मठ के डिजाइन राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव के बावजूद अपरिवर्तित रहे हैं।

निजी कर्मचारी को जालसाजों ने क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी में ठगा

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 32 वर्षीय व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने 1.7 लाख रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने उसे आरबीएल क्रेडिट कार्ड से रिवॉर्ड मिलने का झांसा दिया। जानकारी के अनुसार, पीड़ित, जो एक निजी कर्मचारी है, को हाल ही में उसके मोबाइल फोन पर एक टेक्स्ट मैसेज मिला, जिसके बाद एक लिंक आया। उसे लगा कि यह उसके आरबीएल क्रेडिट कार्ड से मिलने वाला रिवॉर्ड नोटिफिकेशन है, इसलिए उसने लिंक खोला और सभी जरूरी जानकारी भर दी। जैसे ही उन्होंने विवरण प्रस्तुत किया, कुछ ही मिनटों में उनके क्रेडिट कार्ड से 1,77,580 रुपये की धोखाधड़ी वाले लेनदेन हो गए।

ठगे जाने का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही, उसने तुरंत आरबीएल क्रेडिट कार्ड अधिकारियों को भी सूचित किया, जिन्होंने इस कार्ड को ब्लॉक कर दिया।

सरकार की जल पर्यटन, साहसिक खेलों को प्रोत्साहित करने की योजना : जुपल्ली

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में जल पर्यटन और साहसिक खेलों को नया आकार देने के लिए कार्य योजना बना रही है। मंत्री ने बुधवार को जल पर्यटन के विकास के हिस्से के रूप में हुसैन सागर में अमरावती बोटिंग क्लब द्वारा स्थापित जल क्रीड़ा सुविधा का उद्घाटन किया। बाद में, जुपल्ली ने टीजीटीडीसी के अध्यक्ष पटेल रमेश रेड्डी के साथ हुसैन सागर झील में सैर की। इस अवसर पर बोलते हुए जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य में खूबसूरत पर्यटन स्थलों, प्राचीन और ऐतिहासिक स्थलों के साथ-साथ मंदिर पर्यटन, जल और साहसिक खेल पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। "हाल के दिनों में जल क्रीड़ाओं ने काफी लोकप्रियता हासिल की है। इसे ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार तेलंगाना में जल पर्यटन और साहसिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है। अपने प्रयासों के तहत, सरकार राज्य भर में जल संसाधनों की जांच करने और पर्यटन विकास के लिए उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने बताया कि यदि हैदराबाद में सोमशिला बैकवाटर, नागार्जुन सागर, अन्य जलाशयों और हुसैन सागर झील को विकसित किया जाता है, तो तेलंगाना में जल पर्यटन क्षेत्र का काफी विकास होगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि हुसैन सागर के पानी को शुद्ध करने और इसे पूरी तरह से साफ करने की जरूरत है। जुपल्ली ने पिछले दस वर्षों में पर्यटन क्षेत्र की उपेक्षा करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की भी आलोचना की।

बीएसएनएल केबल तार चोरी के मामले में पांच गिरफ्तार

3.5 लाख रुपये मूल्य का 350 किलोग्राम तार, एक बोलेरो वाहन बरामद

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट पुलिस ने भूमिगत केबल तार चोरी के मामले में चार अपराधियों तथा एक रिसीवर को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से 350 किलोग्राम तांबे का तार, एक बोलेरो वाहन तथा दो क्राउबार बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में वेमुला सिम्हाद्री निवासी , देवलपल्ली (वी), (एम)देवरापल्ली, पूर्वी गोदावरी, वेमुला सिम्हाद्रि, निवासी देवलपल्ली (वी) देवरापल्ली (एम), पूर्वी गोदावरी, गुंजा दुर्गा प्रसाद निवासी, वड्डेरा गुडेम (वी), दक्षिणी सड़क, एलुरु, वेमुला आनंद निवासी, दक्षिणी सड़क, रामालयम के पास, एलुरु और खरीदार थोटा रामा राव निवासी, गुल्ला कुंटा कॉलोनी, महबूबाद शामिल हैं। बीती 23 नवंबर को डी. मारुति, एसडीई बीएसएनएल, पटनी टेलीफोन एक्सचेंज, सिकंदराबाद ने शिकायत दर्ज कराई कि 18 नवंबर को उन्हें विभिन्न ग्राहकों से कई शिकायतें मिलीं कि उनके लैंडलाइन फोन और इंटरनेट कनेक्शन काम नहीं कर रहे थे। जिस पर, उन्होंने अपने कर्मचारियों के साथ क्षेत्र सत्यापन किया और उन्हें पता चला कि परेड ग्राउंड ईस्ट गेट, सिकंदराबाद की सड़क के किनारे भूमिगत तांबे की केबल चोरी हो गई थी, जो 90 मीटर की सीमा तक फैली हुई थी, जिसके कारण बीएसएनएल कनेक्शन और राजस्व की हानि हुई और बैंक सर्किट, राज्य और केंद्र सरकार के विभाग की लाइनें भी बुरी तरह प्रभावित हुईं। इसलिए, उन्होंने कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। बीते 4 दिसंबर को सुबह-सुबह अन्ना नगर एक्स रोड, बेगमपेट सिकंदराबाद में वाहन जांच करते समय पुलिस ने एक बोलेरो वाहन एपी 3% टीके 2189 को 4 सदस्यों, दो लोहे की खुदाई करने वाली छड़ें पिन के आकार (क्रो बार), दो कुदाल के साथ पकड़ा और गहन पूछताछ करने पर आरोपियों ने कबूल किया कि, उन्होंने श्रमिकों के रात के समय सड़कों को खोदकर चोरी को अंजाम दिया और परेड ग्राउंड में बेगमपेट पुलिस स्टेशन की सीमा से 90 मीटर बीएसएनएल केबल चोरी कर ली। इसके बाद, बेगमपेट पुलिस ने देवरापल्ली (एम), पूर्वी गोदावरी जिले के क्षेत्र में रहने वाले 4 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, उन्होंने कबूल किया कि चोरी की केबल को जला दिया और उसे बेच दिया।

पीड़ित बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में इंदिरा पार्क में सभा

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू ऐक्य वेधिका (भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति) के बैनर तले पीड़ित बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में धरना चौक, इंदिरा पार्क, हैदराबाद में संघी बावा सभा आयोजित की गई।

आरएसएस राष्ट्रीय समिति के सदस्य बगय्याजी ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कहा कि पूरा भारतीय राष्ट्र बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ खड़ा है और अपनी एकजुटता व्यक्त करता है। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाकर इस्लामी कट्टरपंथी ताकतों द्वारा किए जा रहे हमलों को रोकने में पूरी तरह विफल रही है। बांग्लादेश सरकार मूकदर्शक की भूमिका निभा रही है, जबकि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ नरसंहार चल रहा है, जिसमें हिंदू महिलाओं का बलात्कार और हत्या, मंदिरों को नष्ट करना और हिंदुओं की संपत्तियों को जलाना शामिल है। इस संबंध में, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को आगे आना चाहिए और बांग्लादेश सरकार पर बांग्लादेश में हिंदुओं के हितों की रक्षा के लिए दबाव डालना चाहिए। उन्होंने मांग की कि हिंदुओं पर हमला करने वाली कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। स्वामी चिन्मय कृष्णदास जी, इस्कॉन को बिना शर्त रिहा किया जाना चाहिए। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक लोगों के मौलिक अधिकारों की गारंटी दी जानी चाहिए।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुतला शशिधर ने संगी भाव सभा की अध्यक्षता की, जिसमें चिन्ना जीयर स्वामी आश्रम के उप निदेशक श्री श्री श्री देवनाधा जीयर स्वामी, स्वामी नारायण नीलकंठ विद्यापीठ के परम पूरज्य हरिदर्शन स्वामीजी, स्वामी दुर्गानंदपुरी स्वामीजी, बनारस बाबू स्वामीजी, विधायक टी. राजासिंह, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के महासचिव राजवर्धन रेड्डी, आरएसएस राष्ट्र संघ चालक बी सुंदर रेड्डी, वीएचपी नेता रामाराजू, डॉ. उपस्थित थे।

राम सिंह, डॉ. सुनीता रेड्डी, एबीवीपी, टीपीयूएस, बीजेपी, बीएमएस, हिंदू वाहिनी, भाग्यनगर प्रजाहित समिति, सबरीमाला अयप्पा सेवा समाज, हिंदू जनजागृति, धर्म जागरण, संचार जतुला अभिवृद्धि मंडली, आर्य वैश्य सेवा संगम, भारत स्वाभिमान, राजस्थानी समाज, जैन समाज, सिख समाज, इस्कॉन संगठनों और जनता के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की।

केयू कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

यूनिवर्सिटी कॉलेज के प्रिंसिपल लाल ने लिखी है पुस्तक

वारंगल, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रताप रेड्डी ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर कॉलेज के प्राचार्य बी सुरेश लाल द्वारा लिखित द वॉटर स्पिरिचुअल जेंडर एंड एनवायरनमेंटल पर्सपेक्टिव्स नामक पुस्तक का विमोचन किया। प्रताप रेड्डी ने कहा कि पानी जीवन का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो एक सार्वभौमिक विलायक के रूप में कार्य करता है।

उन्होंने कहा कि पानी में मिट्टी में खनिजों से लेकर हमारी कोशिकाओं में प्रोटीन तक कई तरह के पदार्थों को घोलने की अनूठी क्षमता होती है। इसके अद्वितीय गुण, जैसे कि ध्रुवीयता, इसे कई पदार्थों को घोलने में सक्षम बनाते हैं, जिससे यह पृथ्वी, जलवायु को विनियमित करने और सेलुलर प्रक्रियाओं के लिए उचित पीएच संतुलन बनाए रखने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। पानी और रसायन विज्ञान भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं जो हमारे ग्रह और उसके निवासियों को जीवित रखते हैं।

लाल ने कहा कि पानी हमेशा से ही मानव इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, जिसने संस्कृतियों और सभ्यताओं को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे सभ्यताएं विकसित हुईं, पानी के साथ उनका संबंध बदलता गया, रोमन असाधारण इंजीनियर थे जिन्होंने शहरों को पानी की आपूर्ति करने और कचरे का निपटान करने के लिए जलसेतु और सीवेज सिस्टम का निर्माण किया।

मूल्य और शांति रोसैया की विरासत को परिभाषित करते हैं: भट्टी

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री कोनिजेती रोसैया को मूल्यों का प्रतीक और शांत जीवन का प्रतीक बताया है। बुधवार को एचआईसीसी में आयोजित रोसैया की तीसरी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए विक्रमार्क ने रोसैया की राजनीतिक यात्रा की दृढ़ता और समर्पण पर जोर दिया। "रोसैया का जीवन उतना सहज नहीं था, जितना लगता है। उन्होंने कई राजनीतिक उथल-पुथल और आंदोलनों का सामना किया, लेकिन एक अलग पहचान के साथ मजबूत होकर उभरे। उनके अनुशासन और ईमानदारी ने उन्हें एक छात्र नेता से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाद में तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में आगे बढ़ाया," विक्रमार्क ने कहा। रोसैया के नेतृत्व में बिताए समय को याद करते हुए विक्रमार्क ने कहा, जब वे वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत थे, तब मुझे एमएलसी, एमएलए और चीफ व्हिप के रूप में उनके अधीन काम करने का सौभाग्य मिला था। विपक्ष की आलोचना का तर्कसंगत तरीके से जवाब देने और सरकार को आगे बढ़ाने की उनकी क्षमता अनुकरणीय थी। रोसैया की सरल लेकिन प्रभावशाली संवाद शैली सभी राजनेताओं के लिए एक सबक है। उन्होंने राजनीतिक विमर्श के प्रति रोसैया के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा, उन्होंने कभी व्यक्तिगत हमले नहीं किए और इसके बजाय तर्कसंगत जवाब दिए, जिससे यह प्रदर्शित हुआ कि कैसे निर्वाचित प्रतिनिधियों को जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए और ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने राज्य के वित्त के प्रबंधन में रोसैया की अद्वितीय विशेषज्ञता की प्रशंसा की, अविभाजित आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक बजट पेश करने के उनके रिकॉर्ड का उल्लेख किया। उन्हें कृषि और स्वास्थ्य सेवा का गहन ज्ञान था। आचार्य एन.जी. विक्रमार्क ने याद करते हुए कहा, "उन्होंने कृषि क्षेत्र के बारे में अपनी समझ को और गहरा किया और रंगा की शिक्षाओं के एक समर्पित छात्र के रूप में पहचान बनाई। रोसैया का नेतृत्व पीसीसी अध्यक्ष और बाद में पार्टी प्रवक्ता के रूप में उनके कार्यकाल तक बढ़ा, जहां उन्होंने राज्य में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक प्रवक्ता के रूप में, उन्होंने पीसीसी कार्यालय से हर दिन सत्तारूढ़ पार्टी से लगन से सवाल पूछे, जिससे कांग्रेस की सत्ता में वापसी में महत्वपूर्ण योगदान मिला।" उन्होंने महात्मा गांधी के आदर्शों और कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए रोसैया की सराहना की, जिसे उन्होंने प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया और भारतीय राजनीति पर एक अमिट छाप छोड़ी।

बारह साल का गुमशुदा मोहम्मद खलील बन गया 22 वर्ष का अभिनव सिंह

गायब हुई 11 साल की गंगामणि दो बच्चों की मां बन गई

महिला सुरक्षा विंग का कमाल, वर्षों से लापता लोगों को ढूंढ निकाला

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा विंग की एक विशेष टीम ने 2014 में गुम हुए एक लड़के का पता लगाया है। यह मामला , हैदराबाद कमिश्नरेट, तेलंगाना के पीएस कंचनबाग का है। इस संबंध में श्रीमती शिखा गोयल, डीजी, महिला सुरक्षा विंग ने बताया कि मोहम्मद खलील घोरी पुत्र मोहम्मद अरशद घोरी, उम्र 12 वर्ष, निवासी हैदराबाद नामक एक लड़का 18 अगस्त वर्ष 2014 से अपने घर से लापता था। 10 साल बाद उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा विंग, टीजी, हैदराबाद की एक टीम द्वारा उसका पता लगाया गया। महिला सुरक्षा विंग में शी साइबर लैब और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ऐसे लंबे समय से लंबित गुमशुदा मामलों को लेती है और उनका पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास करती है।

जांच के दौरान पता चला कि लड़का सिर्फ अपना आधार कार्ड लेकर घर से निकला था। स्थानीय पुलिस द्वारा प्रयास किए जाने के बावजूद लड़के का पता नहीं चल सका। बाद में स्थानीय पुलिस ने मामला एएचटीयू, सीआईडी टीजी को सौंप दिया। जांच के दौरान महिला सुरक्षा विंग की तकनीकी टीम ने ओपन सोर्स टूल्स के साथ-साथ पुलिस जांच टूल्स का उपयोग करके लापता लड़के की सभी डिजिटल पहचान एकत्र की है। जांच में पता चला कि लापता लड़के के आधार कार्ड के जरिए उसकी डिजिटल पहचान बदल दी गई थी और एक नए मोबाइल नंबर से अपडेट कर दी गई थी। छोटी सी सुराग के आधार पर टीम ने मोबाइल नंबर के विवरण का सत्यापन किया और पहचान की कि यह प्रयागराज (यूपी राज्य) में कानपुर के एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी से संबंधित था। सभी विवरणों की पुष्टि करने के बाद, यह पाया गया कि "12 वर्ष की आयु में लड़का ट्रेन से यूपी गया था और कानपुर रेलवे स्टेशन पर चलते समय उसे रेलवे पुलिस कानपुर द्वारा बाल देखभाल संस्थान में ले जाया गया और उसे 2022 तक वहां रखा गया। वहां से उसे एक सरकारी कर्मचारी सनेही सिंह ने गोद ले लिया। लड़के का नाम बदलकर अभिनव सिंह रख दिया गया। वर्तमान में उसकी उम्र 22 वर्ष है। विशेष जांच दल को यूपी के कानपुर भेजा गया और उत्तर प्रदेश में 10 साल बाद उसे सफलतापूर्वक खोज निकाला गया।

इसी तरह, विशेष टीम ने दो ऐसे लंबे समय से लंबित गुमशुदा मामलों का पता लगाया। इसी क्रम में राचकोंडा कमिश्नरेट, तेलंगाना के पीएस नाचाराम की गंगा उर्फ गंगामणि नामक एक लड़की, उम्र लगभग 11 वर्ष, 30 नवंबर 2015 को दोपहर शांति सदन होम, नाचाराम से लापता पाई गई और 9 साल बाद मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) टीम, महिला सुरक्षा विंग द्वारा निजामाबाद में उसका पता लगाया गया। जांच के दौरान पता चला कि लापता लड़की गुब्बारे बेचती थी और इस छोटे से सुराग के आधार पर टीम ने लापता लड़की का पता लगाने के लिए तेलंगाना के सभी जिलों में गुब्बारे बेचने वालों के बारे में पुष्टि की। खोज जारी रखते हुए टीम निजामाबाद गई और गुब्बारे बेचने वालों के लिए सभी गांवों और क्षेत्रों की पुष्टि की। आखिरकार लड़की को निजामाबाद शहर में उसके पति के साथ गुब्बारे बेचते हुए पाया गया। पता चला कि, उसने साइबा तारू नामक एक व्यक्ति से शादी की, उसके दो बच्चे हैं।

इसी तरह हैदराबाद के चंद्रयानगुट्टा निवासी दो नाबालिग, जिनकी उम्र लगभग 10 साल है और एक लड़का जिनकी उम्र लगभग 8 साल है। 5 जुलाई 2017 से अपने घर से लापता पाए गए और उन्हें 7 साल बाद कर्नाटक राज्य के बैंगलोर में शी साइबर लैब और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, महिला सुरक्षा विंग, टीजी, हैदराबाद की एक टीम द्वारा खोजा गया। जांच के दौरान महिला सुरक्षा विंग की तकनीकी टीम ने ओपन सोर्स टूल्स के साथ-साथ पुलिस जांच टूल का उपयोग करके लापता लड़के की सभी डिजिटल पहचान एकत्र की है। अब बच्चों की उम्र लगभग 17 साल की लड़की और लगभग 15 साल का लड़का है - जिन्हें 7 साल बाद कर्नाटक राज्य के बैंगलोर में खोजा गया।

नवंबर 2024 तक, तेलंगाना में 22,780 गुमशुदा मामले दर्ज किए गए। 19,191 मामले पहले ही ट्रेस किए जा चुके हैं। हमारा ट्रेसिंग प्रतिशत 84.257 है, जबकि राष्ट्रीय औसत 51.17 है। महिला सुरक्षा विंग कुछ पुलिस थानों में लंबे समय से लंबित मामलों को उठाती है और उनका पता लगाने के लिए विशेष टीमें तैनात करती है। अब तक महिला सुरक्षा विंग की टीम द्वारा ऐसे 27 लंबे समय से लंबित मामलों का पता लगाया जा चुका है।महिला सुरक्षा विंग की महानिदेशक ने महिला सुरक्षा विंग में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और शी साइबर लैब के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

अपने समुदाय के लिए एक रोल मॉडल बनना चाहिए : सीवी आनंद

ट्रांसजेंडरों की भर्ती प्रक्रिया में 58 ट्रांसजेंडर शामिल

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय को एक पहचान दिलाने के लिए की गई एक बड़ी पहल पर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस विभाग में ट्रैफिक सहायकों की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। अनीता रामचंद्रन महिला और बाल कल्याण विभाग, रवि गुप्ता प्रमुख सचिव गृह विभाग, सीवी आनंद पुलिस आयुक्त हैदराबाद ने ट्रांसजेंडरों की भर्ती के संबंध में ट्रांसजेंडरों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें की और आदेश जारी किए। आज, सरकार के निर्देशों के अनुसार, गोशामहल पुलिस ग्राउंड में समाज कल्याण विभाग द्वारा दी गई उम्मीदवारों की सूची के अनुसार हैदराबाद पुलिस में ट्रैफिक सहायकों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह भौतिक कार्यक्रम कल्याण विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में डीसीपी साउथ वेस्ट, होमगार्ड कमांडेंट और अतिरिक्त डीसीपी सीएआर द्वारा गठित भर्ती समिति द्वारा आयोजित किया गया था। नियमों के अनुसार 18 वर्ष की आयु होनी चाहिए, जो (40) वर्ष से अधिक आयु के हैं वे पात्र नहीं हैं। उम्मीदवार भारतीय नागरिक होना चाहिए, कम से कम एसएससी पास होना चाहिए, संबंधित जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी व्यक्तिगत पहचान पत्र होना चाहिए, हैदराबाद आयुक्तालय की सीमा के भीतर स्थानीय उम्मीदवार होना चाहिए। ट्रांसजेंडर महिलाओं की ऊंचाई 165 सेमी (एसटी के मामले में 160 सेमी) होनी चाहिए, 800 मीटर दौड़, लंबी कूद, शॉट-पुट आयोजित किए गए थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बुमराह से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने चली चाल
बना दी बवाल मचाने वाली पिच

एडिलेड, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 की जंग रोचक हो चली है. भारत ने पहला टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया को अपने तेवर दिखा दिए है. वहीं अब दोनों टीमों की निगाहें टिकी हुई है 6 दिसंबर से शुरू होने वाले सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच पर. BGT का दूसरा मैच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा. पिंक बॉल से खेला जाने वाला ये एक डे-नाइट मुकाबला होगा.पहला टेस्ट जीतकर जहां भारतीय टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है वहीं कंगारू टीम हिसाब चुकता करने की तैयारी में है. इसी बीच दूसरे टेस्ट के लिए तैयार की जा रही पिच की तस्वीर सामने आ गई है. इसके बाद साफ जाहिर है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने ऐसी पिच तैयार की है. बता दें कि बुमराह ने पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी की कमर तोड़कर रख दी थी.

पिच से गायब हुई घास

6 दिसंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया दूसरे टेस्ट मैच में एडिलेड ओवल में आमने-सामने होंगे. इसके लिए तैयारियों को अंतिम रुप दिया जा रहा है. इसी बीच पिच की तस्वीर ने काफी कुछ कहानी बयां कर दी है. पिच में घास नजर नहीं आ रही है. बता दें कि एडिलेड ओवल मैदान के चीफ क्यूरेटर डैमियन हौघ की देख रेख में पिच तैयार की जा रही है.

बुमराह से डरा ऑस्ट्रेलिया!

कंगारु टीम के लिए सबसे बड़ा चैलेंज होंगे भारत के उप कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह. पर्थ टेस्ट में बुमराह ने पहली पारी में 5 बल्लेबाजों को पैवेलियन का रास्ता दिखाया था जबकि दूसरी पारी में उन्होंने कंगारु टीम के तीन शिकार किए थे. अब एडिलेड की पिच देखने के बाद कहना गलत नहीं होगा कि बुमराह से निपटने के लिए ही ऑस्ट्रेलिया ऐसी पिच तैयार कर रहा है जिससे कि बल्लेबाजों को मदद मिल सके.

एडिलेड में कहर बरपाते हैं बुमराह

बुमराह भी पिंक बॉल टेस्ट के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं. एडिलेड में उनका डंका बजता आया है. बुमराह ने एडिलेड में दो मैचों में कुल 8 विकेट झटके हैं. वहीं ओवर ऑल ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर भी वे काफी सफल गेंदबाज हैं. ऑस्ट्रेलिया में कुल 8 मैचों में भारतीय उप कप्तान ने 40 विकेट हासिल किए हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर 6 विकेट लेना शामिल है. ऑस्ट्रेलिया में उनका औसत 18.80 का है.

एडिलेड ओवल मैदान पर टेस्ट के आंकड़े

अब तक एडिलेड ओवल में कुल 82 टेस्ट मैच खेले गए हैं. इनमे से विजिटिंग टीम ने सिर्फ 18 मैचों में जीत हासिल की है. वहीं होम टीम ने 45 मैच जीते. जबकि 19 मैच ड्रॉ रहे. पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 40 जबकि बाद में बैटिंग करने वाली टीम 23 मुकाबले जीत सकी है. एडिलेड में पहली पारी का एवरेज स्कोर 379 है. इसके बाद 346, 268 और 208 क्रमशः दूसरी, तीसरी और चौथी पारी का स्कोर है.

एडिलेड में टीम इंडिया के खिलाड़ी हुए परेशान
फैंस की मौजूदगी से तैयारियों पर असर

एडिलेड, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला एडिलेड में खेला जाएगा. इस टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया बेहद परेशान हो गई और इसकी वजह विराट और रोहित शर्मा का नाम है. हैरान होने की जरूरत नहीं क्योंकि ये एकदम सच बात है. दरअसल एडिलेड में टीम इंडिया का प्रैक्टिस सेशन चल रहा था जिसे देखने के लिए आम लोगों को स्टेडियम में आने की इजाजत दी गई थी. जब विराट और रोहित ने प्रैक्टिस शुरू की तो फैंस चिल्लाने लगे, उनका नाम पुकारने लगे. इसकी वजह से खिलाड़ियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा. नतीजा अब प्रैक्टिस सेशन के दौरान फैंस की एंट्री पर बैन लगा दिया गया है.

एडिलेड में फैंस की एंट्री पर बैन

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अब पूरी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन में किसी फैंस को एंट्री नहीं मिलेगी. हुए प्रैक्टिस सेशन में हजारों फैंस स्टेडियम पहुंच गए और उन्होंने वहां इतना हल्ला मचाया कि टीम इंडिया परेशान हो गई. रिपोर्ट्स के मुताबिक फैंस लगातार भारतीय बल्लेबाजों से छक्के या चौके की डिमांड कर रहे थे. यही नहीं जो खिलाड़ी आउट हो रहे थे उसे बार-बार ट्रोल भी किया जा रहा था.

फैंस की मौजूदगी से तैयारियों पर असर

रिपोर्ट्स के मुताबिक फैंस बिल्कुल नेट्स के पास ही थे और वो काफी देर तक लगातार नारेबाजी और कमेंट्स करते रहे. यही नहीं सभी ने खिलाड़ियों से सेल्फी की भी मांग की. फैंस की इन हरकतों की वजह से भारतीय खिलाड़ियों को काफी परेशानी हुई और वो अपनी प्रैक्टिस में पूरी तरह से ध्यान नहीं लगा पाए.भारतीय बल्लेबाजों की प्रैक्टिस के दौरान चौका मार, छक्का मार, आउट हो गया जैसे कमेंट्स पास किए जा रहे थे जिसने खिलाड़ियों पर असर डाला.

एडिलेड टेस्ट पिंक बॉल से खेला जाएगा. पिछले दौरे पर टीम इंडिया इसी वेन्यू पर पिंक बॉल से सिर्फ 36 रनों पर ढेर हो गई थी. टीम इंडिया के सामने उस दाग को धोने का अच्छा मौका है. पर्थ टेस्ट में टीम इंडिया ने जीत हासिल की है और जाहिर तौर पर उसके हौसले बुलंद होंगे.

5 छक्के, 4 चौके, शिखर धवन ने गेंदबाजों का खोला धागा
महादेव का नाम लेकर नेपाल प्रीमियर लीग में मचाया तूफान

काठमांडू, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। शिखर धवन इन दिनों नेपाल प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं, जहां टीम के दूसरे ही मैच में उनका दमदार धमाका देखने को मिला है. धवन को नेपाल प्रीमियर लीग की टीम करनाली याक्स ने खरीदा है. लेकिन, यकीन मानिए खेलने के लिए धवन को जितने पैसे टीम ने दिए होंगे, वो उसके ही नहीं बल्कि फैंस के भी पूरे पैसे वसूल कराते दिख रहे हैं. पहले मैच की नाकामी को भूलाकर शिखर धवन दूसरे मैच में महादेव का नाम लेकर उतरे और विरोधी गेंदबाजों का धागा खोलकर तूफान मचा दिया.

धवन ने एनपीएल में जड़ी पहली हाफ सेंचुरी, ये रही खास बात

नेपाल प्रीमियर लीग के पहले मैच में 14 गेंदों पर 14 रन बनाने वाले धवन काठमांडू गोरखाज के खिलाफ खेले दूसरे मैच में 51 गेंदों पर 72 रन बनाकर नाबाद रहे. ये नेपाल प्रीमियर लीग में अब तक किसी बल्लेबाज के बल्ले से निकला दूसरा बड़ा स्कोर है. 141 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी के दौरान धवन ने 5 छक्के और 4 चौके लगाए. इस पारी के बाद वो अब करनाली याक्स टीम ही नहीं बल्कि लीग में भी दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज बन गए हैं. 2 मैचों के बाद NPL में उनके अब 80 रन हो गए हैं.

एनपीएल में मचाया तूफान लेकर महादेव का नाम!

काठमांडू गोरखाज के खिलाफ ओपनिंग करते हुए खेली शिखर धवन की इस पारी का एक कनेक्शन महादेव से भी है. दरअसल, इस मैच से एक दिन पहले धवन पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा के लिए गए थे. धवन ने पशुपतिनाथ मंदिर की अपनी तस्वीरें भी पोस्ट की थीं.

धवन 72 रन बनाकर नाबाद, टीम ने बनाए 20 ओवर में 149 रन

शिखर धवन की पारी की बदौलत पहले बल्लेबाजी करने उतरी करनाली याक्स ने दूसरे मैच में 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 149 रन बनाए. धवन के बल्ले से निकले 72 रन के अलावा टीम के बाकी किसी बल्लेबाज ने 25 रन का भी आंकड़ा पार नहीं किया. धवन शुरू से लेकर अंत तक विकेट पर जमे रहे. उन्होंने शुरुआत अपनी इनिंग की धीमी की थी. पर एक बार जब निगाहें जम गईं तो फिर काठमांडू गोरखाज के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की.

राष्ट्रीय जूनियर तलवारबाजी चैंपियनशिप में दीपांशी आखिरी ने जीता स्वर्ण
सारिका को मिला रजत पदक

पाटलिपुत्र, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की तलवारबाज आखिरी ने 32वीं राष्ट्रीय जूनियर तलवारबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन सेबर व्यक्तिगत स्पर्धा के लड़कियों के वर्ग में दीपांशी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि सारिका को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खेल विभाग और बिहार राज्य प्राधिकरण की ओर से बिहार में इस टूर्नामेंट का पहली बार आयोजन हो रहा है। पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर स्टेडियम में युवा तलरवारबाज अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। गुजरात की ऋतु प्रजापति तथा मणिपुर की लैशराम अबी ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, ईपी व्यक्तिगत स्पर्धा के लड़कों के वर्ग में पंजाब के बलीराम जोशी ने स्वर्ण पदक, तेलंगाना के

लोकेश बेमानी ने रजत पदक, हरियाणा के गौरव और पंजाब के शौर्य अश्विनी ने कांस्य पदक हासिल किया। तलवारबाजी के फॉयल व्यक्तिगत लड़कियों के वर्ग में छत्तीसगढ़ की दीपांशी ने स्वर्ण पदक, हरियाणा की प्राची ने रजत पदक, मणिपुर की ताखेलम्बम मंगेलीबी और तमिलनाडु की आशिता एस जॉयस ने कांस्य पदक हासिल किया।

इस टूर्नामेंट के दूसरे दिन बिहार के खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता ,अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान तथा बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें प्रोत्साहित किया। इस दौरान खेल प्राधिकरण के निदेशक रवींद्रनाथ चौधरी तथा भारतीय तलवारबाजी संघ के उपाध्यक्ष रमाशंकर प्रसाद उपस्थिति रहे।

किंग्स्टन टेस्ट- बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को 101 रन से हराया
2 मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रॉ; तैजुल इस्लाम प्लेयर ऑफ द मैच

किंग्स्टन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने किंग्स्टन टेस्ट में वेस्टइंडीज को 101 रन से हरा दिया है। इस जीत से बांग्लादेशी टीम 2 मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराने में कामयाब हो गई है। टीम को पहले मुकाबले में 201 रन की पराजय झेलनी पड़ी थी। अब दोनों टीमों के बीच 8 दिसंबर से 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी जाएगी।

मुकाबले के चौथे दिन मंगलवार को बांग्लादेश ने 193/5 के स्कोर से खेलना शुरू किया। टीम ने दूसरी पारी में 268 रन बनाते हुए विंडीज को 287 रन का टारगेट दिया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 185 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में एक विकेट लेने वाले तैजुल इस्लाम ने दूसरी पारी में 5 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, जॉयडन सिल्स प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

जाकेर अली की फिफ्टी, बांग्लादेश 268 पर ऑलआउट

29 से अपनी पारी को आगे बढ़ाने वाले जाकेर अली 91 रन बनाए। उन्होंने मिडिल-लोअर ऑर्डर में तैजुल इस्लाम, हसन महमूद और नाहिद राणा के साथ अहम साझेदारियां करके टीम का स्कोर 268 रन पहुंचा दिया। जाकेर ने तैजुल इस्लाम के साथ 34, हसन महमूद के साथ 32 और नाहिद राणा के साथ 22 रनों की पार्टनरशिप की।

तैजुल इस्लाम ने 14 रन बनाए। उनके अलावा, लोअर ऑर्डर का कोई और बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। विंडीज के अल्जारी जोसेफ और केमार रोच ने 3-3 विकेट झटके।

रन चेज में 185 रन ही बना सकी विंडीज, केवम हॉज की फिफ्टी

287 रन का टारगेट चेज करने उतरी वेस्टइंडीज टीम दूसरी पारी में 185 रन ही बना सकी। होस्ट टीम की ओर से ओपनर क्रेग ब्रेथवेट ने 43 और हॉज ने 55 रनों का योगदान दिया। जस्टिन ग्रेविस ने 20 रन बनाए। शेष बैटर्स खास नहीं कर सके।

तैजुल इस्लाम को 5 विकेट, तस्कीन और हसन को 2-2 विकेट

बांग्लादेश की ओर से दूसरी पारी में तैजुल इस्लाम ने 5 विकेट झटके। वहीं, हसन महमूद और तस्कीन अहमद ने 2-2 विकेट झटके। पिछली पारी में 5 विकेट लेने वाले नाहिद राणा को एक विकेट मिला।

तैजुल प्लेयर ऑफ द मैच रहे

बांग्लादेशी गेंदबाज तैजुल इस्लाम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्स्टन टेस्ट की दूसरी पारी में 5 विकेट झटके। वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे। तैजुल गूगल में खूब सर्च किए जा रहे हैं।

पाकिस्तान ने 3 खिलाड़ियों को किया बाहर
2 मैच में 19 विकेट लेने वाला बॉलर भी निकाला गया

इस्लामाबाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने की आदत सी हो गई है. इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक सीरीज जीत के बाद अब पाकिस्तान को साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाना है और उससे पहले इस टीम ने ऐसा चौंकाने वाला फैसला लिया है जो कि सच में हैरान करने वाला है. पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने तीन ऐसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया है जो उसकी टीम के सुपरस्टार हैं और यही नहीं ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ जीत की स्क्रिप्ट भी इन्हीं खिलाड़ियों ने लिखी थी. आइए आपको बताते हैं पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने किन 3 बड़े खिलाड़ियों को बाहर किया है.

शाहीन अफरीदी बाहर

पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने शाहीन अफरीदी को टेस्ट टीम में जगह नहीं दी है. बाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट टीम में नहीं चुने गए हैं. हैरानी की बात है कि साउथ अफ्रीका की तेज पिच तेज गेंदबाजों को मदद करती है और वहीं पर शाहीन को टीम में जगह नहीं दी गई. शाहीन को ये कहकर आराम दिया गया है कि उनका वर्कलोड मैनेज किया जा रहा है. शाहीन को वनडे और टी20 टीमों में जगह मिली है. शाहीन अफरीदी इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैच भी नहीं खेले थे.

नसीम शाह बाहर

तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने टेस्ट टीम में जगह नहीं दी है. बड़ी बात ये है कि इस खिलाड़ी को वनडे टीम में ही मौका मिला है. उन्हें टी20 टीम में भी नहीं चुना गया है. नसीम शाह भी इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी दो मैचों से बाहर थे.

साजिद खान का पत्ता साफ

इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले ऑफ स्पिनर साजिद खान को तीनों फॉर्मेट में नहीं चुना गया है. साजिद खान ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2 मैचों में 19 विकेट लिए थे. साथ ही उन्होंने बल्ले से भी अच्छा योगदान दिया था लेकिन अगली ही टेस्ट सीरीज में उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया. साउथ अफ्रीका की पेस और बाउंसी विकेट्स को देखते हुए ये फैसला लिया गया है.

अंडर 19 एशिया कप-भारत ने यूएई को 10 विकेट से हराया
13 साल के वैभव ने 6 छक्के लगाए; आईपीएल में 1.1 करोड़ में बिके थे

भारतीय राष्ट्रीय अंडर-19 क्रिकेट टीम बनाम यूएई राष्ट्रीय अंडर-19 क्रिकेट टीम एसएससी अंडर19 एशिया कप 2024 के 12वें ग्रुप स्टेज वनडे मैच 30 नवंबर(शनिवार) को शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. एसीसी अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप स्टेज में खेले गए मुकाबले में भारतीय अंडर-19 टीम ने संयुक्त अरब अमीरात को 10 विकेट से हराकर एक और बड़ी जीत दर्ज की. शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारत ने हर क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखते हुए विपक्षी टीम को पूरी तरह से मात दी. इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है. वही, सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है. यह भी पढ़ें: 137 रन पर सिमटी यूएई की टीम, युधाजित गुहा ने झटके 3 विकेट

संयुक्त अरब अमीरात की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. हालांकि, उनका यह निर्णय भारतीय गेंदबाजों के सामने गलत साबित हुआ. पूरी टीम 44 ओवर में 137 रन पर ढेर हो गई. यूएई की ओर से रायन खान ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि अक्षत राय ने 26 और एथन कार्ल डी'सूजा ने 17 रनों का योगदान दिया. भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर अपने कौशल का प्रदर्शन किया. युधाजीत गुहा ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया, उन्होंने 7 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए. चेतन शर्मा और हार्दिक राज ने भी अपनी कसी हुई गेंदबाजी से 2-2 विकेट हासिल किए और यूएई के बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया.

138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने बेहद आक्रामक अंदाज में खेलते हुए सिर्फ 16.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य हासिल कर लिया. सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अयुष म्हात्रे ने भारतीय पारी को शानदार शुरुआत दी. वैभव ने 46 गेंदों में नाबाद 76 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल थे. उनके साथ अयुष म्हात्रे ने 51 गेंदों में 67 रनों की नाबाद पारी खेली. दोनों बल्लेबाजों ने यूएई के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और टीम को एकतरफा जीत दिलाई.

छह राष्ट्रीय खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी राज मनचंदा का निधन, अर्जुन पुरस्कार से थे सम्मानित

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज स्क्वाश खिलाड़ी राज मनचंदा का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। छह बार राष्ट्रीय खिताब जीत चुके मनचंदा ने रविवार को आखिरी सांस ली जिसकी जानकारी उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने दी। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित मनचंदा भारतीय स्क्वाश जगत के सबसे चर्चित चेहरे थे। वह 1977 से 1982 तक राष्ट्रीय चैंपियन रहे और उन्होंने सेना के लिए अभूतपूर्व 11 खिताब जीते।

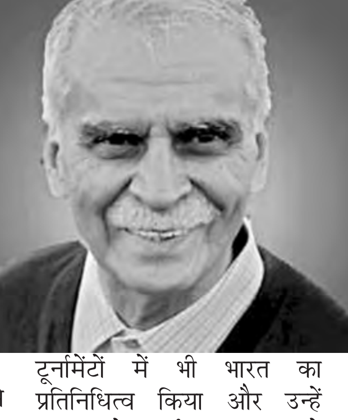

इस दौरान मनचंदा ने एशियाई चैंपियनशिप और विश्व स्तरीय टूर्नामेंटों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया और उन्हें 1983 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मनचंदा उस वक्त सुर्खियों में आए जब सेना के लिए कप्तान बने और 33 साल की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता। 1981 में उन्होंने एशियन चैंपियनशिप के दौरान दिग्गज जहांगीर खान का सामना किया जिनका 1980 के दशक में स्क्वाश में दबदबा था।

मनचंदा ने कई मौकों पर भारतीय टीम की कमान संभाली जिसमें कराची में 1981 में एशियन टीम चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली टीम की कप्तानी करना भी शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 1984 में जॉर्डन में हुए एशियन चैंपियनशिप में आया जब वह चौथे स्थान पर रहे। हालांकि, उस समय उनके नेतृत्व वाली टीम ने कांस्य पदक जीता था।

सुरक्षा इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित करने के लिए हैदराबाद का चयन

गूगल और राज्य सरकार के बीच महत्वपूर्ण समझौता

हैदराबाद, 4 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने गूगल के साथ एक अहम समझौता किया है। गूगल कंपनी हैदराबाद में देश का पहला गूगल सेफ्टी इंजीनियरिंग सेंटर (जीएसईसी) स्थापित करने के लिए आगे आई है। हैदराबाद में स्थापित होने वाला सेफ्टी इंजीनियरिंग सेंटर दुनिया में पांचवां है। टोक्यो के बाद एशिया प्रशांत क्षेत्र में स्थापित होने वाला यह दूसरा केंद्र है। गूगल सुरक्षा इंजीनियरिंग केंद्र एक अद्वितीय अंतर्राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा केंद्र है। यह उन्नत सुरक्षा और ऑनलाइन सुरक्षा उत्पाद विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सुरक्षा केंद्र अत्याधुनिक अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित सुरक्षा और साइबर सुरक्षा पेशेवरों और शोधकर्ताओं के लिए एक सहयोगी मंच के रूप में काम करेगा। केंद्र का लक्ष्य देश में कौशल विकास, रोजगार बढ़ाना और साइबर सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाना है। गूगल, जिसके पास अभी भी बड़ी संख्या में कर्मचारी हैं, हैदराबाद में दुनिया का सबसे बड़ा कार्यालय बना रहा है।

कंपनी ने इस साल 3 अक्टूबर को आयोजित गूगल फार इंडिया 2024 कॉन्क्लेव में एक सुरक्षा इंजीनियरिंग केंद्र की स्थापना की घोषणा की। तब से, विभिन्न राज्यों ने अपने राज्य में जीएसईसी स्थापित करने और गूगल निवेश को आमंत्रित करने के लिए प्रतिस्पर्धा की है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान गूगल मुख्यालय का दौरा किया।

तब से, सरकार ने हैदराबाद में इस अत्याधुनिक केंद्र की स्थापना के लिए एक विशेष पहल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी और गर्व है कि गूगल हैदराबाद में यह सुरक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए आगे आया है।

उन्होंने कहा कि गूगल के साथ राज्य सरकार के साझेदारी समझौते से हैदराबाद एक बार फिर दुनिया में आईटी और इनोवेशन हब के रूप में सभी का ध्यान आकर्षित करेगा।गूगल के मुख्य सूचना अधिकारी रॉयल हैनसेन के नेतृत्व में कंपनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आईटी उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की।

इस अवसर पर बोलते हुए हैनसेन ने कहा कि तेलंगाना डिजिटल कौशल विकास में सबसे आगे है। हैदराबाद पूरी दुनिया में आईटी और आईटी इजीनियरिंग सेवाओं के विकास का केंद्र है। इस केंद्र की स्थापना से हजारों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

एससीआर ने बढ़ाई 19 एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या

40 ट्रेनों में 146 अतिरिक्त जनरल क्लास कोच जोड़े जाएंगे

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने पूरे जोन में 19 एक्सप्रेस ट्रेनों (33 रेक) में 66 अतिरिक्त एलएचबी (लिंक-हॉफमैन-बुश) जनरल क्लास कोच जोड़े हैं। तदनुसार, प्रत्येक ट्रेन में मौजूदा दो कोचों के अलावा दो अतिरिक्त जनरल क्लास कोच जोड़े गए हैं, जिससे प्रत्येक ट्रेन में कुल 4 एलएचबी जनरल क्लास कोच हो गए हैं।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि एससीआर क्षेत्राधिकार में महत्वपूर्ण मार्गों जैसे सिकंदराबाद, हैदराबाद, लिंगमपल्ली, काचीगुडा, गुंटूर, निजामुद्दीन, तिरुपति, काकीनाडा, दानापुर, मछलीपट्टनम, यशवंतपुर, नांदेड़, मदुरै आदि पर चलने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों के लिए एलएचबी सामान्य श्रेणी के डिब्बे उपलब्ध कराए गए हैं।

एससीआर अधिकारियों ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में गैर-एसी जनरल कोचों को शामिल करने से रोजाना हजारों यात्रियों को लाभ होगा। इसके अलावा, रेलवे अधिकारियों ने जोन पर 21 अन्य ट्रेनों में 80 अतिरिक्त एलएचबी जनरल क्लास कोच जोड़ने की भी योजना बनाई है। इसके साथ ही, एससीआर क्षेत्राधिकार में कुल 40 ट्रेनों में 146 अतिरिक्त जनरल क्लास कोच जोड़े जाएंगे।

दिव्यांगों को हर क्षेत्र में सशक्त बनाया जाना चाहिए : विजयलक्ष्मी

सरकार विकलांगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

हैदराबाद, 4 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि दिव्यांग लोग सभी क्षेत्रों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। महापौर ने दिव्यांगों को दृढ़ता के साथ हर तरह से ऊंचा उठने की कामना की। अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाने के लिए सार्वजनिक प्रशासन सार्वजनिक विजय समारोह के हिस्से के रूप में बुधवार को खैरताबाद जोन जुबली हिल्स सीएमटीआई प्रशिक्षण केंद्र के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी और विधायक दानम नागेंद्र ने भाग लिया और सहायक उपकरण, ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र आदि वितरित किए। इस मौके पर महापौर ने कहा कि सरकार दिव्यांगों के कल्याण के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विकलांग लोगों को सभी क्षेत्रों में नेतृत्व करना चाहिए और एक विशिष्ट योजना बनानी चाहिए ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें और दृढ़ता और साहस के साथ उसके अनुसार आगे बढ़ सकें। विधायक दानम नागेंद्र ने कहा कि दिव्यांगों को किसी भी मामले में निराश नहीं होना चाहिए। उन्हें अपनी दिव्यांगता पर काबू पाना चाहिए और जज्बे और प्रतिस्पर्धा के साथ जो चाहते हैं उसे हासिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं मुहैया करा रही है और सरकार दिव्यांगों को हर तरह से सहयोग कर रही है। यूसीडी के अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी ने कहा कि विकलांग लोग सदस्य समाज में पीछे नहीं रहते, उनमें नेतृत्व के गुण होते हैं, उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दृढ़ संकल्प और साहस के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण उपलब्ध कराकर व्यवसाय करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी के 30 सर्किलों में पहचाने गए 3,619 विकलांग व्यक्तियों को 7,576 रुपये के सहायक उपकरण और सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। उसी के एक भाग के रूप में, आज 81 लाभार्थियों को 99 सहायक उपकरण और उपकरण वितरित किए गए। 16 व्हीलचेयर, व्हीलचेयर विद कमोड 1, वॉकिंग स्टिक मीडियम 4, लार्ज 8, एडजस्टेबल एल्बो स्टिक 8, एक्सेसिबल केन 5, होल्डेबल वॉकर 1, नी ब्रेस 18, डिजिटल हियरिंग एड 16, ट्राइसाइकिल 21, ब्रेल किट 1 का वितरण किया गया। बाद में महापौर ने वहां लगे स्वास्थ्य शिविर का दौरा किया। चिकित्सा शिविर में किये जा रहे परीक्षण, दी जा रही दवा आदि की जांच की गयी. इस मौके पर महापौर ने सफाई कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों को लेकर कई निर्देश दिये। कार्यक्रम में उपायुक्त प्रशांति, आरपी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, लाभार्थी, विकलांग लोग, स्थानीय लोग और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सीएम रेवंत रेड्डी ने दी रोसैया को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवंगत कोनिजेटी रोसैया जैसे योग्य साथियों की अनुपस्थिति को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को राज्य विधानसभा में उनके जैसे समस्या निवारक के बिना मुद्दों को संबोधित करने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। पूर्व मुख्यमंत्री को उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रेवंत रेड्डी ने रोसैया के निधन से पैदा हुए महत्वपूर्ण शून्य पर जोर दिया।

रेवंत रेड्डी ने टिप्पणी की कि रोसैया जैसे नेता के समर्थन से किसी भी मुख्यमंत्री का कार्यकाल शानदार सफलता वाला हो सकता है। उन्होंने कहा कि मर्री चेन्ना रेड्डी, एन. जनार्दन रेड्डी, भवनम वेंकटरामी रेड्डी और वाईएस राजशेखर रेड्डी सहित पिछले मुख्यमंत्री सरकारी मुद्दों को सुलझाने के लिए रोसैया की दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण राज्य पर स्थिर रूप से शासन करने में सक्षम थे।

कांग्रेस की हर सरकार में रोसैया की सहायक भूमिका की सराहना करते हुए रेवंत रेड्डी ने बताया कि रोसैया हमेशा नंबर दो पर रहे और नेतृत्व में बदलाव के बावजूद अपनी स्थिति पर अडिग रहे। रोसैया को कभी भी शीर्ष पद की लालसा नहीं थी, लेकिन उनके योग्य स्वभाव के कारण सोनिया गांधी ने उन्हें सही समय पर मुख्यमंत्री नियुक्त किया। रोसैया को '100 प्रतिशत सच्चा हैदराबादी' बताते हुए, रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में के. रोसैया की एक प्रतिमा स्थापित करने और उसका अनावरण करने की योजना की घोषणा की।

एसीबी के जाल में फंसा मार्केटिंग एओ

निर्मल, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने बुधवार को निर्मल कस्बे में एक व्यापारी से 7,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए विपणन विभाग के एक प्रशासनिक अधिकारी को गिरफ्तार किया। आदिलाबाद एसीबी के प्रभारी डीएसपी वीवी रमण मूर्ति ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी टी श्रीनिवास को एक व्यापारी कुमारी वेंकटेश से उसके लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए रिश्वत लेते समय गिरफ्तार किया गया।

श्रीनिवास ने कथित तौर पर व्यापारी को परेशान किया और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। अधिकारी के लालच से परेशान होकर व्यापारी ने एसीबी के अधिकारियों से संपर्क किया, जिन्होंने जाल बिछाया और व्यापारी से रिश्वत लेते समय उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एओ को करीमनगर में एसीबी मामलों की विशेष अदालत में पेश किया गया और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

हिट एंड रन मामले में एक व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के जवाहरनगर के बालाजी नगर में एक अज्ञात वाहन की लापरवाही से टक्कर मारने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित की उम्र 40 वर्ष बताई जा रही है और वह निर्माण मजदूर था। वह शिव नगर कॉलोनी में मैदान में सो रहा था, तभी एक वाहन ने कथित तौर पर उसे कुचल दिया।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय निवासियों ने सुबह उसका शव देखा और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने बताया कि वह कॉलोनी के मैदान में सो रहा था, तभी एक वाहन ने उसे कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद चालक मौके से फरार हो गया। जवाहरनगर पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है और वाहन तथा फरार चालक का पता लगाने के लिए आसपास के निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया।

कांग्रेस ने बेरोजगारों को किया निराश : केटीआर

हर अधूरे वादे के लिए कांग्रेस को जवाबदेह ठहराएगी बीआरएस

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर हर साल दो लाख सरकारी नौकरियां देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहकर राज्य के बेरोजगार युवाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य सरकार की 55,143 नौकरियों का श्रेय लेने के लिए आलोचना की, जिनके लिए बीआरएस शासन के तहत अधिसूचनाएं जारी की गईं और परीक्षाएं आयोजित की गईं।

सोमवार को एक्स से बात करते हुए रामा राव ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने हर साल दो लाख नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन, सरकार 55,143 नौकरियों को भरने का झूठा श्रेय ले रही है, जबकि बीआरएस शासन के तहत अधिसूचनाएं जारी की गई थीं और उनके लिए परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अधिसूचनाएं जारी कीं, परीक्षाएं आयोजित कीं और पिछले एक साल में केवल 12,527 पदों को भरने में कामयाब रही। तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को 1,87,473 नौकरियां देने का उनका वादा है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने उचित अधिसूचनाओं और परीक्षाओं के माध्यम से रोजगार सुनिश्चित किया, लेकिन कांग्रेस नौकरी कैलेंडर लागू करने और अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रही। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता पाने के लिए खोखली बयानबाजी की और फिर युवाओं से किए गए वादों को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि आज हम जो देख रहे हैं वह युवाओं का विकास नहीं बल्कि निराशा है। कांग्रेस ने चुनावों से पहले झूठे वादों से युवाओं को धोखा दिया और अब वे खोखले दावों के साथ समय बिता रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीआरएस हर अधूरे वादे के लिए कांग्रेस को जवाबदेह ठहराएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि तेलंगाना कांग्रेस के विश्वासघात का माकूल जवाब देगा।

आरटीए चेक-पोस्ट पर एसीबी की छापेमारी

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज एसीबी द्वारा आरटीए चेक पोस्टों भोरज चेक पोस्ट (आदिलाबाद), विष्णुपुरम चेक पोस्ट (नलगोंडा) और आलमपुर चेक पोस्ट (गडवाल) पर अचानक जांच की गई। छापेमारी के दौरान भोरज चेक पोस्ट से 62,500 रुपये, विष्णुपुरम चेक पोस्ट से 86,600 रुपये, आलमपुर चेक पोस्ट से 29,200 रुपये की बेहिसाबी रकम जब्त की गई। बेहिसाबी रकम के अलावा कई अनियमितताएं पाई गईं। तलाशी में कुल सात टीमों ने हिस्सा लिया। आवश्यक कार्रवाई के लिए दोषी अधिकारियों के खिलाफ सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

तेलंगाना में भूकंप के झटके

मंचेरियल, आसिफाबाद, वारंगल, कोत्तागुडेम, खम्मम में भी आए झटके मुलुगु में 5.3 तीव्रता से आया भूकंप

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कई जिलों में सुबह के समय भूकंप के झटके महसूस किए गए। मुलुगु क्षेत्र में बुधवार सुबह 7.27 बजे 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र मेदाराम के पास 40 किलोमीटर की गहराई पर था, जो हैदराबाद के उत्तरपश्चिम में लगभग 218 किलोमीटर और विजयवाड़ा के उत्तर में 212 किलोमीटर दूर स्थित था। भूकंप का केंद्र गोदावरी फॉल्ट सिस्टम और उसके आसपास तक ही सीमित था, जहां अतीत में कई भूकंप आए थे और इसलिए यह तनाव ऊर्जा मुक्ति का क्षेत्र है और यह गहरी परतों में हुआ, जिससे गहराई पर अधिकतम भूकंपीय ऊर्जा के क्षय के कारण अपेक्षा से कम डिग्री और कंपन हुआ। जब भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 से 6.9 के बीच होती है तो उसे मध्यम श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है।

वारंगल, कोत्तागुडेम, खम्मम में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया

बुधवार को सुबह 7.27 बजे कुछ सेकंड के लिए रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र मुलुगु में 40 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। वारंगल, कोत्तागुडेम, भद्राचलम, खम्मम और अन्य इलाकों में सुबह 7.27 बजे से 7.30 बजे तक अलग-अलग तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने घटना की समीक्षा की है और अपनी वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी है।

मंचेरियल, आसिफाबाद के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए झटके

मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के कुछ हिस्सों में बुधवार तड़के दो-तीन सेकंड के लिए हल्के झटके महसूस हुए। रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। लोगों ने बताया कि उन्हें सुबह 7 बजे के आसपास लक्सेटीपेट, जयपुर, मंचेरियल, कासिपेट, दांडेपल्ली और हाजीपुर मंडलों में भूकंप के झटके महसूस हुए। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण उनके घर ढह जाने के डर से वे अपने घर छोड़कर चले गए।

मध्यम तीव्रता का भूकंप कैसा महसूस होता है?

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान संस्थान के अनुसार, जिन लोगों ने 5.3 तीव्रता का भूकंप देखा है, उन्हें ऐसा महसूस हुआ होगा जैसे कोई भारी ट्रक किसी इमारत से टकरा गया हो, खड़ी कारें जोर से हिल रही हों और घरों के बर्तन और खिड़कियां खतरनाक तरीके से हिल रही हों। निवासियों ने दिन के समय घर के अंदर और बाहर भी भूकंप के झटके महसूस किए होंगे। रात में भूकंप के झटकों से कुछ लोग जाग गए होंगे। बर्तन, खिड़कियां और दरवाजे खड़खड़ा रहे होंगे, जबकि दीवारों से भी चटकने की आवाज आ रही होगी।

तेलंगाना राज्य में प्रमुख भूकंप:

- ✻ 1969 जून: भद्राचलम में 5.3 तीव्रता का भूकंप
- ✻ 4 दिसंबर, 2024: मुलुगु के पास मेदाराम में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया
- ✻ 1983: मेडचल में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया
- ✻ 26 जनवरी, 2021: सूर्यापेट के पास पुलिचिंतला में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया

55 साल में पहली बार 5.3 तीव्रता का आया भूकंप

आधी सदी से भी अधिक समय बाद तेलंगाना के कुछ हिस्सों में रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जो बुधवार को सुबह 7.27 बजे मुलुगु में आया और इसका केंद्र मेदाराम था। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के भूकंप विज्ञान प्रमुख (सेवानिवृत्त) डॉ. श्री नागेश ने कहा कि 1969 में भद्राचलम क्षेत्र में इसी तीव्रता का भूकंप आया था।

एनजीआरआई का भूकंप विज्ञान प्रभाग पिछले कुछ दशकों से भद्राचलम-मेदरम खंड पर भूकंपीय गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है, क्योंकि यह भूकंपीय क्षेत्र 3 में आता है। पिछले एक दशक से इस क्षेत्र में अक्सर 2-4 तीव्रता के भूकंप आते रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1969 के बाद यह पहली बार है जब 5.3 तीव्रता का भूकंप आया है।

यूएई में टेलीफोन बिल न चुकाने पर तेलंगाना के एनआरआई को जेल

दुबई, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दूरसंचार कंपनियों के पोस्टपेड पैकेज के साथ नवीनतम मॉडल के स्मार्ट फोन खरीदने की आसान विधि खाड़ी देशों में आने वाले कई नए तेलंगाना प्रवासियों के लिए वरदान साबित हो सकती है, लेकिन यह उनके लिए खतरा भी बन सकती है, क्योंकि कुछ धोखेबाज बिचौलियों के कारण वे कर्ज और कानूनी जटिलताओं में फंस सकते हैं।

इनमें से कई युवाओं को तो यह भी नहीं पता कि वे किन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर रहे हैं और छोटी सी रकम के लिए क्या परिणाम हो सकते हैं। जगतियाल जिले के मूल निवासी सुंकरी श्रीधर का मामला, जो यूएई में मजदूर के तौर पर काम कर रहा था और उसने सिम कार्ड हासिल किया, इस कार्यप्रणाली का एक उदाहरण है।

श्रीधर ने कुछ समय पहले दुबई में एक सिम कार्ड लिया था, लेकिन वह उसका इस्तेमाल नहीं कर रहा है। उसे लगा कि चूंकि वह सिम कार्ड का इस्तेमाल नहीं कर रहा है, इसलिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। श्रीधर को हाल ही में शारजाह एयरपोर्ट पर पुलिस ने उस समय गिरफ्तार किया जब वह अपनी छुट्टियों के लिए हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट में सवार हो रहा था। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे स्थानीय पुलिस को सौंप दिया, जिसने बताया कि उस पर एक स्थानीय टेलीकॉम कंपनी को स्मार्टफोन खरीदने के लिए 12,800 दिरहम (2.95 लाख रुपये के बराबर) बकाया है। उसे बताया गया कि उसने पोस्टपेड सिम के साथ स्मार्टफोन का लेटेस्ट मॉडल भी खरीदा है।

श्रीधर ने दावा किया कि उन्हें ऐसी किसी खरीद के बारे में जानकारी नहीं थी और उन्होंने एक बिचौलिए को दोषी ठहराया जिसने सिम कार्ड हासिल करने में उनकी मदद की।

वह फिलहाल सलाखों के पीछे है। तेलंगाना के कई लोग टेलीकॉम कंपनियों से किश्तों पर स्मार्टफोन खरीदने के ऐसे भ्रामक तरीकों में फंस गए हैं, जिन्हें जानबूझकर भुगतान न करने के कारण यात्रा प्रतिबंध और कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ रहा है।

टेलीकॉम कंपनियां, बैंक और अन्य लेनदार भुगतान न करने के सबूत के साथ अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं।

धीमी गति से चल रहा चार्जिंग स्टेशनों का काम

हैदराबाद, 4 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा भंडारण नीति का मसौदा तैयार हुए तीन वर्ष से अधिक समय हो गया है, लेकिन राज्य में अभी भी पर्याप्त चार्जिंग बुनियादी ढांचे का अभाव है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय द्वारा राज्यों से ईवी उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के बार-बार अनुरोध के बावजूद, तेलंगाना में काम धीमी गति से चल रहा है। तेलंगाना में लगभग 750 चार्जिंग स्टेशन हैं, जबकि राज्य में वर्तमान ईवी उपयोगकर्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए इनकी संख्या 2000 से अधिक होनी चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.